रांची, गुरुवार
27.06.2024
वर्ष : 9, अंक : 206 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

झारखंड कैबिनेट की बैठक कल

रांची। राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक 28 जून को होगी। मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन की अध्यक्षता में शाम चार बजे से प्रोजेक्ट भवन में कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जायेंगे। इस संबंध में मंत्रिमंडल सचिवालय एवं समन्वय विभाग ने आदेश जारी किया है और विभागों से प्रस्ताव मांगा है।

मुख्यमंत्री से मिले राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष

रांची। मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन से बुधवार को बूटी रोड, मोरहाबादी रांची स्थित आवास में राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष एम वेंकटेशन ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी।

डोडा मुठभेड़ में तीन आतंकी ढेर

डोडा। जम्मू-कश्मीर में डोडा जिलान्तर्गत गंदोह के वन क्षेत्र में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच जारी मुठभेड़ में एक और आतंकवादी मारा गया है। इसके साथ ही मरने वाले आतंकियों की संख्या तीन हो गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि अब तक तीन आतंकवादी मारे गए हैं जबकि इलाके में तलाशी अभियान जारी है। अभियान समाप्त होने के बाद ही आतंकवादियों की पहचान का पता चल पाएगा। उन्होंने कहा कि उनके कब्जे से अमेरिका निर्मित एम4 राइफल सहित हथियार और गोला.बारूद भी बरामद किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 11 और 12 जून को पहाड़ी जिले में हुए दोहरे आतंकवादी हमलों के बाद से सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल सीआरपीएफ के साथ पुलिस का गहन तलाशी और घेराबंदी अभियान जारी था। इस दौरान बुधवार सुबह गंदोह क्षेत्र के बजाद गांव में अभियान के दौरान क्षेत्र में छिपे आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों को पास आते देख गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। इस दौरान सुरक्षाबलों ने अब तक तीन आतंकवादियों को मार गिराया है।

मादक पदार्थों के विरुद्ध राज्य स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री

नशा मुक्त झारखंड बनाना सरकार की प्राथमिकता: चम्पाई

बिभा संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन बुधवार को मोरहाबादी मैदान में आयोजित मादक पदार्थों के विरुद्ध राज्य स्तरीय जागरूकताह कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार नशा मुक्त झारखंड के निर्माण को लेकर प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार द्वारा विशेष जागरूकता अभियान चलाकर जन-जन को नशा के दुष्प्रभाव की जानकारी दी जा रही है। गांव, मोहल्ला, पंचायत, प्रखंड, जिला एवं राज्य स्तर पर विभिन्न माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार कर लोगों को मादक पदार्थों से दूर रहने की अपील की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में नशीली पदार्थ का व्यापक रूप से

फैलाव हो रहा है। खास तौर पर मादक पदार्थों के तस्करों द्वारा विद्यालय, कॉलेज आदि क्षेत्र में युवा वर्ग को नशीली चीजों की लत लगा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा नशीली पदार्थों के तस्करों पर निरंतर कार्रवाई की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस प्रशासन द्वारा कई जगहों पर अफीम की खेती को नष्ट किया गया है। ब्राउन शुगर, गांजा, डोडा आदि मादक पदार्थों की रिकवरी भी हुई है। सैकड़ो की संख्या में आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। जिला पुलिस द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े अंतराज्यीय गिरोह का पदार्फाश किया गया है तथा सप्लाई चेन को चिन्हित कर कार्रवाई भी की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा हमारे राज्य और देश के भविष्य हैं। युवाओं को नशा मुक्त रख कर ही समृद्ध प्रदेश का निर्माण किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी परिवार या समाज नशा मुक्त रहकर ही उन्नति की मार्ग पर आगे बढ़ सकता है। मनुष्य जीवन में नशा नाश का कारण बनता है। नशा शारीरिक खतरा है। नशा से शरीर को क्षति पहुंचती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा वर्ग अगर नशे की चपेट में रहेंगे तो उनके जीवन के साथ-साथ राज्य और देश के भविष्य पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। किसी भी हाल में राज्य के युवाओं को नशे की चपेट में नहीं आने देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हमसभी लोगों को यह संकल्प और प्रतिज्ञा लेने का दिन है कि स्वयं के साथ-साथ दूसरों को भी नशा से दूर रहने के लिए प्रेरित करेंगे तथा नशा मुक्त समाज के निर्माण में अपनी महत्ती भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा मादक पदार्थों पर रोक के लिए पूर्णतः संकल्पित झारखंड सरकार.. पुस्तक का अनावरण भी किया गया।

मादक पदार्थों के विरुद्ध राज्य स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम में मानव श्रृंखला, साइकिल दौड़, बच्चों का मैराथन दौड़ आदि कार्यक्रम आयोजित की गई।

इस अवसर पर मंत्री सत्यानंद भोक्ता, मुख्य सचिव एल०खियांग्ते, डीजीपी अजय कुमार सिंह, प्रधान सचिव श्रीमती वंदना दादेल, महिला, बाल विकास एवं समाज कल्याण विभाग के सचिव मनोज कुमार, पर्यटन विभाग के सचिव मनोज कुमार, डीजी सीआईडी अनुराग गुप्ता, आईजी सीआईडी, डीआईजी रांची, उपायुक्त रांची, वरीय पुलिस अधीक्षक रांची सहित अन्य गणमान्य लोग एवं स्कूली छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

ओम बिरला एक बार फिर बने स्पीकर

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा सांसद ओम बिरला को बुधवार को ध्वनिमत से लोकसभा अध्यक्ष चुन लिया गया। बिरला दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष बने हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अध्यक्ष पद के लिए उनके नाम का प्रस्ताव रखा जिसका रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अनुमोदन किया। इसके बाद सत्तापक्ष के 12 सदस्यों ने बिरला को अध्यक्ष बनाये जाने का प्रस्ताव किया।

विपक्ष की तरफ से शिवसेना के अरविन्द सावंत समेत तीन सदस्यों ने के सुरेश को अध्यक्ष बनाये जाने का प्रस्ताव पेश किया जिसके तीन अन्य सदस्यों ने अनुमोदन किया। कार्यवाहक अध्यक्ष भर्तृहरि महताब ने बिरला को अध्यक्ष बनाये जाने का प्रस्ताव सदन में मतदान के लिए रखा जिसे ध्वनिमत से मंजूरी दे दी गई। इसके बाद कार्यवाहक अध्यक्ष महताब ने बिरला को लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने की घोषणा की।

बिरला के अध्यक्ष चुने जाने की घोषणा के बाद मोदी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने उनके पास जाकर बधाई दी। प्रधानमंत्री, गांधी और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू बिरला को अध्यक्षीय आसन तक लेकर गए। बिरला ने अध्यक्षीय आसन ग्रहण किया तो मोदी, गांधी और रिजिजू ने उन्हें बधाई और शुभकामना दी।

आशा है विपक्ष को बोलने का मौका देकर संविधान रक्षा का कर्तव्य निभाएंगे ओम बिरला: राहुल गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को सदन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष ओम बिरला को बधाई दी और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह विपक्ष को बोलने का मौका देकर संविधान की रक्षा का अपना दायित्व निभाएंगे।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद ओम बिरला को बुधवार को ध्वनिमत से लोकसभा अध्यक्ष चुन लिया गया। वह दूसरी बार इस उत्तरदायित्व को संभाल रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, मैं आपके दूसरी बार अध्यक्ष चुने जाने पर आपको बधाई देना चाहता हूं। मैं पूरे विपक्ष की ओर से, इंडिया गठबंधन की ओर से आपको बधाई देना चाहता हूं।

राहुल गांधी ने कहा, अध्यक्ष महोदय, यह सदन भारत के लोगों की आवाज का प्रतिनिधित्व करता है और आप उस आवाज के संरक्षक हैं। निस्संदेह, सरकार के पास राजनीतिक शक्ति है लेकिन विपक्ष भी भारत के लोगों की आवाज का प्रतिनिधित्व करता है। उनका कहना था कि विपक्ष सदन चलाने में पूरा सहयोग करेगा, लेकिन यह भी जरूरी है कि विपक्ष को सदन के अंदर लोगों की आवाज उठाने का मौका मिले।

उन्होंने कहा, सहयोग विश्वास के आधार पर होना चाहिए और विपक्ष की आवाज को सदन में उठाए जाने की अनुमति दी जानी चाहिए। सवाल यह नहीं है कि सदन कितनी कुशलता से चल रहा है, सवाल यह है कि सदन में भारत की कितनी आवाज सुनी जा रही है। इसलिए यह विचार कि आप विपक्ष की आवाज को बंद करके सदन को कुशलतापूर्वक चला सकते हैं, गैर-लोकतांत्रिक है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, अध्यक्ष महोदय, यह विचार गैर-लोकतांत्रिक है कि आप विपक्ष की आवाज को चुप कराकर सदन को कुशलतापूर्वक चला सकते हैं। इस चुनाव ने दिखाया है कि भारत के लोग विपक्ष से संविधान की रक्षा की उम्मीद करते हैं। हमें विश्वास है कि विपक्ष को बोलने की अनुमति देकर, हमें भारत के लोगों का प्रतिनिधित्व करने की अनुमति देकर, आप भारत के संविधान की रक्षा करने का अपना कर्तव्य निभाएंगे।

बिरला ने राहुल को विपक्ष के नेता के रूप में दी मान्यता

नई दिल्ली : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को सदन में नेता प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता दे दी है। लोकसभा सचिवालय से इस संबंध में जारी विज्ञप्ति में बुधवार को बताया गया कि श्री गांधी को सदन में विपक्ष के नेता की मान्यता दी गयी है और इस बारे में अधिसूचना जारी की गई है। श्री गांधी को हिंदी को भेजे पत्र में लोकसभा सचिवालय ने कहा है कि उनका नेता प्रतिपक्ष का दर्जा इस माह नौ जून से प्रभावी रहेगा और उसी दिन से उन्हें इस पद से जुड़ी सारी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। गौरतलब है कि इंडिया समूह के सदन के नेताओं की मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास में हुई बैठक में श्री गांधी को इस पद के लिए चुना गया था और इसकी सूचना तत्काल प्रोटेम स्पीकर को भेज दी गई थी। श्री बिरला ने आज अध्यक्ष का पद संभालने के बाद श्री गांधी को विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता दी।

संसद 140 करोड़ नागरिकों की आकांक्षाओं का केंद्र : पीएम

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 18वीं लोकसभा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष ओम बिरला को बधाई दी और विश्वास जताया कि उनके दूसरे कार्यकाल में संसद देश के नागरिकों को सपनों को पूरा करेगी और लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए नये नये कदमों से नये कीर्तिमान कायम होंगे।

बिरला के लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने और उन्हें आसन पर आरूढ़ कराये जाने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में कहा, यह सदन का सौभाग्य है कि आप दूसरी बार इस आसन पर विराजमान हो रहे हैं। आपको मेरी और इस पूरे सदन की तरफ से बहुत शुभकामनाएं। अमृतकाल के इस महत्वपूर्ण कालखंड में दूसरी बार इस पद पर विराजमान होना बहुत बड़ा दायित्व आपको मिला है। हम सबका विश्वास है कि आप आने वाले 5 साल हम सबका मार्गदर्शन करेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अमृतकाल के इस महत्वपूर्ण कालखंड में दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष के रूप में एक बहुत बड़ा दायित्व आपको मिला है। 18वीं लोकसभा में स्पीकर का कार्यभार दूसरी बार आपने संभाला है, ये अपने आप में एक नया रिकॉर्ड बनते हुए हम देख रहे हैं। बलराम जाखड़ ऐसे पहले अध्यक्ष थे, जिन्हें 5 साल का कार्यकाल पूरा करके, फिर दोबारा अध्यक्ष बनने का अवसर मिला था। उनके बाद आप (बिरला) हैं, जिन्हें 5 साल पूर्ण करने के बाद दोबारा इस पद पर आसीन होने का अवसर मिला है।

उन्होंने कहा, हम सबको विश्वास है कि आप आने वाले 5 साल हम सब का मार्गदर्शन करेंगे और देश की आशाओं-अपेक्षाओं को पूर्ण करने के लिए ये सदन जो दायित्व निभाएगा, उसमें आपकी बहुत बड़ी भूमिका रहेगी। अध्यक्ष जी मुझे विश्वास है कि आप तो सफल होने ही वाले हैं। लेकिन आपकी अध्यक्षता में ये 18वीं लोकसभा भी सफलतापूर्वक देश के नागरिकों के सपनो को पूर्ण करेगी।

उन्होंने कहा, हमारी ये संसद 140 करोड़ देशवासियों की आशा का केंद्र है। संसद की कार्यवाही, जवाबदेही और आचरण हमारे देशवासियों के मन में लोकतंत्र के प्रति निष्ठा को और अधिक मजबूत बनाते हैं। मोदी ने कहा, अधिकतर अध्यक्ष दोबारा चुन कर नहीं आ पाते हैं। लेकिन आप दोबारा चुन कर आये हैं। आप जिस प्रकार से एक सांसद के रूप में कार्य करते हैं, वह भी जानने योग्य है और बहुत कुछ सीखने योग्य है। मुझे विश्वास है कि एक सांसद के रूप में आपकी कार्यशैली पहली बार चुने गये और युवा सांसदों को जरूर प्रेरणा देगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 5 वर्षों में, आपकी अध्यक्षता में, संसद ने कुछ ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। आपके नेतृत्व में ही हमने पुरानी से नई संसद में प्रवेश किया। संसद के डिजिटलीकरण में भी उनकी भूमिका रही। जी-20 देशों के पीठासीन अधिकारियों का सम्मेलन पी-20 शिखर सम्मेलन, आपके नेतृत्व में हुआ। यह देश के लिए बड़ी उपलब्धि है। जब भी 17वीं लोकसभा का जिक्र होगा, आपका नाम सदन की मार्गदर्शक रोशनी के रूप में चमकेगा।

विभिन्न विधेयकों के माध्यम से, 17वीं लोकसभा ने विधानसभाओं में महिलाओं को आरक्षण दिया, जम्मू और कश्मीर को शेष भारत के साथ एकीकृत किया, नए आपराधिक कानून लाए, ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अधिकारों की रक्षा की और सामाजिक और राष्ट्रीय कल्याण के लिए कई अन्य मील के पत्थर हासिल किए। इसे आने वाली पीढ़ियाँ आपकी विरासत के रूप में याद रखेंगी।

राज्य सरकार सुनिश्चित करे कि रात 12 बजे के बाद ना खुलें बार-रेस्टोरेंट:हाईकोर्ट

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड हाई कोर्ट ने बुधवार को सुनवाई के दौरान कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करे कि रात 12:00 बजे के बाद किसी भी हालत में बार एवं रेस्टोरेंट खुला नहीं रहे। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि पुलिस की टीम बनाई गई है जो बार एवं रेस्टोरेंट पर नजर रखेगी। मामले की अगली सुनवाई नौ जुलाई को होगी।

सरकार की ओर से यह भी कोर्ट को बताया गया कि रांची शहर में चल रहे बार एवं रेस्टोरेंट के बंद होने एवं खुलने होने का समय कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। कोर्ट ने मौखिक कहा कि अफीम, चरस, गांजा के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई के संबंध में सरकार का शपथ पत्र अदालत को

गुमराह वाला नहीं होना चाहिए।

कोर्ट ने कहा कि रांची शहर में बार एवं रेस्टोरेंट की संख्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है। इनमें कई ऐसे भी हैं, जिन्होंने लाइसेंस नहीं लिया है और उनके यहां शराब पीने की व्यवस्था रहती है। इनके खिलाफ कड़ा एक्शन लिया जाए। पुलिस नशा रोकने के अभियान को सिर्फ आईवास के रूप में ना ले। सामाजिक दायित्व देखते हुए नशा उन्मूलन के लिए अभियान चलाएं। कोर्ट ने कहा कि राजधानी रांची के लालपुर, डोरंडा, बिरसा चौक के आसपास, तुपुदाना में कई रेस्टोरेंट खुले हैं, जहां लोग रात में शराब का सेवन करते हैं। इन रेस्टोरेंट के पास बिना लाइसेंस के ही शराब की व्यवस्था रहती है। नारकोटिक्स क्राइम ब्यूरो के अधिवक्ता ने कहा कि सैटेलाइट मैपिंग के माध्यम से पुलिस को कई अफीम की खेती के बारे में उनकी ओर से जानकारी दी गई थी, जिसे पुलिस ने ध्वस्त कर दिया।

शराब को लेकर आई चौंकाने वाली रिपोर्ट, हर साल 30 लाख लोगों की मौत, युवा सबसे ज्यादा शिकार

एजेंसी

नई दिल्ली : विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मंगलवार को कहा कि शराब की वजह से हर साल करीब 30 लाख लोगों की मौत होती है। साथ ही, यह भी कहा कि हाल के वर्षों में मृत्यु दर में थोड़ी कमी आई है, लेकिन यह अस्वीकार्य रूप से उच्च बनी हुई है।

शराब की वजह से दुनिया भर में 20 में से होती है एक मौत

शराब और स्वास्थ्य पर संयुक्त राष्ट्र

स्वास्थ्य एजेंसी की नवीनतम रिपोर्ट में कहा गया है कि शराब की वजह से हर साल दुनिया भर में 20 में से करीब एक मौत होती है, जिसमें शराब पीकर गाड़ी चलाना, शराब के कारण हिंसा और दुर्व्यवहार और कई तरह की बीमारियां और विकार शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2019 में शराब के सेवन से 2.6 मिलियन मौतें हुईं - नवीनतम उपलब्ध आंकड़े - जो उस साल दुनिया भर में हुई सभी मौतों का 4.7 प्रतिशत है। इसमें कहा गया है कि इनमें से करीब तीन-चौथाई मौतें पुरुषों की थीं।

डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस ने कहा, "पदार्थों का सेवन व्यक्तिगत स्वास्थ्य को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाता है। पुरानी बीमारियों, मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों के जोखिम को बढ़ाता है और दुखद रूप से हर साल लाखों लोगों की मृत्यु को रोकता है।" उन्होंने बताया कि 2010 से दुनिया भर में शराब के सेवन और उससे होने वाले नुकसान में कुछ कमी आई है। उन्होंने कहा, लेकिन शराब के सेवन के कारण स्वास्थ्य और सामाजिक बोझ अस्वीकार्य रूप से उच्च बना हुआ है।

युवा सबसे ज्यादा शिकार

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि युवा लोग असमान रूप से प्रभावित हुए हैं। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि 2019 में शराब के कारण होने वाली मौतों का उच्चतम अनुपात - 13 प्रतिशत - 20 से 39 वर्ष की आयु के लोगों में था। शराब पीने से कई तरह की स्वास्थ्य स्थितियां जुड़ी हुई हैं, जिनमें लीवर का सिरोसिस और कुछ कैंसर शामिल हैं। रिपोर्ट में पाया गया कि 2019 में इसके कारण हुई सभी मौतों में से अनुमानित 1.6 मिलियन गैर-संचारी रोगों से थीं। इनमें से 474,000 हृदय संबंधी बीमारियों से, 401,000 कैंसर से और 724,000 लोग यातायात दुर्घटनाओं और खुद को नुकसान पहुंचाने सहित चोटों से थे।

सैम पित्रोदा को फिर बनाया गया ओवरसीज कांग्रेस का अध्यक्ष

एजेंसी

नई दिल्ली : कांग्रेस ने बुधवार को सैम पित्रोदा को तत्काल प्रभाव से इंडियन ओवरसीज कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया। इससे कुछ सप्ताह पहले उन्होंने भारतीयों की त्वचा के रंग पर अपनी नस्लवादी टिप्पणी के कारण विवाद के बाद पद से इस्तीफा दे दिया था। वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल ने एक आधिकारिक घोषणा में कहा, कांग्रेस अध्यक्ष ने श्री सैम पित्रोदा

को तत्काल प्रभाव से इंडियन ओवरसीज कांग्रेस का अध्यक्ष पुनः नियुक्त किया है।

संक्षिप्त खबरें

राहे में नशा मुक्ति जन जागरूकता अभियान रैली निकाली गई

राहे(बिभा)। रांची पुलिस और वन प्रमंडल खूंटी के सौजन्य से एसडीपीओ बुंडू रतिभान सिंह के नेतृत्व में नशा मुक्ति जन जागरण अभियान के तहत राहे गांव में प्रभात फेरी निकली गई। भगत सिंह चौक गोमदा से प्रभात फेरी निकाली जो सुभाष चौक होते हुए बैंक चौक तक गई। प्रभात फेरी में राहे पुलिस, बुंडू रेंज के वन अधिकारी, समाजसेवी और स्कूली बच्चों ने हाथों में स्लोगन लिखे तख्ती लेकर लोगों को नशा से दूर रहने की अपील किया। इस दौरान एसडीपीओ बुंडू रतिभान सिंह ने लोगों से कहा कि गंजा, अफीम, चरस, शराब, गुटका, सिगरेट, तंबाकू आदि नशा छोड़ें और अपने परिवार को बर्बाद होने से बचाए, साथ ही क्षेत्र में अफीम की खेती करने की सूचना पुलिस को अवश्य दें। इस दौरान डायन बिसाही के संबंध में भी लोगों को जागरूक किया गया। मौके पर थाना प्रभारी फैज रब्बानी, समाजसेवी मनोज चटर्जी, सुरेंद्र प्रजापति,सुशांत सिंह,जगन्नाथ मुखर्जी,अमजद अली, संजय महतो, शिक्षक लव कुमार, निर्मल सिंह, वन विभाग के राजू कुमार महतो, प्रफ्फुल टोप्पो, रोशन श्रीवास्तव, प्रभात परही, शशि कुमार,खिरोध मुंडा सहित मिडिल स्कूल, कन्या स्कूल और कन्या डोमनडीह स्कूल के बच्चे शामिल थे।

नशा उन्मुलन जागरूकता अभियान

मांडर(बिभा)। माण्डर महाविद्यालय माण्डर के एन सी सी कैडेटस एवं एन एस एस स्वयंसेवकों ने को नशा उन्मुलन जागरूकता अभियान चलाया। आरंभ में प्राचार्या डॉ० कुनूल कांदीर ने बच्चों को अभियान के लिए शुभकामनाए दी। विद्यार्थी महाविद्यालय परिसर से राष्ट्रीय उच्च मार्ग तक नारे लगाते हुए मादक पदार्थों के सेवन के विरूद्ध स्थानीय लोगों में जागरूकता फैलाई। अभियान का संचालन ए० एन० ओ० डॉ० अनसेलम मिंज, सहायक अजित एक्का , डॉ० पवन कुमार दास ने किया। अभियान में 49 एन सी सी कैडेटस एवं 12 एन एस एस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

आदिवासी सरना धर्म कोड की मांग केन्द्र सरकार अविलंब लागू करें : कुमुद्दीनी प्रभावती

रांची(बिभा): विश्व हिन्दू परिषद आदिवासियों को हिन्दू मानना बंद करें, आदिवासी सरना धर्म कोड की मांग कर रही है उसे केन्द्र सरकार अविलंब लागू करें, उक्त बातें झारखंड प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के महासचिव कुमुद्दीनी प्रभावती ने कही। उन्होंने आगे कहा कि विश्व हिन्दू परिषद के प्रवक्ता का ये कहना है कि मिशनरियों को गोवा नहीं ले जाए, उन्हें मालूम होना चाहिए कि पुवर्वती रघुवर की सरकार के समय से ही सभी धर्मो के अनुयायियों को उनके पवित्र स्थल की दर्शन कराते आ रहे हैं। इसी कडी में ईसाई धर्मावलंबियों के 60 साल से उपर के व्यक्तियों को गोवा भ्रमण कराने की आवेदन राज्य सरकार द्वारा मांगा गया है। इस पर किसी भी सांप्रदायिक विद्वेष फैलाने वाले संगठन को आपत्ति करने की कोई औचित नहीं है उनको यह जान लेना चाहिए कि यह झारखंड है। यहां सभी संप्रदाय मिलजुल कर रहते हैं। जहर घोलने का प्रयास न करें।

राहे निर्माणधीन उप स्वास्थ्य केंद्र गड़बड़ी पर देवेंद्र के शिकायत पर विभाग ने लिया संज्ञान

राहे(बिभा): सिल्ली विधान सभा अंतर्गत राहे प्रखण्ड बी नावाडीह कोटांगदाग में निर्माणधीन उप स्वास्थ्य केंद्र के कार्य पर गड़बड़ी के शिकायत पर विगत 23 जून को झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो कार्य स्थल का निरीक्षण कर ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल रांची के एसडीओ जी शिकायत किया था। मामला को गंभीरता से लेते हुए ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल के सहायक अभियंता, कनीय अभियंता ने ऐक्शन लेते हुए कार्य स्थल का निरीक्षण किया। तथा ग्रामीणों के मांग के अनुरूप देवेंद्र नाथ महतो के उपस्थिति में पांच शर्त के आधार पर गुणवत्तापूर्ण कार्य करने का लिखित वादा के समझौता हुआ।

बरकाकाना-डेहरी ऑन सोन-बरकाकाना पैसेंजर ट्रेन रद्द

हाजीपुर(बिभा): सोननगर और गढ़वा रोड के मध्य तीसरी लाइन के कमीशनिंग हेतु काजरात नावाडीह, जपला एवं नबीनगर रोड स्टेशनों पर एनआई कार्य किया जाना है ।इस कारण बरकाकाना और डेहरी ऑन सोन के मध्य चलने वाली गाड़ी सं. 03341/03342 बरकाकाना-डेहरी ऑन सोन-बरकाकाना पैसेंजर स्पेशल का परिचालन दिनांक 26.06.2024 से 29.06.2024 तक रद्द रहेगा ।

दक्षिण पूर्वी रेलवे में लिए जाने वाले ब्लॉक के कारण ट्रेनों का किया जाएगा रद्दीकरण एवं आंशिक समापन

धनबाद(बिभा): दक्षिण पूर्वी रेलवे के टाटा- आद्रा खण्ड में ट्रैफिक कॉम पॉवर ब्लॉक एवं आदित्यपुर- टाटा खण्ड में ब्रिज संख्या 25 के गर्डरों के प्रतिस्थापन के लिए ब्लॉक लिया जाएगा जिस कारण दिनांक 29.6.24 को गाड़ी संख्या 08151/08152 टाटा-बरकाकाना-टाटा रद्द रहेगीं दिनांक 29.6.24 को गाड़ी संख्या 13301 धनबाद-टाटा एक्सप्रेस का आंशिक समापन आद्रा स्टेशन पर किया जाएगा। दिनांक 29.6.24 को गाड़ी संख्या 13302 टाटा- धनबाद एक्सप्रेस का आंशिक प्रारंभ आद्रा स्टेशन से किया जाएगा ।

रुड़की-देवबंद खंड के बीच चल रहे नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण एक जोड़ी ट्रेन का मार्ग परिवर्तन किया जाएगा

धनबाद(बिभा): उत्तर रेलवे में रुड़की झ देवबंद खंड के बीच चल रहे नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण दिनांक 27.06.24 को गाड़ी संख्या 12358 अमृतसर- कोलकाता दुर्गियाना एक्सप्रेस एवं दिनांक 02.07.24 को गाड़ी संख्या 12357 कोलकाता- अमृतसर दुर्गियाना एक्सप्रेस के मार्ग में परिवतन किया गया हैं उपर्युक्त ट्रेनें सहारनपुर- मेरठ शहर- मुरादाबाद के रास्ते चलायी जाएगी।

एनजीटी की रोक के बावजूद नदियों से बालू का उठाव जारी

बिभा संवाददाता

सिल्ली : नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा बालू उठाव पर रोक लगाने के बावजूद सिल्ली थाना क्षेत्र के राढू नदी के पोगड़ा, झाबरी, श्यामनगर व हजाम एंव स्वर्ण रेखा नदी के चौकेसेरेंग, बासुडीह आदि कई घाटों से दर्जनों ट्रैक्टरों व ट्रबो से रोजाना बालू की तस्करी की जा रही है.न सिर्फ रात के अंधेरे में नही बल्कि दिन के उजाले में लोगों को बालू का परिवहन करते देखें जाते हैं. इस संबंध में जिला खनन पदाधिकारी से पूछे जाने पर उन्होंने इस मामले में पूरी तरह से अनभिज्ञता जाहिर करते हुए जांच की बात कह रहे है।

ऐसे सरेआम हो रही है बालू की तस्करी

आपको बता दें कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के द्वारा 10 जून से 15 अक्टूबर तक नदियों से बालू के उठाव पर पूरी तरह रोक लगा दी गयी है. इसके बावजूद बालू माफिया संबंधित अधिकारियों के साथ सांठगांठ कर बालू का अवैध कारोबार धड़ल्ले से कर रहे हैं. बालू के अवैध परिवहन के दौरान वाहन मालिक पूरे रास्ते पेट्रोलिंग करते हुए प्रशासनिक क्रियाकलापों पर नजर बनाए रखते हैं। सांठगांठ के कारण कार्रवाई नही होने पर बालू मफियाओं का हौसला बुलंद है। लोवादाग, डुमरटांड, ठीग ठीग पाखना आदि ऐसे कई गांव में बालू माफिया है जो संबंधित अधिकारियों से मिले हुए है, अधिकारियों के संरक्षण के कारण बालू माफिया गांव के लोगों को देख लेने की धमकी देते है। इन बालू माफियाओं के कारण सड़क किनारे घर वाले लोग गाड़ियों के आवाज कारण ठीक से सो नही पाते है। सिल्ली थाना क्षेत्र के चांगडू व मुरी ओपी थाना क्षेत्र के जोबला में बड़ी मात्रा में अवैध बालू डंप है और ऊँची दामों में बेची जा रही है।

डीलिस्टिंग को लेकर पोस्टकार्ड लेखन जारी

रांची(बिभा)। डीलिस्टिंग के मुद्दे पर जनजाति सुरक्षा मंच की प्रमुख लोगों की बैठक नगड़ी में हुई। इस बैठक में राष्ट्रीय संयोजक गणेश राम भगत ने पुनवासी केंद्र रांची में हुई पिछली बैठक के निर्णयों की जानकारी दी। बैठक में कहा गया कि देश के सभी राज्यों से प्रधानमंत्री को डीलिस्टिंग के मुद्दे पर पोस्टकार्ड लिखा जा रहा है। इसके अलावा नवंबर को दिल्ली चलो का आह्वान भी किया गया है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जनजाति सुरक्षा मंच के लोग गांव-गांव में जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं। बैठक में मंच के झारखंड और बिहार के क्षेत्रीय संयोजक संदीप उरांव, प्रांत के सह संयोजक हिंदुवा उरांव, प्रांत के प्रवक्ता मेघा उरांव, मीडिया प्रभारी सोमा उरांव सहित अन्य उपस्थित थे।

रन फॉर ड्रग फ्री झारखंड कार्यक्रम के तहत जागरूकता दौड़ का हुआ आयोजन

उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक सहित जिला स्तरीय वरीय अधिकारियों ने लिया दौड़ में हिस्सा, मादक पदार्थों का उपयोग नहीं करने को लेकर उपायुक्त ने दिलाई सभी को शपथ

बिभा संवाददाता

रामगढ़: मादक पदार्थों के विरुद्ध 19 जून 2024 से 26 जून 2024 तक चलाए जा रहे कार्यक्रम के तहत बुधवार को रामगढ़ शहर अंतर्गत थाना चौक से सुभाष चौक रामगढ़ तक रन फॉर ड्रग फ्री झारखंड का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त, रामगढ़ चंदन कुमार, पुलिस अधीक्षक डॉक्टर बिमल कुमार, उप विकास आयुक्त रोबिन टोप्पो, अनुमंडल पदाधिकारी आशीष गंगवार, उप निर्वाचन पदाधिकारी सहित जिला स्तरीय वरीय अधिकारियों, अधिकारियों, मीडिया प्रतिनिधियों, विभिन्न विद्यालयों के बच्चों सहित बड़ी संख्या में जिले वासियों ने जागरूकता दौड़ में हिस्सा लिया।
दौड़ समाप्त होने के उपरांत उपायुक्त रामगढ़ चंदन कुमार ने कहा कि मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से 19 जून से 26 जून 2024 तक जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है वही पंचायत स्तर पर भी लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने को लेकर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। नशे का सेवन करना ना केवल किसी व्यक्ति के जीवन को पूरी तरह से बर्बाद कर देता हैं बल्कि इसका खामियाजा उस व्यक्ति के साथ-साथ पूरे परिवार को भी झेलना पड़ता है। वर्तमान में हम सभी को नशीली पदार्थों से पूरी तरह से सतर्क रहने एवं अपने घरों में भी इस पर विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। मौके पर उन्होंने सभी से नशीली पदार्थों के सेवन से पूरी तरह से दूर रहने एवं अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की। वहीं पुलिस अधीक्षक डॉक्टर बिमल कुमार ने भी नशीली पदार्थों के सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति सभी को जागरुक करते हुए सभी को इनसे दूर रहने एवं इससे संबंधित किसी भी प्रकार की कोई भी सूचना प्राप्त होने पर इसकी जानकारी नजदीकी थाना अथवा प्रशासन को देने की अपील की। रन फॉर ड्रग फ्री झारखंड समाप्त होने के उपरांत उपायुक्त के द्वारा सभी को नशा मुक्ति से संबंधित शपथ दिलाया गया वहीं उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारियों एवं बच्चों ने सेल्फी कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया।

जिलें के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में 0- 5 वर्ष के बच्चों का होगा नि:शुल्क आधार पंजीकरण

बिभा संवाददाता

रामगढ़: बुधवार को उपयुक्त रामगढ़ चंदन कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभा कक्ष में जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति की बैठक का आयोजन किया गया।
बैठके के दौरान परियोजना पदाधिकारी यूआइडीएआइ ने उपायुक्त को जानकारी देते हुए बताया कि जिले के सभी प्रखंडों में आधार सेवा केन्द्रों की संचालन सुचारु रूप से किया जा रहा है वही दो नए आधार केन्द्र स्थापना हेतु चितरपुर एवं दुलमी प्रखंड से स्थल चयन कर प्रतिवेदन दिया गया है ।जिसपर उपायुक्त ने जल्द से जल्द प्रतिवेदन प्राप्त कर आगे की प्रक्रिया सुनिश्चित करने का निर्देश दिया ।साथ ही उपायुक्त 0 से 5 वर्ष के बच्चों का आधार पंजीकरण हेतु जिला समाज कल्याण के साथ समन्वय स्थापित कर विशेष कैंप के माध्यम से जिले के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों जा जाकर 0 से 5 वर्ष के बच्चों का आधार पंजीकरण करने का निर्देश दिया। वहीं उपायुक्त ने 0 से 5 वर्ष के बच्चों का आधार पंजीकरण हेतु महिला पर्यवेक्षिकाओं के प्रशिक्षण के उपरांत इस माह के अंत तक उनकी परीक्षा आयोजित करने का निर्देश दिया।
बैठक के दौरान उपायुक्त ने आधार के राज्य स्तरीय पोर्टल पर 18 से अधिक आयु वर्ग के लंबित 8 आवेदनों को संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय करते हुए जल्द से जल्द निष्पादित कराने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को डिपार्टमेंट ऑफ आईटी एंड ई-गवर्नेंस (डीओआईटी) के आधार ऑपरेटरों के रिसर्टिफिकेशन के संबंध में स्मारिका देने का भी निर्देश दिया। बैठक के दौरान पुलिस उपाधीक्षक, रामगढ़ जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे।

आजसू कार्यकर्ताओं ने प्रखंड कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार व अनियमितता के खिलाफ बीडीओ-सीओ को सौंपा ज्ञापन

बिभा संवाददाता

सोनाहातू। आजसू पार्टी सोनाहातू प्रखंड अध्यक्ष सुषेण प्रमाणिक के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को प्रखंड सह अंचल कार्यालय में फैले भ्रष्टाचार, अनियमितता और जनहित के मुद्दे को लेकर सीओ मनोज कुमार महथा को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल के मुख्य प्रखंड प्रभारी चितरंजन महतो ने ज्ञापन देकर बिंदु बार उल्लेख करते हुए समय पर समाधान की मांग की।
बीडीओ एवं सीओ ने सभी 12 सूत्री मांगों का क्रमबद्ध रूप से जबाब देते हुए आश्वस्त किया कि ज्ञापन के अनुरूप कार्य होगा। दिए गए ज्ञापन में आजसू ने लंबित दाखिल खारिज का निष्पादन, पंजी 2 सुधार के लंबित मामले का समाधान, अबुआ आवास चयन में पारदर्शिता लाया जाए तथा जरूरत मंद एवं गरिबों को इसका समुचित लाभ मिले। जाति, आय, आवासीय, मृत्यु एवं जन्म प्रमाणपत्र निर्गत करने में शीघ्रता लाया जाए, आंचल एवं प्रखंड कार्याल में पदस्थापित सभी कर्मियों की उपस्थिति सरकारी नियम अनुसार सुनिश्चित किया जाए, जंगली हाथियों के द्वारा ग्रामीणों के किए गए नुकसान का आकलन कर समय पर मुआवजे का भुगतान का अविलंब निराकरण, सभी प्रकार के पेंशन का भुगतान नियमित रूप से किया जाए, किसानों को खाद एवं बीज की आपूर्ति समय पर किया जाए?, मनरेगा अंतर्गत संचालित सिंचाई कूप एवं अन्य योजनाओं का क्रियान्वयन एवं भुगतान तथा शीघ्र किया जाए ताकि बर्षा से पहले कार्य पूर्ण किया जा सके, सरकारी योजनाओं में झारखंड आंदोलनकारियों एवं उनके परिवार के आश्रितों को प्राथमिकता दिया जाए। वहीं ज्ञापन में कहा गया कि 15 दिनों में मांगों पर विचार नहीं करने पर प्रखंड सह अंचल कार्यालय में आजसू पार्टी उग्र आंदोलन करेगी, इसकी जिम्मेदारी प्रखंड सह अंचल कार्यालय की होगी। इस मौके पर वीरेंद्र लोहरा,विपिन पाल,गीता देवी, विरेंद्र सिंह मुंडा, खंजन महतो, मिहिर कुमार महतो, वीणा पानी देवी, केदारनाथ महतो, रायमनी देवी, हलधर महतो, दीपक महली, अमृता देवी, सुधीर सिंह मुंडा सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

संसद के चालू सत्र में सरना धर्म कोड पारित करने की मांग

बिभा संवाददाता

रांची : संसद के चालू सत्र में सरना धर्म कोड बिल एवं हो, मुंडारी, कुड़ुख भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल कराने के लिए संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव प्रभारी झारखंड छत्तीसगढ़ विजय शंकर नायक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू को लिखा पत्र ।
उपरोक्त जानकारी देते हुए संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव झारखंड छत्तीसगढ़ प्रभारी विजय शंकर नायक ने आज बताया कि इस संदर्भ में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू को आज ईमेल के माध्यम से एक पत्र लिखकर या अनुरोध किया है कि संसद के चालू सत्र में सरना धर्म कोड बिल और हो , मुंडारी , कुड़ुख भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए संसद में बिल लाकर पारित कर इन वर्गों की मांग को पूरा करने की दिशा में ठोस और ऐतिहासिक पहल करने का कार्य करेंगे ताकि आदिवासी समाज को अपना एक अलग पहचान मिल सके ।
श्री नायक ने आगे कहा कि आदिवासियों के वजूद बचाने के लिए इन मांगों की मंजूरी जरूरी है । सरना धर्म कोड बिल एवं हो,कुड़ुख, मुंडारी भाषा को आठवीं अनुसूची में अब तक नहीं डालने के कारण ही झारखंड के संसदीय चुनाव में अनुसूचित जनजाति आरक्षित सीटों से भारतीय जनता पार्टी का सुपड़ा साफ हो चुका है ।इसलिए आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव से पूर्व यह दोनों महत्वपूर्ण बिल को संसद से पारित कराकर भाजपा आदिवासी समाज के विश्वास को पूनः जीत सकती है और इसके अच्छे परिणाम भी मिल सकते हैं । इसलिए यह दोनों महत्वपूर्ण बिलों को अविलंब संसद के दोनों सदनों से पारित करा कर उसे कानून बनाकर आदिवासी समाज के बीच खोए हुए विश्वास को भारतीय जनता पार्टी पुनः प्राप्त करे और इस धर्म को मानने वाले आदिवासी समाज के साथ न्याय करे ।

सीसीएल में स्टेकहोल्डर्स मीट आयोजित

बिभा संवाददाता

रांची : कोल इंडिया के निर्देशन में कोल वाशरी निविदाओं में अधिकाधिक भागीदारी हेतु हितधारकों को आमंत्रित किया गया था।
इस अवसर पर एम नागाराजु , पी एम प्रसाद , बी वीरा रेडी , समिरन दत्ता , मनोज कुमार , एन के सिंह तथा सी सी एल, सी एम पी डी आइ एवं बी सी सी एल के निदेशकगण एवं कोल इंडिया के विभिन्न अनुशंगी कम्पनियों के अधिकारी उपस्थित थे। हितधारकों की ओर से 25 से अधिक कम्पनियों जिसमें कोल वाशरी ऑपरेटर, तकनीक प्रदायक, माइनिंग एवं स्टील उत्पादक कम्पनियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।
कार्यक्रम का शुभारम्भ पारम्परिक तरीके से दीप प्रज्वलन कर एम नागराजू , अपर सचिव , कोयला मंत्रालय , भारत सरकार द्वारा पीएम प्रसाद, अध्यक्ष , कोल इंडिया लिमिटेड एवं अन्य गणमान्यों की उपस्थिति में किया गया। शुभारंभ कोल इंडिया कॉरपोरेट गीत से किया गया।
सतीश झा ने अतिथियों का स्वागत किया। सभा का सम्बोधन गणमान्य अतिथियों द्वारा किया गया एवं भविष्य में स्टील ग्रेड कोयले की उपलब्धता को आवश्यकतानुसार बनाए रखने के लिए कोल वाशरी की आवश्यकता को इंगित करते हुए वाशरी निविदा के निस्पादन में आने वाले गतिरोध को दूर करने पर बल दिया। विभिन्न प्रकार के निविदाओं के बारे में सी सी एल, बी सी सी एल व सी एम पी डी आइ द्वारा विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया। इसके बाद हितधारकों से निविदा से सम्बंधित उनके सुझाव माँगे गए। हितधारको ने इस में बढ़ चढ़ के हिस्सा लिया। उनके सुझावों को दर्ज किया गया। कुछ सुझावों का स्पष्टीकरण भी दिया गया एवं अन्य को प्रबंधन के विचारार्थ रखा गया । कार्यक्रम काफी सुचारू रूप से अच्छे माहौल में संपन्न हुआ , जिसमें ना सिर्फ जानकारियां शेयर की गई , बल्कि कई शंकाओं को चर्चा कर दूर किया गया ।
धन्यवाद ज्ञापन हरीश दुहान द्वारा किया गया। अवसर विशेष पर विकास कच्छप ,जेएसएसपीएस कैडेट, जिसने जॉर्डन , ओमान में 22 जून से 30 जून 2024 तक चल रही अंडर 17, एशियन रेस्टलिंग चैंपियनशिप के 48 किलोभार में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए कांस्य पदक जीता है , को अपर सचिव , कोयला मंत्रालय, भारत सरकार ने सम्मानित किया और भविष्य की टूनामेंट्स के लिए शुभकामनाएं दी ।
ज्ञात हो कि जेएसएसपीएस सीसीएल और झारखंड सरकार के सहयोग से चलने वाली एक संस्था है, जो झारखंड के खिलाड़ियों को खेल सह पढ़ाई के क्षेत्र में प्रशिक्षण देती है ।

मोजाईक वर्क स्कील ने अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस मनाया

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड स्किल डेवलपमेंट मिशन सोसाइटी के अंतर्गत चल रहे मोजाईक वर्क स्कील वेटरनरी रोड कांके रांची में लगभग 200 से ज्यादा प्रशिक्षु के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस मनाया गया जिसमें नशीले पदार्थो का सेवन के विरोध में रैली निकालकर लोगों के बीच जन-जन में नशा मुक्ति के लिए केंद्र से लेकर कांके के ग्राउंड तक नशा मुक्ति अभियान में चढ़ बढ़कर हिस्सा लिया और खुद एवं अपने परिजनों को भी नशा से दूर रहने का संकल्प लिया इसमें सम्मिलित मुख्य रूप से केंद्र संचालक अखिल तिवारी अतिथि विजय राय केंद्र प्रबंधक मोहम्मद अब्दुल्ला केंद्र व्यवस्थापक अरविंद कुमार केंद्र कोऑर्डिनेटर निखिल तिवारी प्लेसमेंट इंचार्ज पिंटू पांडे२ पुनीत सिंह ट्रेनर रानी कुमारी नरेश कुमार मिस्त्री दीपिका उरांव बेबी कुमारी मोहम्मद शहजाद रीता कुमारी सहित कई लोग उपस्थित थे।

रथ मेला में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल के कार्यकर्ता भी संभालेंगे सुरक्षा व्यवस्था

रांची । विश्व हिंदू परिषद रांची महानगर की एक आवश्यक बैठक जगन्नाथपुर स्थित नीलाद्री भवन में महानगर अध्यक्ष कैलाश केसरी ने की अध्यक्षता में हुई। बैठक में प्रांत संगठन मंत्री देवी सिंह ने बताया कि भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा विश्वभर में प्रसिद्ध है। इस भव्य यात्रा में लाखों लोगों की भीड़ उमड़ती है। मेला में आने वाले बच्चों की गुमशुदगी पर भी विश्व हिंदू परिषद रथ मेला सुरक्षा समिति के मंच द्वारा सूचनाओं प्रदान की जाएगी। पूरी सुरक्षा समिति को विभिन्न गट में विभाजित कर अलग-अलग क्षेत्र में प्रभार दिया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल से मिला प्रेस क्लब का प्रतिनिधिमंडल

रांची : बुधवार को रांची प्रेस क्लब के प्रतिनिधि मंडल ने अध्यक्ष सुरेन्द्र सोरेन के नेतृत्व में राज्यपाल सीपी राधाकृष्ण से मुलाकात की। इस औपचारिक मुलाकात के दौरान क्लब प्रतिनिधि ने ज्ञापन देकर पत्रकार हित में कुछ मांगे रखी साथ ही वर्तमान परिस्थितियों से राज्यपाल को अवगत कराया। क्लब ने राज्यपाल को बताया कि झारखंड मंत्रालय में पत्रकारों के प्रवेश को लेकर कई कड़ी शर्तें रख दी गयी है, जिससे पत्रकारों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा। राज्य में कुछ ही चुनिंदा पत्रकारों को राज्य सरकार द्वारा मान्यता दी गयी है, ऐसे में कई मीडिया संस्थानों के संवाददाता को प्रवेश नहीं मिल रहा। कोरोना काल से पूर्व की भांति रेलवे में पत्रकारों को मिलने वाली छूट को पुनर्बहाल करने व अन्य राज्यों के अनुरूप झारखंड के पत्रकारों के लिए सुविधा व सम्मान की मांग की गयी है। रेलवे स्टेशन व एयरपोर्ट के पार्किंग स्थल को पत्रकारों के लिए निशुल्क करने की मांग पर राज्यपाल ने तत्काल अधिकारियों को पत्राचार करने के निर्देश दिये हैं। मुलाकात करने वालों में अध्यक्ष सुरेन्द्र सोरेन के साथ क्लब के सह-सचिव रतनलाल, कार्यकारिणी सदस्य विजय मिश्र व सौरव शुक्ला शामिल थे।

आरपीएफ रांची ने रेलवे टिकट की कालाबाजारी में लिप्त दुकानदार को पकड़ा

रांची : आरपीएफ रांची, अपराध शाखा रांची के साथ मिलकर लोकल पुलिस गोंडा की सहायता से ऑपरेशन उपलब्ध के तहत मरियम कंप्युटर, चांदनी चौक, कांके, रांची में प्राप्त सूत्रों के आधार पर रेड तथा सर्च किया जिसपर उक्त दुकान के दुकानदार रिजवान अहमद के पास से 14 ई-टिकट बरामद किए गए जिसका मूल्य 39,000 था। दुकानदार द्वारा अपना जुर्म कबूलने पर उसे रेलवे एक्ट की धारा 143 के तहत गिरफ्तार किया गया तथा मौके पर ही सहायक उपनिरीक्षक शक्ति सिंह द्वारा टिकटों को जब्त किया गया।

देवेन्द्र नाथ महतो को मिला जमानत

रांची : वरीय अधिवक्ता सृष्टि रंजन महतो ने बताया कि जुडिशियल मैजिस्टेड फर्स्ट क्लास अभिसेख श्रीवास्तव कोर्ट से खतियान आंदोलनकारी सह जेबीकेएसएस केन्द्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो को मिला अग्रिम जमानत । साथ ही अधिवक्ता ने बताया कि 21 फरवरी 2024 को 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति लागू करने की मांग को लेकर खेलगांव चौक से बूटी मोड़ होते हुए मेडिका हॉस्पिटल मैदान रैली किया गया था जिसमें अत्यधिक भिड़ होने के वजह से रांची का ट्रैफिक का ट्रेफिक तहस नहस हो गया था, उसी दिन बड़गाई सीओ सदर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराया था। छात्रों का मसीहा देवेंद्र नाथ महतो निरंतर जेपीएससी, जेएसएससी में हो रही गड़बड़ी के खिलाफ तथा खतियान आधारित स्थानीय नीति, नियोजन नीति लागू करने की मांग को लेकर निरंतर आंदोलन करते हैं। 6040 नाय चलतो के अगुवा देवेंद्र नाथ महतो के नेतृत्व में मुख्यमंत्री आवास घेराव, विधान सभा महाघेराव, कई बार झारखंड बंद, कई बार ट्विटर कैपेन को ऐतिहासिक सफल बनाया जा चुका है।

स्व. गंगा प्रसाद बुधिया की पुण्यतिथि मनाई गई

रांची । गंगा प्रसाद बुधिया सरस्वती विद्या मंदिर, मोरहाबादी, राँची के प्रांगण में स्व. गंगा प्रसाद बुधिया की पुण्यतिथी मनाई गई। जिसमें विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष नीरज कुमार बुधिया , माता शारदा बुधिया, सचिव दिलीप पाहन, हरि कृष्ण बुधिया, अरूण बुधिया, आशीष कुमार झा, समिति के सदस्य और विद्यालय के सभी आचार्य-दीदी एवं भैया-बहनों उपस्थित थे। विद्यालय प्रबंधन और आचार्य-दीदी ने बुधिया जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए तथा उनकी आत्मा की शांति की कामना की इस अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान को याद किए।

मैट्रिक, इंटर की संपूरक परीक्षा नौ से

रांची। राज्य मैट्रिक, इंटर की संपूरक व इंप्रूवमेंट परीक्षा नौ जुलाई से शुरू होगी। झारखंड एकेडमिक काउंसिल ने परीक्षा का प्रोग्राम जारी कर दिया है। मैट्रिक की परीक्षा 13 जुलाई तक व इंटरमीडिएट की परीक्षा 16 जुलाई तक होगी। प्रवेश पत्र दो जुलाई से जैक की वेबसाइट से डाउनलोड होगा। स्कूल, कॉलेज प्रवेश पत्र डाउनलोड कर विद्यार्थी को उपलब्ध करायेंगे।

प्री मॉनसून मेला कम एग्जीबिशन का आयोजन 27-29 जून को

रांची : माहेश्वरी महिला समिति रांची के द्वारा प्री मोनसून मेला कम एग्जीबिशन 2024 का आयोजन 27-29 जून को माहेश्वरी भवन होने जा रहा। मेला का मुख्य उद्देश्य महिला उद्यमियों को आगे बढ़ाना और उन्हें एक मंच प्रदान करना। सयोंजीका विजयश्री साबू, विनीता बिहानी, ममता डागा, रश्मि मालपानी, रंजू मालपानी का मानना है स्वरोजगार के लिए आगे आने को प्रोत्साहित करना भी एक लक्ष्य है। उपाध्यक्ष अनीता साबू सचिव बिमला फलोर ने बताया मेला लगाने का मकसद यही है छोटे उद्यमि जो घर बैठे कम पूंजी में काम करते हैं उन्हें अपनी पहचान बनाने के लिए एक प्लेटफार्म मिले। अध्यक्ष भारती चितलांगिया के अनुसार मेला में रांची के साथ झारखंड के विभिन्न जिलों के अलावा कोलकाता, सूरत, मुंबई,राजस्थान, बनारस,बैंगलोर जैसे कई जगहों से 43 स्टाल के लिए बुकिंग हुई है। एक्सहिबिशन में रियल डायमंड जेवलेरी , डिजाइनर साड़ी, लहंगा,कुर्ती, हैंड मेड ज्वेलरी, गिफ्ट आइटम ,राखी ,लड्डु गोपाल की पोशाक के साथ उनके श्रृंगार सामग्री, बेडशीट ,बैग, लजीज व्यंजन, आदि का स्टाल लग रहा है।

कम प्राकृतिक संसाधनों में अधिक उत्पादन के लिए रणनीति विकसित करें वैज्ञानिक : राज्यपाल

बिभा संवाददाता

रांची : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि कृषि के बिना किसी संस्कृति का अस्तित्व नहीं रहेगा इसलिए कृषि, किसान और गांवों की बेहतरी के लिए सबको मिलकर काम करना चाहिए। आनेवाले समय में कम भूमि, कम पानी और कम प्राकृतिक संसाधन के साथ ही ज्यादा उत्पादन करने की चुनौती सामने आएगी जिसके लिए वैज्ञानिकों को कमर कसनी है और रणनीति विकसित करनी है।

उक्त बातें बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के 44वें स्थापना दिवस समारोह में आयोजित समारोह में संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हम जो भी करें वह राष्ट्र का काम समझकर करें, न कि किसी संस्थान, क्षेत्र, राज्य या समूह विशेष का कार्य समझकर देश बढेगा तो सभी बढ़ेंगे । राज्यपाल ने हमेशा सकारात्मक रहने पर जोर देते हुए कहा कि सभी संस्थानों को मानव संसाधन सहित सुविधाओं की कमी है, कोई भी समस्याओं से मुक्त नहीं है । समस्याओं से गुजरते हुए सीमित संसाधनों के साथ भी हमको अपना सर्वोत्तम देना चाहिये। उन्होंने कहा कि वह कुलपतियों को अधिक से अधिक शक्ति और स्वायत्तता देने के पक्षधर हैं।

राजेंद्र चिकित्सा विज्ञान संस्थान (रिम्स), रांची के निदेशक एवं सीइओ डॉ राजकुमार ने कहा कि हृदय रोग, सड़क दुर्घटना और कैंसर के साथ-साथ खाद्य पदार्थों में मिलावट एवं घातक रसायनों का अंश होना मौत का प्रमुख कारण बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि नियमित व्यायाम, शारीरिक वजन प्रबंधन और ताजे फल-सब्जियों के समुचित उपभोग से कैंसर होने की संभावना को कम किया जा सकता है।

भारतीय कृषि जैवप्रौद्योगिकी संस्थान, नामकुम के निदेशक डॉ सुजय रक्षित ने कहा की स्थापना दिवस का अवसर उपलब्धियों के सिंहावलोकन के साथ-साथ संस्थान के समक्ष उपस्थित चुनौतियों के आकलन और उनसे निबटने के रोड माप पर चिंतन करने का भी है।

बीएयू के कुलपति डॉ एससी दूबे ने स्वागत भाषण करते हुए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमारे भावी शोध कार्यक्रमों का फोकस गर्मी सहिष्णु बायोफोटीर्फायड फसल प्रभेदों के विकास, टिकाऊ जल एवं पोषण प्रबंधन, समेकित कृषि प्रणाली तथा पशुओं एवं पौधों के देशज प्रभेदों के संरक्षण एवं संवर्धन पर होगा ।

इस अवसर पर राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के वार्षिक रिपोर्ट तथा प्रो. एनसी दास की पुस्तक एंट्रेप्रेनुरल डिजाइन्स फॉर स्टार्ट अप्स का लोकार्पण किया तथा 80 वर्ष से अधिक उम्र के 6 कर्मियों- डॉ डीके ठाकुर, डॉ डीके मुखर्जी, डॉ डीके झा, ध्रुव राज महतो, सुकरी मेहतरानी तथा अर्जुन प्रसाद को सम्मानित किया। अपनी मानवतावादी संवेदना के साथ राज्यपाल ने अपना मेमेंटो मंच से नीचे आकर सुकरी मेहतरानी को सौंप दिया।

स्थापना दिवस पर शिक्षकों के लिए आयोजित निबंध प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय, गढ़वा के डॉ एंजल दीपक शयनराव को प्रथम, पशुचिकित्सा महाविद्यालय, रांची की डॉ पुनीता कुमारी को द्वितीय तथा बागवानी महाविद्यालय, खूंटपानी, चाईबासा के डॉ शेखर साहू को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ क शिक्षकेतर कर्मियों हेतु आयोजित निबंध प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय, गढ़वा के आकाश कुमार गुप्ता को प्रथम, कुलसचिव कार्यालय की भारती कुमारी को द्वितीय तथा वानिकी महाविद्यालय के अमरेन्द्र कुमार वर्मा को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

अंतरस्नातक विद्यार्थियों के लिए आयोजित ऑन द स्पॉट निबंध प्रतियोगिता में तिलका मांझी कृषि महाविद्यालय की तनुश्री ने प्रथम, यशी ने द्वितीय तथा प्रेरणा भारती ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं के लिए आयोजित निबंध प्रतियोगिता में वानिकी महाविद्यालय की जेबा सदफ ने को प्रत्रहम, गुलाम मुर्तजा को द्वितीय तथा हसन शौफीक को तृतीय पुरस्कार मिला। नवोन्मेषी कृषि के लिए चार किसानों , पलामू के कपिलदेव ठाकुर, पूर्वी सिंहभूम के अमित कुमार महतो, चतरा के बीरेंद्र कुमार तथा बोकारो की संगीता देवी को सम्मानित किया गया।

आयोजन सचिव तथा निदेशक छात्र कल्याण डॉ बीके अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन तथा शशि सिंह ने संचालन किया।

मुख्यमंत्री ने धनबाद में लाभुकों के बीच करीब 69 करोड़ 73 लाख रुपए की बांटी परिसंपत्ति

विस्थापितों की समस्याओं के समाधान के लिए सरकार जल्द बनाएगी नीति : चम्पाई

बिभा संवाददाता

धनबाद/रांची : झारखंड विकास के हर मोर्चे पर तीव्र गति से आगे बढ़े, इस सोच और प्रतिबद्धता के साथ हमारी सरकार कार्य कर रही है। पिछले साढ़े चार वर्षों में तमाम विपरीत परिस्थितियों और चुनौतियों के बीच हमारी सरकार राज्य को संवारने और नई दिशा देने का काम बखूबी करती आ रही है। आज समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाएं पहुंच रही हैं । मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन आज धनबाद में विभिन्न योजनाओं के उद्घाटन,- शिलान्यास और लाभुकों के बीच परिसंपत्ति वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां की जनता को अगले महीने एक नई स्वास्थ्य योजना की सौगात मिलेगी । इस योजना के तहत आयुष्मान कार्ड से वंचित लोगों को 15 लाख रुपए तक इलाज की मुफ्त सुविधा मिलेगी। सिर्फ राशन कार्ड के आधार पर लोग इस स्वास्थ्य योजना का लाभ ले सकेंगे ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में अगले तीन महीनें में 40 हजार युवाओं के हाथ में सरकारी नौकरी होगी । इसके लिए संबंधित आयोग को नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दे दिया गया है। निजी क्षेत्र की कंपनियों में स्थानीय युवाओं को नौकरी दिलाने के लिए अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो युवा स्वरोजगार के इच्छुक हैं, उन्हें मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत आर्थिक मदद की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए व्यवस्था की हर कड़ी का मजबूत होना जरूरी है। हमारी सरकार यहां की आर्थिक - सामाजिक व्यवस्था को सुदृढ़ कर रही है। शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर कर रहे हैं। युवाओं को रोजगार से जोड़ने का काम हो रहा है। हमारी सरकार आदिवासी- मूलवासी, किसान, मजदूर, गरीब, महिला, बुजुर्ग, दिव्यांग, पिछड़ा औ? अल्पसंख्यक समेत हर वर्ग एवं तबके को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रही है, ताकि इन सभी की भागीदारी से राज्य को नई दिशा मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता की भावनाओं और उम्मीदों के अनुरूप हमारी सरकारी योजनाएं बना रही है। योजनाओं का लाभ देने में कोई भेदभाव नहीं है। हर व्यक्ति के हितों का पूरा ख्याल रखा जाता है। उन्होंने कहा कि ₹आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार₹ कार्यक्रम के जरिए हमने आपकी समस्याओं को जाना और उसे दूर करने के साथ वैसी योजनाओं को लेकर आपके बीच आए, जिससे यहां की जनता सशक्त हो रही है।

मुख्यमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि आज राज्य का कोई भी ऐसा परिवार नहीं है, जहां सरकार की कोई ना कोई योजनाएं नहीं पहुंची हो। आज हर परिवार में पेंशन और राशन पहुंच रहा है। किसानों को सशक्त करने के लिए कई योजनाएं चल रही हैं। किसानों के दो लाख रुपये तक का लोन भी माफ किया जाएगा। राज्य के दूर- दराज इलाकों और जंगल- झाड़ तथा नदियों-पठारों की तलहटी में रहने वाले गरीबों के घर भी रोशन रहें, इसके लिए 200 यूनिट बिजली मुफ्त देने का निर्णय राज्य सरकार ने लिया है। अब 25 वर्ष से अधिक और 50 वर्ष से कम उम्र की बहन- बेटियों को भी सरकार आर्थिक सहायता करने जा रही है। ऐसी और भी अनेकों योजनाएं हैं जो समाज के हाशिये पर बैठे लोगों को मुख्यधारा में लाने के लिए शुरू की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड एक ऐसा राज्य है, जहां विस्थापन आज भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है । यहां विभिन्न परियोजनाओं और खनन कार्यों के नाम पर आदिवासियों- मूलवासियों की जमीन का बड़े पैमाने पर अधिग्रहण तो कर लिया गया लेकिन रैयतों को उसका उचित लाभ नहीं मिल सका। आज भी विस्थापित कई समस्याओं से जूझ रहे हैं। हमारी सरकार जल्द ही विस्थापितों के कल्याण और हित में नीति बनाएगी ताकि उनका जो हक और अधिकार है, वह मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। प्रखंडों में मॉडल स्कूल खोले जा रहे हैं , जहां बच्चों को निजी विद्यालयों की तर्ज पर क्वालिटी एजुकेशन मिलेगा । कोई भी बच्चा -बच्ची पैसे के अभाव में शिक्षा से वंचित ना रहे, इसके लिए छात्रवृत्ति राशि में तीन गुना इजाफा के साथ सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना संचालित है। उच्च शिक्षा हासिल करने में आर्थिक तंगी बाधा नहीं बने, इसके लिए गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना शुरू की गई है । यहां के आदिवासी, दलित, अल्पसंख्यक और पिछड़े वर्ग के बच्चों को विदेश में पढ़ने का पूरा खर्च सरकार दे रही है। यहां के गरीब बच्चे इंजीनियर, डॉक्टर और अफसर बनें, उन्हें कोचिंग और पढ़ाई के लिए आर्थिक सहायता दी जा रही है। हम शिक्षा का ऐसा दीया जलाएंगे जो कभी नहीं बुझेगा।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 313 करोड़ 96 लाख 24 हजार 500 रुपए की 333 योजनाओं का उद्घाटन- शिलान्यास किया। इसमें 165 करोड़ 50 लाख 22 हजार 800 रुपए की 167 योजनाओं का शिलान्यास एवं 148 करोड़ 46 लाख 01 हजार 700 रुपए की 166 योजनाओं की आधारशिला रखी। वहीं, 23540 लाभुकों के बीच 69 करोड़ 73 लाख 99 हजार 11रुपए की परिसम्पतियों का वितरण किया।

इस कार्यक्रम में मंत्री सत्यानंद भोक्ता, मंत्री बादल, विधायक मथुरा प्रसाद महतो, विधायक श्रीमती पूर्णिमा नीरज सिंह, जिला 20 सूत्री उपाध्यक्ष ब्रजेन्द्र प्रसाद सिंह, जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती शारदा सिंह, पुलिस उप महानिरीक्षक सुरेंद्र कुमार झा तथा जिले के उपायुक्त एवं वरीय पुलिस अधीक्षक समेत कई पदाधिकारी मौजूद थे।

सिरमटोली फ्लाईओवर का काम हर हाल में सितंबर तक पूरा कराएः मंत्री बसंत सोरेन

बिभा संवाददाता

रांची : पथ निर्माण मंत्री बसंत सोरेन ने सिरमटोली फ्लाईओवर के निर्माण कार्यों का बुधवार को निरीक्षण किया। मंत्री ने पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों ओर निर्माण कंपनी मेसर्स एल एंड टी लि. को काम में तेजी लाने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि सितंबर महीने तक हर हाल में डोरंडा से सिरमटोली फ्लाईओवर का काम पूरा कराएं। विभागीय मंत्री ने सिरमटोली फ्लाईओवर में दो जगहों पर केबल ब्रिज निर्माण के लिए रेलवे से जो एनओसी लेना है, उस पर अधिकारियों से जानकारी ली। रेलवे के पदाधिकारियों को भी यथाशीघ्र इस दिशा में कार्य करने को कहा। मंत्री ने दोपहर में पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी की। राजधानी में और भी बनने वाले प्रस्तावित फ्लाईओवर पर भी विचार-विमर्श किया। निरीक्षण में विभागीय सचिव सुनील कुमार सहित विभाग के अभियंता मौजूद रहे।

पेपर लीक मामले और महिला आरक्षण पर सांसद घेराव कार्यक्रम करेगी महिला कांग्रेस

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में बुधवार को कांग्रेस भवन में एक संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन को झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष गुंजन सिंह संबोधित की। इस मौके पर पिंकी सिंह, सुनीता टोप्पो, अनिता सिन्हा, नीतू देवी, मेरी तिर्की, दिव्य मिंज मौजूद थीं।

संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष गुंजन सिंह ने कहा कि बीते 24 जून 2024 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़ेग, जननेता राहुल गांधी एवं केसी वेणुगोपाल जी के साथ हुई उच्च स्तरीय बैठक में झारखंड विधानसभा चुनाव-2024 की तैयारी हेतु महिला कांग्रेस कमिटी को एक एक्शन प्लान के तहत कार्य करने की जिम्मेवारी सौंपी गई है।

प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष गुंजन सिंह ने कहा कि एक्शन प्लान के आगे की कडी में महिला कांग्रेस स्थानीय मुद्दों पर काम करेगी, पार्टी की मैनिफेस्टो जन जन पहुँचाएंगी, महिलाओं की स्वास्थ्य के लिए हेल्थ कैम्प लगाया जायेगा, पेपरलीक मामले और महिला आरक्षण पर सांसद घेराव कार्यक्रम करेंगी। इसके साथ ही बढ़ती महंगाई, टोलटैक्स, भारतीय रुपया में गिरावट, मुहल्ला पदयात्रा एवं मेरा बूथ मेरी जिम्मेवारी पर विशेष रूप से महिला कांग्रेस कार्यक्रम चलायेगा।

कोल इंडिया के सीवीओ ने सीएमपीडीआई का किया दौरा

बिभा संवाददाता

रांची: कोल इंडिया के मुख्य सतर्कता अधिकारी ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने आज सीएमपीडीआई का दौरा किया और संस्थान के सतर्कता विभाग द्वारा किए गए निवारक सतर्कता उपायों की समीक्षा की। इस अवसर पर सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक मनोज कुमार, निदेशक (तकनीकी/सीआरडी) शंकर नागाचारी, निदेशक (तकनीकी/पीएंडडी) अजय कुमार, महाप्रबंधक (टीएस/पीआर) एस0के0 दुबे, उप महाप्रबंधक (सतर्कता) अमरेश कुमार समेत महाप्रबंधक व विभागाध्यक्षगण एवं अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

इस मौके पर सीएमपीडीआई के मुख्य सतर्कता अधिकारी सुमीत कुमार सिन्हा ने एक प्रस्तुतिकरण के माध्यम से सीएमपीडीआई द्वारा किए जा रहे निवारक सतर्कता उपायों जैसे औचक निरीक्षण, निविदा फाइल जांच, आडिट रिपोर्ट जांच, प्रशिक्षण व सेमिनार आदि के बारे में संक्षेप में बताया। इस अवसर पर त्रिपाठी ने सीएमपीडीआई के सतर्कता विभाग के प्रयासों की सराहना की और औचक कोयला स्टाक माप करने के लिए कोल इंडिया की सहायक कंपनियों के सतर्कता विभाग को अपनी सेवाएं प्रदान करने के लिए सीएमपीडीआई की भी प्रशंसा की।

नशा अपराध से लेकर सामाजिक और आर्थिक समस्यायें उत्पन्न करता है: मुख्य सचिव

बिभा संवाददाता

रांची : रांची विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में नशामुक्ति पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग और रांची विश्वविद्यालय ने किया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण रांची विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. अजीत कुमार सिन्हा ने दिया।

इस कार्यशाला के चीफ गेस्ट झारखंड के मुख्य सचिव एल खियांगते ने अपने संबोधन में कहा कि नशामुक्ति अभियान के लिये पूरे राज्य समाज आम जन को आगे आना होगा। क्योंकि यह किसी व्यक्ति विशेष की नहीं बल्कि एक सामाजिक बीमारी है।हम यह कह कर अपनी जिम्मेवारी से बच नहीं सकते कि नशे की लत अगर हमारे परिवार में नहीं तो मुझे क्यों चिंता करनी है हमें अपने जाने अनजाने सबों को नशे की लत से बचाने का प्रयास करना होगा। नशे के खिलाफ व्यक्ति विशेष के बजाय सामूहिक एक्शन की आवश्कता है। ताकि हम सभी राष्ट्र निर्माण में अपनीएक भूमिका निभा सकें।

झारखंड के डीजीपी अजय कुमार सिंह ने कहा कि नशे के कारण बबार्दी का लैटिन अमेरिकी देश उदाहरण हैं जहां सारी समस्याओं की जड़ में नशा और उससे जुड़ा अवैध व्यावसाय है। झारखंड में भी अफीम की खेती चतरा, खूंटी, लातेहार, में नियंत्रित किया गया जिससे वहां नक्सल पर भी लगाम नगी है। उन्होंने कहा कि छात्र भी दूसरों को नशा करते देख प्रभावित होते हैं मुख्य सचिव श्री ख्यांगते ने हाइकोर्ट से लेकर पुलिस महकमे तक को इस समस्याओं से अवगत कराया। तकनीकी एवं उच्च शिक्षा विभाग के प्रिंसिपल सेक्रेटरी राहुल पुरवार ने कहा कि नशामुक्ति सबों के सहयोग और प्रयास से ही संभव है। यह किसी एक व्यक्ति या विभाग की जिम्मेदारी नहीं है। युवाओं को बताना होगा कि हमें क्रू करना है और क्या नहीं करना है। नशे से दूर रहने के अभियान को हमें अपने पाठ्यक्रम में शामिल करना है। इसके लिये हमें एक्शन प्लान और मॉड्युल्स तैयार करने होंगे।

वहीं इस विषय पर प्रिंसिपल सेक्रेटरी वंदना डाडेल ने कहा कि नशामुक्ति पर पहली बार झारखंड में इस स्तर पर कैपेन चलाया जा रहा है। यहां 70 प्रतिशत समस्या अफीम की खेती से संबंधित है। अफीम की खेती रोकने के लिये सभी विभागों का सहयोग आवश्यक है। चौपाल के आयोजन से लेकर प्रत्येक व्यक्ति का सहारा बनने की जरूरत है, नशे के आदी लोगों के लिये हमें इकोस्टिम बनाना होगा।

इस कार्यशाला में एचटीइ के निदेशक श्री रामनिवास यादव, सीआइपी के प्रो. संजय कुमार मुंडा, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरों झारखंड के रीजनल डायरेक्टर सैयद शारिक उमर, सीआइडी के इंस्पेक्टर जेनरल विक्रांत मिंज, श्री सुनील कुमार सिंह, अखिलेश कुमार झा, आईजी झारखंड पुलिस ने भी नशे की समस्या और नशामुक्ति और इस समस्या पर अपने विचार रखे।

संक्षिप्त खबरें

चास अंचल स्तरीय साईकिल वितरण समारोह आयोजित

बोकारो(बिभा)। झारखंड सरकार के कल्याण विभाग की ओर से प्रदत्त निःशुल्क उन्नति का पहिया साइकिल वितरण योजना के तहत बुधवार को उत्क्रमित मध्य विद्यालय आजाद नगर में समारोह आयोजित कर चास प्रखंड के वर्ग आठवीं के छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण किया गया। समारोह का उद्घाटन अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। समारोह का संचालन विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक विरेन्द्र प्रसाद ने किया। मुख्य अतिथि सांसद प्रतिनिधि शरद महतो ने कहा कि सरकारी स्कूलों के हर वर्ग की बालिकाओं को शिक्षा के प्रति प्रेरित करने के लिए सरकार ने यह योजना शुरू की है, जो छात्राओं को आगे बढ़ने में मददगार साबित होगी। प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रदीप कुमार ने कहा कि दूर दराज क्षेत्रों में रहने वाली वैसे छात्राएं योजना से प्राप्त साइकिल से वे आसानी व समय की बचत कर स्कूल पहुंचेंगी। मौके पर झारखंड सरकार के प्रतिनिधि सह झामुमो नेता हिरा लाल मांझी, विधायक प्रतिनिधि संजय त्यागी, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी प्रतिमा दास, प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रदीप कुमार, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, संकुल साधन सेवी मनोज कुमार सिन्हा, प्रभारी प्रधानाध्यापक दिनेश साहू, उदय नंद साह, सौंपी सिन्हा, सहायक अध्यापक शैलेन्द्र, शिक्षिका मिन्नी कुमारी, नमिता कक्षप सहित सभी स्कूल के प्रभारी शिक्षक, शिक्षिकाएं, छात्र छात्राएं आदि उपस्थित थे।

स्वामी सहजानंद सरस्वती के पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

बोकारो(बिभा): ब्रह्मर्षि परिवार, बोकारो के तत्वाधान में स्वामी सहजानंद सरस्वती के पुण्य तिथि के अवसर पर डा. श्रीकृष्ण सिंह प्रतिमा स्थल सेक्टर 4 के पास श्रद्धांजली सभा कार्यक्रम की शुरूआत स्वामी जी के छवि पर पुष्पार्पण से हुई। इस अवसर पर ब्रह्मर्षि परिवार के वरीय सदस्य बैजनाथ प्रसाद शर्मा ने कहा कि स्वामी जी एक ऐसे युगपुरुष संन्यासी स्वतंत्रता सेनानी थे , जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन देश की भलाई के लिए होम कर दिया । वरीय सदस्य कमलेश राय ने कहा कि वे किसानों के भगवान थे । वे आजीवन त्याग और संघर्ष की प्रतिमूर्ति बने रहे । आज जब स्वामी जी हमारे बीच भौतिक काया में नहीं हैं। परंतु उनका विचार आज भी हम मानव जाति को वसुधैव कुटुंबकम् का पाठ पढ़ाती हैं। इस कार्यक्रम को राजीव राय , एन एन पी शाही प्रेम कुमार आदि ने भी संबोधित किया । इस अवसर पर मुख्यरूप से आर के शर्मा , श्याम मनोहर सिंह , सर्वेश चौधरी , सुशील ठाकुर , सरोज कुमार , अशोक कुमार , अनिल सिंह , देवी दयाल जी , नवल शर्मा , जितेंद्र तिवारी , सुमन राय, अजीत ठाकुर , आदित्य शाही , सियाराम शर्मा , आर पी शर्मा , प्रमोद कुमार ,संतोष चौधरी , अरुण शर्मा , राकेश मधु , प्रमोद कुमार , रवि शंकर , संजय कुमार , संतोष कुमार आदि मुख्यरूप से उपस्थित थे ।

गलत तरीके से फर्जीवाड़ा कर प्रमोशन ले 16 लोग बने सेल के अधिकारी

बोकारो(बिभा) : बोकारो स्टील प्लांट के 16 लोग फजीर्वाड़ा कर अधिकारी बन गए है । इस मामले में सीबीआई ने 16 के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की है। इन कर्मचारियों की प्रोन्नति के लिए इस विभागीय परीक्षा की जिम्मेदारी सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की मिनी नवरत्न कंपनी ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग कंसल्टेंट इंडिया लिमिटेड (बीईसीआईएल) को सौंपी गई थी। इस कंपनी के अधिकारियों की मिलीभगत से आरोपियों ने खाली ओएमआर शीट पर मनमाफिक नंबर चढ़वाए। फिर शानदार अंकों से उत्तीर्ण होकर जूनियर से एक्जीक्यूटिव ग्रेड में प्रोन्नत हो गए। गड़बड़ी की सूचना पर इस्पात मंत्रालय ने आंतरिक विजिलेंस जांच कराई तो परीक्षा में गड़बड़ी और फजीर्वाड़े में बीईसीआईएल की संलिप्तता मिली। फिर इस्पात मंत्रालय के डायरेक्टर (विजिलेंस) नीरज अग्रवाल ने सीबीआई डायरेक्टर को पत्र लिखकर विस्तृत जांच का आग्रह किया था। जांच में इस बात का खुलासा हुआ है।

लोजपा अध्यक्ष चिराग पासवान के केंदीय्र मंत्री में सम्मिलित होने पर लोजपा बोकारो ने की शिष्टाचार मुलाकात

बोकारो(बिभा) : लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास)के बोकारो जिला अध्यक्ष अनिल कुमार के नेतृत्व में छः सदसिये प्रतिनिधि मंडल लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान जी से पंचशील भवन न्यू दिल्ली मंत्रालय मे मिलकर पुष्प गुच्छ एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया बात चीत के क्रम में उनहोने कहा की जल्द ही झारखण्ड दौरा के उपरांत बोकारो आऊंगा मौके पर उपस्थित प्रदेश युवा सचिव वरुण पासवान, महानगर अध्यक्ष सुमन पासवान, कोशा अध्यक्ष पिंटू भक्त, सचिव कमल किशोर उपस्थिति थे।

संत जेवियर्स कॉलेज में मादक पदार्थों के विरूद्ध जागरूकता कार्यक्रम पर संगोष्ठि आयोजित

रांची(बिभा) : संत जेवियर्स कॉलेज में बुधवार को आईक्यूएसी, झारखण्ड पुलिस व सीआईडी के संयुक्त तत्वावधान में मादक पदार्थों के सेवन के खिलाफ चलाये जा रहे जागरूकता पर संगोष्ठी आयोजित की गयी कार्यक्रम कॉलेज के फादर सी डिब्रावर सभागार में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. फादर एन. लकड़ा, एसजे की अध्यक्षता में आयोजित की गयी इस दौरान प्राचार्य ने कॉलेज के युवाओं से अपील करते हुए कहा कि जीवन बहुत अनमोल है इसलिए नशे से दूर रहकर खुद को आयुष्मान व स्वस्थ रखा जा सकता है नशे के सेवन से युवा खुद की आयु को घटाने की दिशा में उसके लत से जुड़ जाते हैं सभागार में मुख्य अतिथि तौर पर उपस्थित सीआईडी के महानिदेशक अनुराग गुप्ता ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि मादक पदार्थों को ना कहने की आदत रखनी चाहिए इसमें पुलिस विभाग हर संभव मदद करेगी।

रन फार ड्रग फ्री झारखंड के लिए दौड़ा बोकारो

बिभा संवाददाता

बोकारो : वर्तमान समय में मादक पदार्थ का सेवन एक गंभीर समस्या हो गई है। मादक पदार्थों पर रोक के लिए झारखंड सरकार पूर्ण संकल्पित है। मादक पदार्थों का सेवन केवल एक व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को अस्त-व्यस्त कर देता है। युवा वर्ग द्वारा मादक पदार्थों का सेवन का दायरा बढ़ता जा रहा है, यह चिंता का विषय है। इस सामाजिक समस्या को केवल जन जागरूकता से ही अंकुश लगाया जा सकता है। बोकारो, झारखंड एवं देश को नशामुक्त बनाने के लिए जिला सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा ₹ रन फार ड्रग फ्री झारखंड ₹ मैराथन का आयोजन किया गया। जिसमें काफी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया।

मैराथन की शुरूआत बोकारो हवाई अड्डा से हुई, जो अमृत पार्क गरगा पुल पहुंच समाप्त हुई। मौके पर उपस्थित डीपीएलआर श्रीमती मेनका ने कहा कि मादक पदार्थों पर रोक, नशे को ना जिंदगी को हां के तहत पूरे जिले में जन जागरूकता के लिए 19 से 26 जून तक अलग अलग विभागों द्वारा विभिन्न गतिविधि का आयोजन कर आम लोगों को जागरूकता किया जा रहा है। इसी क्रम में आज जिला सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा ₹ रन फार ड्रग फ्री झारखंड ₹ का आयोजन किया गया। ताकि आम जन जागरूक होकर नशे की लत का त्याग करें, युवा वर्ग जो किसी कारण भटक गये हैं,वह नशे का त्याग कर समाज के मुख्यधारा में शामिल हो।

मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी चास श्री ओम प्रकाश गुप्ता ने कहा कि मादक पदार्थों का सेवन एक वैश्विक चुनौती है। संभावित पीड़ितों को मादक पदार्थों के सेवन से होने वाली बबार्दी के बारे में सचेत,जागरूक करने को लेकर यह पहल है। पूरे राज्य में मादक पदार्थों के सेवन से हो रहें नुकसान के प्रति जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग अपने को इस जाल से सुरक्षित रख सकें।

मौके पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्री साकेत कुमार पांडेय ने कहा कि मादक पदार्थों के सेवन से शरीर और मन पर बहुत ही बुरा प्रभाव होता है यह किसी भी आयु वर्ग के व्यक्ति को अपनी गिरफ्त में ले सकता है। इससे सभी को दूर रहने की आवश्यकता है।

मौके पर सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी श्री अविनाश कुमार सिंह ने कहा कि विभाग ने आम जनों की जागरूकता को लेकर इस मैराथन का आयोजन किया है, ताकि आम जन जागरूक होकर मादक पदार्थों के सेवन का त्याग करें। उन्होंने सबों को नशा मुक्त भारत, झारखंड एवं जिला बनाने को लेकर प्रतिज्ञा दिलाई। सबों ने बोकारो झारखंड एवं देश को नशामुक्त करने के लिए अपनी क्षमता के अनुसार हर संभव प्रयास करने का प्रतिज्ञा लिया।

मैराथन में डीपीएलआर, एसडीओ चास, डीपीआरओ समेत सिविल सर्जन डा. दिनेश कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्रीमती शालिनी खालखो, जिला खेल पदाधिकारी श्रीमती हेमलता बुन, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती पूर्णिमा, जिला कोषागार पदाधिकारी श्री गुलाब, डीपीएम श्री प्रदीप कुमार सिन्हा, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की छात्राएं, नेहरू युवा केंद्र के सदस्य, विभिन्न विभागों के कर्मी व आमजन आदि शामिल हुए।

मादक पदार्थों पर रोक में अभिभावकों एवं सिविल सोसाइटी का अहम रोलः डीसी

बिभा संवाददाता

बोकारो : बुधवार को न्याय सदन सभागार में अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस अवसर पर मादक पदार्थों पर रोक को लेकर नशे को ना,जिंदगी को हां थीम पर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ उपायुक्त श्रीमती विजया जाधव, उप विकास आयुक्त श्री संदीप कुमार, एएमसी श्री सौरव भुवानिया, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी आदि ने दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी, विभिन्न विद्यालयों की छात्र छात्राएं आदि उपस्थित थे।

इस अवसर पर अपने संबोधन में उपायुक्त श्रीमती विजया जाधव ने कहा कि मादक पदार्थों के सेवन पर रोक जरूरी है। बच्चें युवा पीढ़ी इस ट्रैप में फंसते जा रहे हैं, जो सही नहीं है। जन जागरूकता के माध्यम से ही इसके सेवन से होने वाले दुष्परिणामों को अवगत कराकर इस पर अंकुश लगाया जा सकता है, उन्होंने जागरूकता के इस कार्य को चुनौती के रूप में लेने की बात कहीं। कहा कि, मादक पदार्थों पर रोक में अभिभावकों एवं सिविल सोसाइटी का अहम रोल है। उन्होंने अभिभावकों को अपने बच्चों के साथ समय बिताने, उनके जीवन में क्या चल रहा है, किससे बात कर रहा है आदि पर ध्यान देने को कहा। वहीं, सिविल सोसाइटी को भी इसकी निगरानी करनी होगी, उनके आस पास क्या हो रहा है। विशेषकर झुग्गी झोपड़ियों/ स्लम बस्तियों पर नजर रखने की आवश्यकता है। आमजन/बच्चों - युवा पीढ़ी को ऐसे किसी भी मादक पदार्थ के सेवन से परहेज करने को लेकर प्रेरित करना होगा।

उपायुक्त ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए वर्तमान समय में राज्य एवं राज्य के कुछ जिलों में मादक पदार्थों के उत्पादन/सेवन का दायरा कैसे बढ़ रहा है, भविष्य की चिंताओं से विस्तार से अवगत कराया। बताया कि कैसे मादक पदार्थों के जद में आकर युवा पीढ़ी अपने भविष्य को बर्बाद कर रहे हैं, उन्होंने कार्यशाला में शामिल सभी प्रतिनिधियों/पदाधिकारियों एवं स्कूली बच्चों को घर जाकर अपने आस पास के 15 से 20 लोगों को मादक पदार्थों का सेवन नहीं करने के लिए प्रेरित/जागरूक करने का अपील किया। कार्यशाला में उपस्थित सिविल सर्जन को अत्याधूनिक सुविधाओं से लैस नशा मुक्ति पुर्नवास केंद्र स्थापित करने को लेकर प्रस्ताव राज्य एवं जिला को समर्पित करने का निर्देश दिया।

मौके पर उप विकास आयुक्त श्री संदीप कुमार ने भी मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्परिणाम एवं प्रभावित हो रहे जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कार्यशाला में शामिल सभी को कहा कि आस पास अगर कोई मादक पदार्थों की खरीद बिक्री या सेवन करता है, तो उसकी जानकारी दें, प्रशासन अविलंब कार्रवाई सुनिश्चित करेगा।

मौके पर अपर नगर आयुक्त चास श्री सौरव कुमार भुवानिया ने अपने संबोधन में युवा पीढ़ी एवं बच्चों को कहा कि ऐसी गलती नहीं करें कि कानूनी प्रावधानों के तहत सजा की जरूरत हो। इस कार्यशाला से यह सीख ले कि न स्वयं मादक पदार्थों का सेवन करेंगे और न ही दूसरों को ऐसा करने देंगे। उन्होंने रिल लाइफ से नहीं रियल लाइफ से सीख लेने की बात कहीं।

मौके पर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) रांची के प्रतिनिधि श्री कुमार मनोहर मंजूल ने मादक पदार्थों के प्रकार, देश में बढ़ रहें ऐसे मामलों, विभाग द्वारा किए जा रहें कार्यों एवं कानूनी प्रावधानों के संबंध में विस्तार से बताया। वहीं, रांची सीआइपी के प्रतिनिधि श्री कामेंद्र कुशवाहा ने मादक पदार्थों के सेवन से प्रभावित व्यक्तियों के उपचार/पुर्नवास के संबंध में जानकारी दी।

साइलो के प्रयोग से पर्यावरण अनुकूल कोयला परिवहन को बढ़ावा

बिभा संवाददाता

हाजीपुर/रांची : पर्यावरण के अनुकूल कोयला परिवहन की दिशा में अहम कदम उठाते हुए धनबाद मंडल में कोयला की लोडिंग के लिए कोल साइडिंगों पर साइलो संयंत्र लगाए गए हैं । इससे प्रदूषण मुक्त कोयला परिवहन को बढ़ावा देने में रेलवे की महत्वपूर्ण भूमिका है ।

वर्तमान में धनबाद मंडल के अंतर्गत दुधीचुआ, जयंत, बीना, गोरबी, राजधार, नॉर्थ उरीमारी तथा केआरएसएल कोल साइडिंग पर साइलो संयंत्र से कोयले की लोडिंग की जा रही है । इन साइलो से प्रतिदिन औसतन 24 रेक कोयले की लोडिंग की जा रही है । निकट भविष्य में इसमें वृद्धि करते हुए केडीएच, बानाडाग और निगाही कोल साइडिंग पर भी साइलो संयंत्र लगाए जाएंगे ।

विदित हो कि मालगाड़ी के डिब्बो में जब साइलो संयंत्र से कोयले को भरा जाता है तब धूल और प्रदूषण में काफी कमी आती है । नयी व्यवस्था के बाद कन्वेयर बेल्ट से पहले कोयले को ऊपर पहुंचाया जाता है फिर इसे वैगन में लोड किया जाता है जिससे मालगाड़ी के बगल में खड़े व्यक्ति को भी धूल और प्रदूषण की शिकायत नहीं होती है । साइलो द्वारा कोयला लोड करते वक्त कर्मचारियों की सेफ्टी का भी काफी ध्यान रखा जाता है । कोयला लदान के लिए इसे बेहद सुरक्षित माना गया है । अब साइलो से लोडिंग होने से कोल डिस्पैच की क्षमता भी बढ़ेगी । इससे ओवरलोडिंग नहीं होती है साथ ही समय की भी बचत होती है ।

लापता बच्ची का शव धधकीडीह फॉल से बरामद, परिजनों ने हत्या की आशंका जताई

बिभा संवाददाता

बोकारो : जिला के पेटरवार थाना क्षेत्र के अंगवाली से बीते 22 जून से लापता बच्ची का शव धधकीडीह वाटरफॉल से बरामद किया गया। परिजनों ने हत्या की आशंका व्यक्त की है।

मिली जानकारी के अनुसार अंगवाली उत्तरी पंचायत के वार्ड क्रमांक-4 टुंगरीटोला से बीते लापता 9 वर्षीय बच्ची नैना कुमारी का शव पांचवें दिन प्रातः तेनु-बोकारो नहर के धधकीडीह वाटरफॉल से पुलिस की उपस्थिति में बरामद किया गया।

मृतका के परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। शव बरामदगी के बाद पेटरवार थाना प्रभारी कृष्ण कुमार कुशवाहा ने परिजनों, पंचायत प्रतिनिधियों तथा ग्रामीणों की उपस्थिति में पंचनामा तैयार कर शव को पोस्टमार्टम के लिए तेनुघाट भेज दिया।

प्राप्त समाचार के अनुसार मृतका नैना कुमारी बीते 22 जून की शाम से घर से अचानक गायब हो गई थी। उसके पिता राजन कमार द्वारा पेटरवार थाना जाकर इसकी लिखित सूचना दी गयी।

आवेदन के तहत पुलिस द्वारा उसी रात मुहल्ले के एक संदिग्ध ज्ञान कमार को पूछताछ के लिए थाना ले गई। इसके बाद लगातार दो दिन तक पुलिस टीम सहित पंचायत प्रतिनिधि, परिजन ०मुहल्ले के रहिवासी लापता बच्ची की लगातार खोजबीन करते रहे।

शव बरामदगी के दौरान मृतका के दादा रामू कमार उर्फ गाड़ू, पिता राजन, मुखिया धर्मेंद्र कपरदार, वार्ड सदस्य रॉकी कमार, पवन विश्वकर्मा, अमित मिश्रा, पवन नायक, सुरेश सिंह, बिट्टू मिश्रा, दिनेश सिंह, सुरेश कमार, चंदन रविदास, गोपाल कमार, काशी रविदास सहित दर्जनों रहिवासी उपस्थित थे।

बताया जाता है कि शव पानी में पूरी तरह फूल गया था, जिससे उसमें से बदबू आ रहा था। मौके पर अक्रोशित दर्जनों महिलाओं ने थाना प्रभारी से दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाकर मृतका को न्याय दिलाने की मांग कर रही थी।

बता दें कि, मृतका की मां अंजु देवी विगत माह ही चेन्नई गई थी, जो घटने की खबर पाकर अंगवाली के लिए रवाना हो गयी है। अपराह्न शव का पोस्टमार्टम के उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस हत्या का मामला दर्ज कर पोर्टमोर्टम रिपोर्ट की प्रतीक्षा में है, ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके।

इस्पात प्रबंधन के शोषण एवं तानाशाही नीति के खिलाफ कोक ओवन मे क्रांतिकारी इस्पात मजदूर संघ ने की सभा

बिभा संवाददाता

बोकारो : इस्पात संयंत्र के कोक ओवन एवं कोक केमिकल्स विभाग के सुदर्शन कैंटीन में ठेका मजदूरों के प्रति प्रबंधन की शोषण एवं तानाशाही नीति के खिलाफ क्रांतिकारी इस्पात मजदूर संघ (हिंद मजदूर सभा) ने विशाल मीटिंग किया।

मीटिंग को सम्बोधित करते हुए संघ के महामन्त्री सह-सदस्य एनजेसीएस श्री राजेंद्र सिंह ने कहा कि बोकारो इस्पात संयंत्र में कार्य करने वाले ठेका मजदूरों के हितो और अधिकारों की रक्षा की जिम्मेदारी बोकारो प्रबंधन की है,वो अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकते हैं ।कोक-ओवन के मुख्य महाप्रबंधक ने वचन दिया था कि कोक-ओवन का कोई भी ठेका मजदूर मेडिकल जाँच के कारण काम से बाहर नहीं निकाला जाएगा ।मगर ऐसा लगता है कि इनकी कथनी और करनी में विरोधाभास है ।बैट्री नं 04 में एक मजदूर को मेडिकल अनफिट किया गया है 13 जुलाई तक उसका गेट पास है अगर 13 जुलाई तक उस मजदूर को नवीकृत गेट पास नहीं दिया गया तो 14 जुलाई से कोक-ओवन का धुआँ अनिश्चितकाल के लिए बन्द होगा ।प्रबंधन का हमेशा से प्रयास रहा है कि डमी युनियन के सहारे मजदूरों की एकता को तोड़कर शोषण की नीति को फलीभूत करते रहें।

सेल के अनेकों संयंत्र में ग्रेच्युटी लागु हो जाने के बावजूद भी बोकारो प्रबंधन ना तो ग्रेच्युटी लागु कर रही है ना हीं ग्रुप इंश्योरेंस पर कोई निर्णय ले पा रही है ।इनका प्रयास सिर्फ इतना रहता है कि कैसे नित नए-नए प्रयोग कर मजदूरों का शोषण किया जा सके।

प्रबंधन को हम अंतिम चेतावनी देते हैं कि अपनी नीति में सुधार करे अगर एक भी मजदूर को काम से निकाला गया तो सिर्फ कोक-ओवन हीं नहीं पूरे प्लांट के ठेका मजदूर आर-पार की लड़ाई को बाध्य होंगें। मीटिंग को श्री सिंह के अलावे आर के सिंह, शशिभूषण, जुम्मन खान, चन्द्र प्रकाश कुमार ,टुनटुन सिंह, राजेश तिवारी,जितेन्द्र उपाध्याय, नवीन तिवारी,हरेराम सिंह, अभय शर्मा,धर्मेंद्र पंडित, आनंद कुमार आदि ने संबोधित किया।

रांची में भव्य संस्कृति एवं राष्ट्रीय कथक महोत्सव का आयोजन अगस्त में

बिभा संवाददाता

रांची : सांसद संस्कृति महोत्सव और राष्ट्रीय कथक महोत्सव के आयोजन को लेकर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ आज दिल्ली में भारत सरकार के संस्कृति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात की एवं आयोजित होने वाले कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी एवं इस कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया।

ज्ञात हो कि केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ के द्वारा पिछले वर्ष राजधानी रांची में 5,6 ,7, मई 2023 को संसद संस्कृति महोत्सव का आयोजन किया गया था जिसमें पूरे झारखंड से लगभग 3500 कलाकारों ने इसमें भाग लिया था और इस महोत्सव में 450 सौ से अधिक प्रस्तुतियां हुई थी। इस आयोजन को देश के आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने बहुत सराहना की थी इसी प्रेरणा से इस बार भी सांसद संस्कृति महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है । इस वर्ष मुख्य आकर्षण राष्ट्रीय कथक का आयोजन होगा जिसमें देश के प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना अपनी प्रतिभा को दिखाएंगे । रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ की सोच झारखंड में कल के क्षेत्र में बहुत संभावनाएं हैं बस सिर्फ उसे तरसते की जरूरत है। ग्रामीण हो या शहरी क्षेत्र हो ऐसी कई प्रतिभाशाली कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए मंच नहीं मिल पाता है इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ऐसी प्रतिभाशाली कलाकारों को मंच देना जहां वह अपनी कला को दिखा सके।

रक्षा राज्य मंत्री की सोच रक्षा राज्य मंत्री श्री सेठ ने बताया आज हमारे बच्चे अपनी संस्कृति को भूलते जा रहे हैं हमें अपनी संस्कृति को जीवित रखने के लिए इस तरह के आयोजन किए जाने की आवश्यकता है ताकि हमारे बच्चे कत्थक नित्य जो प्राचीन समय की धरोहर है उनको जाने उन्हें समझ हमारे बच्चे आज पश्चिमी सभ्यता की ओर भाग रहे हैं इसलिए हमें बच्चों को अपनी संस्कृति के बारे में बताना होगा इसी उद्देश्य के साथ यह कार्यक्रम अगस्त के अंतिम सप्ताह में संसद सांस्कृतिक महोत्सव (प्रातः 9:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक) के अंतर्गत तीन दिवसीय कत्थक महोत्सव शाम 7:00 बजे से 9:00 तक का आयोजन झारखंड की राजधानी रांची में आयोजित की गई है।

अवैध रूप से बालू ले जा रहे चार ट्रैक्टर जब्त

बिभा संवाददाता

बोकारो : बालीडीह थाना के सामने मुख्य सड़क पर खनन विभाग द्वारा खनिज लदे वाहनों की जांच की गई, जिसमें बिना खनिज परिवहन के परिवहन करते हुए चार ट्रैक्टरों को अवैध रूप से बालू का उत्खनन कर प्रेषण करते हुए पकड़ा गया, जिसे जप्त कर पुलिस बल के सहयोग से थाना लाया गया एवम सम्बन्धित के विरुद्ध थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई। उक्त अभियान में खान निरीक्षक, जितेन्द्र कुमार, खान निरीक्षक सीताराम टुडू एवम पुलिस बल मोजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

प्रशासन के बाद ग्रामीणों ने उठाया कदम तो क्या भविष्य में ग्रामीण करा पाएंगे बालू तस्करी बंद या होगी ...

खूँटी(बिभा) । जिले के जरिया गढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत जलंगा गाँव के लोग बालू की अवैध तस्करी के विरुद्ध जो कदम उठाया है तो क्या बालू की तस्करी बंद हो पायगा? जो कि कारो नदी से कौवा खाप वन क्षेत्र से बालू की अवैध खनन करके बालू की अवैध तस्करी किया जा रहा था। इसी क्रम में ग्रामीणों ने महिला पुरुष मिलकर चार दिन पूर्व रात को गाड़ियों को रोक दिया था। और वाहनों को पुलिस के हवाले कर दिया था। जिसमें रात को कई हाईवा वाहन घुमाकर दुसरे क्षेत्र से भाग गए और जिसमें आठ गाड़ियाँ पकड़ी गई थी। पकड़े गए सभी हाईवा से बालू को पुलिस वहीं सड़क पर उतरवाया व वाहन को जरियागढ़ थाना ले आई थी। ये सभी हाईवा गुमला जिले के सिसई और राँची के लोगों का बताया जा रहा है। जो निरंतर यहाँ से बालू तस्करी करने का काम करते रहे हैं। इसके विरुद्ध ग्रामीणों ने आवाज तो उठाई है और वाहनों को रोक कर थाना को सपोर्ट किया है और सोमवार को जलंगा गाँव में ग्राम सभा की बैठक भी की गई थी। साथ ही, मंगलवार को थाना जाकर ग्रामीणों ने रोक लगाने के लिए आवेदन भी दिया था जिसमें लिखा हुआ था कि अगर प्रशासन बंद करने में ना कामयाब रही तो ग्राम सभा अपने स्तर पर बालू की अवैध तस्करी में लगाम लगाने के लिए कदम उठाएगी। लेकिन आगे क्या बालू की तस्करी चालू रहेगी या बालू तस्करी कौवा खाप से बंद हो जाएगी यह तो आनेवाला समय ही बतलाएगा।

कौशल प्रशिक्षण प्राप्त 28 विद्यार्थियों को मिला नियुक्ति पत्र

तोरपा(बिभा) । डोड़मा के चंदरपुर स्थित कल्याण गुरुकुल में बढ़ईगिरी और शटरिंग राजमिस्त्री ट्रेड का प्रशिक्षण प्राप्त 28 छात्रों को नियुक्ति पत्र बुधवार को सौंपा गया। ये सभी छात्र शोभा कंस्ट्रक्शन, कोच्ची में कार्य करेंगे। इस संबंध में गुरुकुल के प्राचार्य किशोर चंद्र मोहंती ने बताया कि गुरुकुल गरीब लड़के-लड़कियों को उनके गरीबी से बाहर निकालकर आधुनिक प्रशिक्षण बेहतर रोजगार मिल रहा है। अब तक कल्याण गुरुकुल खूँटी से विभिन्न ट्रेड में 1930 से अधिक युवाओं को ट्रेनिंग देकर देश-विदेश में रोजगार से जोड़ा गया है। नियुक्ति पत्र वितरण के बाद विदाई समारोह में अमित आनंद, गुरुकुल के सभी सदस्य उपस्थित थे।

रेफरल अस्पताल में दिया गया डायरिया नियंत्रण पर विशेष जानकारी

तोरपा(बिभा) । रेफरल अस्पताल तोरपा परिसर में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर मिदेन मुण्डु की अगुवाई में स्वास्थ्य कर्मी, एएनएम और स्वास्थ्य सहियाओं को डायरिया नियंत्रण पखवाड़ा के तहत जानकारी दिया गया। जिसमें विटामिन ए का लाभ का लाभ की जानकारी दी गयी। मौके पर बताया गया कि 27 जून से 27 जुलाई तक प्रखंड क्षेत्र के सभी आंगनबाड़ी केंद्र में जीरो से पाँच वर्ष तक 14000 बच्चों को विटामिन ए का खुराक दिया जाएगा। साथ ही 1 जुलाई से 31 अगस्त तक चलने वाले डायरिया नियंत्रण पखवाड़ा कार्यक्रम 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को एएनएम और स्वास्थ्य दो पीस ओआरएस और दो पीस जिंक टेबलेट देंगी।तथा डायरिया से ग्रसित मरीज की पहचान होने पर 14 दिनों तक ओआरएस और जिंक टेबलेट का निरंतर रूप से खुराक देने की बात कही गई।

मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य एक सप्ताह के अन्दर पूरा करने का रखा लक्ष्य

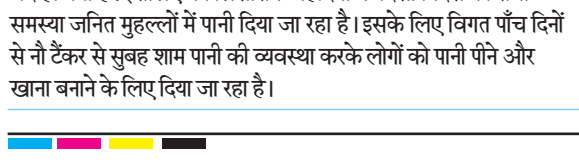

खूँटी(बिभा)। आगामी चुनाव की तैयारी में मुरहू शुरू किया बोटर लिस्ट मतदाता का नाम जोड़ने और हटाने का सत्यापन शुरू किया गया। इसके लिए मुरहू उप प्रमुख ने प्रखण्ड विकास पदाधिकारी से कहा कि इस एक माह में मतदाता सूची में सुधार करवा लें।लोकसभा का चुनाव अभी अभी गया है तो बहुत ज्यादा परेशानी नहीं होगी। साथ ही प्रखण्ड विकास पदाधिकारी ने इस कार्य के लिए सभी बुथ स्तरीय अधिकारी को इस कार्य हेतु उपप्रमुख को आश्वस्त किया है कि मतदाता सूची को जल्द से जल्द सुधार कर लिए जाएंगे। प्रखण्ड विकास पदाधिकारी के द्वारा सभी पंचायत समिति सदस्य को मतदाता सूची दिया गया। सभी को निर्देश दिया कि अपने अपने पंचायत में मतदाता सूची में सुधार हेतु पहल करें ताकि मतदान की प्रतिशत बढ़े। यह जानकारी उपप्रमुख अरुण साबू ने दी।

कई दिनों से नल से सप्लाई पानी बंद होने पर टैंकर से मुहल्ले तक पहुंच रहा पेयजल

खूँटी(बिभा) । नगर पंचायत क्षेत्र में सप्लाई नल बंद होने के कारण शहरवासियों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है । वहीं पानी का कमी होने के कारण घर में काम चलाने के लिए नगर पंचायत द्वारा प्रत्येक दिन विगत पाँच दिनों से सुबह शाम विभिन्न मुहल्लों में नगर पंचायत के कर्मी टैंकर से पानी मुहैया कर रहे हैं। ताकि लोग खाना बना लें और पीने के लिए पानी की व्यवस्था कर लें। नगर पंचायत के सुपरवाइजर राजेश कुमार ने बताया कि नदी का बराज सूख गया है इसलिए नल में पानी सप्लाई बंद हो गया है। इसलिए नगर प्रशासक महोदया के दिशा निर्देश पर सभी समस्या जनित मुहल्लों में पानी दिया जा रहा है। इसके लिए विगत पाँच दिनों से नौ टैंकर से सुबह शाम पानी की व्यवस्था करके लोगों को पानी पीने और खाना बनाने के लिए दिया जा रहा है।

मादक पदार्थों के विरुद्ध रन फॉर ड्रग्स फ्री झारखंड मैराथन दौड़ का आयोजन

उपायुक्त ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन दौड़ को किया रवाना

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले में मादक पदार्थों के विरुद्ध व्यापक जन जागरूकता अभियान को लेकर बिरसा कॉलेज फुटबॉल मैदान से नशा मुक्ति हेतु रन फॉर ड्रग्स फ्री झारखंड मैराथन दौड़ किया गया। इस दौरान जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस मैराथन दौड़ में बड़ी संख्या में खिलाड़ियों व आमजन शमिल हुए। जिसे उपायुक्त ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन को रवाना किया। साथ ही संकल्प लिया गया कि नशा करने से रोकने में प्रोत्साहन करने का काम किया जायेगा। इस दौरान उपायुक्त द्वारा आमजनों से नशा मुक्ति अभियान में जिला प्रशासन की सहयोग की बात कही गई। तथा युवा वर्ग तथा अगली पीढ़ी को नशे की चपेट में जाने से रोका जाय। लोगों से अपील किया गया कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोगों को मादक पदार्थों के सेवन के दुरुपयोग से अवगत करवाया जा सके। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति अभियान में समाज के हर वर्ग की भूमिका अहम है। सबको मिलकर इस अभियान को सफल बनाने में जिला प्रशासन का सहयोग करना होगा तभी हमलोग नशे के विरुद्ध इस अभियान में सफल होंगे। इस दौरान जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

मैराथन में इन लोगों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

मैराथन दौड़ में बालक वर्ग में प्रथम स्थान - कालो मुंडा, द्वितीय स्थान - अमरजीत कुमार एवं तृतीय स्थान - बिरया होरो ने प्राप्त किया। इसके साथ ही बालिका वर्ग में प्रथम - हीरा संगा, द्वितीय - संगीता मरांडी एवं तृतीय स्थान आयतीस सांगा ने प्राप्त किया।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला पर्यटन संवर्धन समिति की बैठक आयोजित

पर्यटक स्थलों के सौंदर्यीकरण व पर्यटकों के लिए आवश्यक सुविधा संबंधित पहलुओं पर किया गया विमर्श

बिभा संवाददाता

खूँटी । उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में जिला पर्यटन संवर्धन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला अंतर्गत विभिन्न पर्यटक स्थलों के सौंदर्यीकरण एवं पर्यटकों को प्राप्त सुविधा संबंधित पहलुओं पर विमर्श किया गया। मौके पर संबंधित अधिकारियों को यथाशीघ्र पहल करने का निर्देश दिया। मौके पर जिला पर्यटन पदाधिकारी मीनाक्षी भगत द्वारा बताया गया कि जिला अन्तर्गत विभिन्न पर्यटक क्षेत्रों का रख-रखाव एवं सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जानी है। कहा कि विभिन्न पर्यटक क्षेत्रों में रोड डायरेक्शन साइनेज एवं प्रवेश द्वार लगाना है। उपायुक्त ने बताया कि जिला अंतर्गत पर्यटन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण डोंबारी बुरु में पीने का पानी एवं शौचालय की नवीकरण किया जाएगा।

जिला पर्यटन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि पर्यटन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण पेरवांघाघ जलप्रपात तक जाने वाली पहुंच पथ की स्थिति के संबंध में चर्चा की गई। बताया गया कि खूँटी अंतर्गत रीमिक्स जलप्रपात तक जाने वाले पहुँच पथ के साथ शौचालय, बैठने की जगह का निर्माण सहित सौंदर्यीकरण कार्यों की तत्काल आवश्यकता है। बताया गया कि रानी फॉल में शौचालय, बैठने की जगह, चिल्ड्रेन पार्क एवं विश्राम आश्रय का तत्काल नवीकरण की जरुरत है। पंचघाघ जलप्रपात में मौजूद शौचालय का नवीकरण और सोलर लाईट की तत्काल मरम्मत की आवश्यकता है।

सीसीएल में कार्यशाला का आयोजन

रांची : निदेशक एचएन मिश्रा के नेतृत्व में, महाप्रबंधक और विभागाध्यक्ष की पहल पर सीसीएल के खनन अधिकारियों के लिए ₹खनन संविदा कार्यों के निष्पादन में सावधानियां₹ विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला आज एचआरडी, सीसीएल, मुख्यालय में हाईब्रीड मोड से आयोजित की गई थी और सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों के 60 अधिकारियों ने इस कार्यशाला में भाग लिया। भारत के सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता उद्यम मुखर्जी ने इस कार्यशाला का नेतृत्व किया।

सवारी गाड़ी की चपेट में आने से दो बच्ची घायल

बिभा संवाददाता

खूँटी । वाहनों की तेज गति रफ्तार का कहर जिले में थमने का नाम नहीं ले रहा है। जिसमें से खूँटी से तोरपा रोड और तमाड़ रोड में इस वर्ष काफी संख्या में सड़क दुर्घटना होती दिखाई दी है?। इसमें भारी वाहनों द्वारा भी लोग चपेट में आए हैं। कहीं तेज रफ्तार के बाइकर्स द्वारा मौत हुई हैं, तो कहीं गंभीर रूप से घायल भी हो गए हैं। इसी क्रम में अड़की थाना क्षेत्र अंतर्गत खूँटी तमाड़ रोड पर बुधवार को जारंगा विद्यालय के समीप तेज रफ्तार से तमाड़ से खूँटी की ओर जा रही सवारी गाड़ी की चपेट में आने से दो बच्ची बूरी तरह से घायल हो गई। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार हारीपीढ़ी से बाराती को लेकर रुताडीह जा रही सवारी गाड़ी की चपेट में आ जाने से खुशी कुमारी (5 वर्ष) और पूर्णिमा कुमारी (6 वर्ष) घायल हो गई। वहीं दोनों बच्ची जारंगा विद्यालय से निकलकर सड़क पार कर रही थी। इस घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण जमा हो गए और दोनों बच्चियों को एंबुलेंस पहुँचने में विलंब होने के कारण निजी वाहन से अस्पताल पहुंचाया गया और सवारी गाड़ी को सभी ग्रामीणों ने घेर कर रोक लिया। इसकी सूचना तुरंत अड़की पुलिस को दी गई। पुलिस घटनास्थल पर पहुँचकर सवारी गाड़ी को अपने साथ थाना ले गये। इधर, समाचार लिखे जाने तक खबर मिली कि दोनों बच्ची खतरे से बाहर है फिलहाल दोनों बच्चियों की निजी अस्पताल में इलाज कराई जा रही है ।

बीज गेंद से ड्रोन के सहारे इस बार होगा पौधरोपण

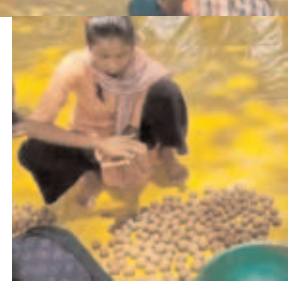

बिभा संवाददाता

खूँटी । जंगलों में बरसात के दिनों में पौधारोपण का नया तकनीक का प्रयोग प्रखंड क्षेत्र के डंडोल में किया गया है। जिसके लिए विभिन्न पेड़ों के बीज को मिट्टी लपेट कर गेंद बनाने का शुरूआत किया गया है। जिससे वनों में पेड़ों के बीज बरसात में बोया जा सके। वन विभाग द्वारा निर्गत महुआ बेर, कुसुम, करंज, पलाश, नीम, महुआ, सीताफल आदि अनेक तरह के बीज को वनों में ड्रोन के सहारे गिराया जाएगा। इसके लिए डंडोल गाँव में बीज के उपर मिट्टी लगाकर गेंद बनाया जा रहा है। ताकि बरसात में इन बीज गेंद को पेड़ वृद्धि के लिए जंगलों में लगाया जा सके। ये पहल पहला उपयोग है जिसमे ड्रोन का उपयोग कर के मिट्टी के बाल मे बीज संरक्षित कर के ऐसे जगह में गिराया जाएगा जहाँ अन्य तरीके से पौधारोपण करना काफी कठिन है। इससे किसानों के लाह उत्पादन समूह के किसान को रोजगार उपलब्ध होगी ताकि उनके जीवन में सुधार आ सके। जिसमें बेर, कुसुम, करंज, पलाश, नीम, महुआ, सीताफल के साथ कुछ घास के बीज का उपयोग किया गया है। इस पहल पर लगे दिव्यांशु कुँवर का कहना है कि यह इस क्षेत्र के लिए बिल्कुल नये तरीके से ड्रोन के द्वारा किया गया पहला पहल है जिसमे हमे काफी अच्छी परिणाम की उम्मीद है ताकि इस पहल को और भी बड़े क्षेत्र मे किया जा सके। इसके लिए वन विभाग बीज दी है और इसे आईसीआईसीआई फाउंडेशन की अगुवाई में किसान समूह की बहनों के सहयोग से किया जा रहा है। इधर, वन प्रमंडल पदाधिकारी ने बताया कि पिछले वर्ष भी वन विभाग विभिन्न क्षेत्र के जंगलों में लाखों पौधे लगाई थी और इस बार भी डेढ़ लाख से अधिक पौधे रोपण करने का लक्ष्य रखा गया है।

आपातकाल काल के तात्कालीन स्थिति को बयाँ किये भुक्तभोगी जन

बिभा संवाददाता

खूँटी । जब पूरे देश में तात्कालीन प्रधानमंत्री स्व इंदिरा गांधी आपातकाल लगा दी थी तो खूँटी लोगों को काफी समस्या से गुजरना पड़ा था। लोग भारत माता की जय वंदे मातरम्, जय श्री राम नहीं कह सकते थे। ये वो दिन था जब स्व इंदिरा गांधी ने मंत्री परिषद की बैठक और निर्णय के बिना ही तत्कालीन राष्ट्रपति को पत्र लिखकर आपातकाल की स्थिति घोषित कराई थी। भारत माता की जय कहने वाले आरएसएस पर पूरी तरह बना लग गया था। पुलिस भारत माता की जय कहने वालों को पकड़ कर ले जा रही थी। खूँटी से भी डेढ़ दर्जन से अधिक लोग आपातकाल में जेल जा चुके हैं। जिनकी स्थिति को प्रत्यक्षदर्शी और भुक्तभोगी लोगों ने जानकारी देकर अवगत कराया। आपातकाल में जेल गए जीत वाहन महत्व ने बताया कि खूंटी से रांची जेल ले जाया गया फिर वहां से भागलपुर लिए ले जाया गया। जेल के अंदर भी काफी प्रताड़ना हुई थी। बाद में कुछ शीर्ष लोगों को जानकारी हुआ तो फिर इस प्रताड़ना से कुछ राहत मिली फिर जेल के अंदर ही खाना बनाने की व्यवस्था की गई थी। गुटजोरा गाँव के तत्कालीन पोस्टमास्टर बारी सुरेश कश्यप ने बताया कि पोस्ट ऑफिस पर पुलिस की पूरी नजर रहती थी। डाक आना जाना बंद हो गया था। कोई किसी को जानकारी आदान-प्रदान नहीं कर सकता था यह था इमरजेंसी कालक्रम। कैलाश महतो ने बताया कि इमरजेंसी कॉल में लोगों में काफी भयभीत स्थिति थी। किसी प्रकार की कोई व्यक्ति कुछ कह दे तो उसे पुलिस उठाकर ले जाती थी। भाजपा और आरएसएस के लोगों को चुन चुन कर पकड़ा जाता था। जेल भेजा जाता था।

खूंटी की धरती ने अनेक खिलाड़ियों को दिया है जन्मः नीलकंठ सिंह मुंडा

बिभा संवाददाता

खूँटी । कचहरी मैदान में बुधवार की शाम खूँटी प्रिमियर लिग टूनार्मेंट का शुभारम्भ हुआ । जिसका स्थानीय विधायक नीलकंठ मुण्डा ने बैटिंग करके उद्घाटन किया। इस उद्घाटन मैच में दतिया की टीम और 003 की टीमों के बीच मुकाबला हुआ।

इस आयोजन के पूर्व विधायक का मंच में स्वागत किया गया। वहीं नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि खेल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ठीक और मन को प्रफुल्लित रखता है। किसी भी खेल में खिलाड़ी का स्वास्थ्य अच्छा रहता है। वहीं खूँटी खिलाड़ियों को सृजन करनेवाला भूमि है। और खूँटी की पहचान खेल की दुनिया में नाम आगे बढ़ा है। इस मौके पर, भाजपा के नगर अध्यक्ष सुरेश जायसवाल, संजय भगत, रुपेश जायसवाल, जनार्दन मिश्रा, राजेश नाग, मनोज राम, कृष्णा लोहरा, मदन गोप, शुभम जायसवाल सहित अनेक लोग उपस्थित थे। इस आयोजन को सफल बनाने में बाबू खान, नवनीत मिश्रा सहित आयोजन समिति के सारे लोगों का योगदान है।

मादक पदार्थ के विरुद्ध जागरूकता कार्यशाला के साथ चलाये गये हस्ताक्षर अभियान

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले में मादक पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बुधवार को बिरसा महाविद्यालय बहुद्देशीय भवन में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अनुमंडल पदाधिकारी अनिकेत सचान, डालसा सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर, सिविल सर्जन नरोत्तम माँझी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुमन सिंह, बिरसा कॉलेज की प्राचार्या जे किड़ो, डेफ्ट की नीपा बसु, सीनी की शिल्पा जायसवाल ने सयुक्त रूप से किया। आगंतुकों का स्वागत और कार्यक्रम का उद्देश्य बताते हुए जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुमन सिंह ने कहा कि मादक पदार्थों के रोकथाम के लिए सरकार गंभीर है, सरकार द्वारा लगातार अभियान चला कर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी अनिकेत सचान ने कहा कि खूंटी जिले में नशे की खेती और तस्करी के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। ग्रामीण इलाकों में नशे की खेती के विरुद्ध जनजागरुकता कार्यक्रम चलाने से अब लोगों में नशे की अवैध खेती के विरुद्ध जागरूकता बढ़ी है। एनडीपीएस एक्ट को लेकर जागरूकता कार्यक्रम डालसा और नारकोटिक्स विभाग द्वारा चलाया जा रहा है। मादक पदार्थों को लेकर कानूनी पहलुओं पर चर्चा करते हुए डालसा सचिव ने कहा कि खूँटी को नशामुक्त करना हम सब की जिम्मेवारी है, नशे की अवैध खेती को रोकने के लिए कड़े कानून बनाए गए है। कार्यक्रम में नशे के विरुद्ध हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया।

डिजीटल क्राप सर्वे हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बिभा संवाददाता

खूँटी । संयुक्त कृषि भवन स्थित आत्मा के सभागार में डिजीटल क्रॉप सर्वे (फसल सर्वेक्षण) हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सर्वेक्षण के माध्यम से जिले के सभी किसानों की फसलों का सर्वेक्षण किया जाएगा। उक्त सर्वेक्षण द्वारा इस तथ्य का पता चल सकेगा कि जिले में वास्तविक रुप से किन फसलों का कितना रकवा है। कितनी मात्रा में खाद और बीज की आवश्यकता होगी, इस बात की भी जानकारी मिलेगी। साथ ही खेती कार्य में किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है, इसकी भी जानकारी होगी। उक्त सर्वेक्षण कार्य मोबाइल एप्प के माध्यम से किया जाएगा। प्रशिक्षण में आत्मा के परियोजना निदेशक अमरेश कुमार, सभी बीटीएम, एटीएम सहित अन्य शामिल थे। प्रशिक्षण सदर बीटीएम नम्रता कुमारी द्वारा दिया गया।

वायु प्रदूषण से होती लाखों मौतों के लिये कौन जिम्मेदार?

ललित गर्ग

चिंता की बात यह है कि दक्षिण एशिया में मृत्यु दर का सबसे बड़ा कारण वायु प्रदूषण ही है। उसके बाद उच्च रक्तचाप, कुपोषण तथा तंबाकू सेवन से होने वाली मौतों का नंबर आता है। दरअसल, गरीबी और आर्थिक असमानता के चलते बड़ी आबादी येन-केन-प्रकारेण जीविका उपार्जन में लगी रहती है, उसकी प्राथमिकता प्रदूषण से बचाव के बजाय रोटी ही है। वहीं ढुलमुल कानूनों, तंत्र की काहिली तथा जागरूकता के अभाव में वायु प्रदूषण रोकने की गंभीर पहल नहीं हो पाती। मुश्किल यह है कि वायुमंडल के घनीभूत होने की वजह से जमीन से उठने वाली धूल, पराली की धुंध और वाहनों से निकलने वाले धुएं के छंटने की गुंजाइश नहीं बन पाती है।

कहते हैं जान है तो जहान है, लेकिन भारत में बढ़ते प्रदूषण के कारण जान और जहान दोनों ही खतरे में हैं। देश की हवा में घुलते प्रदूषण का ह्यजहरह्ल अनेक बार खतरनाक स्थिति में पहुंच जाना चिन्ता का बड़ा कारण हैं। प्रदूषण की अनेक बंदिशों एवं हिदायतों के बावजूद प्रदूषण नियंत्रण की बात खोखली साबित हो रही है। यह कैसा समाज है जहां व्यक्ति के लिए पर्यावरण, अपना स्वास्थ्य या दूसरों की सुविधा-असुविधा का कोई अर्थ नहीं है। जीवन-शैली ऐसी बन गयी है कि आदमी जीने के लिये सब कुछ करने लगा पर खुद जीने का अर्थ ही भूल गया, इस गंभीर होती स्थिति को यूनिसेफ और अमेरिका के स्वतंत्र अनुसंधान संस्थान ह्यहेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूटह्ल की साझेदारी में जारी रिपोर्ट ने बयां किया है, इस रिपोर्ट के आंकड़े परेशान एवं शर्मसार करने के साथ चिन्ता में डालने वाले हैं, जिसमें वर्ष 2021 में वायु प्रदूषण से 21 लाख भारतीयों के मरने की बात कही गई है। ज्यादा दुख की बात यह है कि मरने वालों में 1.69 लाख बच्चे हैं, जिन्होंने अभी दुनिया ठीक से देखी ही नहीं थी। निश्चय ही ये आंकड़े जहां व्यथित, चिन्तीत व परेशान करने वाले हैं। वहीं सरकार के नीति-नियंताओं के लिये यह शर्म का विषय होना चाहिए, लेकिन उन्हें शर्म आती ही कहा है? तनिक भी शर्म आती तो सरकारें एवं उनके कर्ता-धर्ता इस दिशा में गंभीर प्रयास करते। सरकार की नाकामयियां ही हैं कि जिन्दगी विषमताओं और विसंगतियों से घिरी होकर उसे कहीं से रोशनी की उम्मीद दिखाई नहीं दे रही है।

जानलेवा वायु प्रदूषण न केवल भारत के लिये बल्कि दुनिया के लिये एक गंभीर समस्या है। चीन में भी इसी कालखंड में 23 लाख लोग वायु प्रदूषण से मरे हैं। जहां तक पूरी दुनिया में इस वर्ष मरने वालों की कुल संख्या का प्रश्न है तो यह करीब 81 लाख बतायी जाती है। चिंता की बात यह है कि भारत व चीन में वायु प्रदूषण से मरने वालों की कुल संख्या के मामले में यह आंकड़ा वैश्विक स्तर पर 54 फीसदी है। जो हमारे तंत्र की विफलता, गरीबी और प्रदूषण नियंत्रण में शासन-प्रशासन की कोताही एवं लापरवाही को ही दशार्ता है। इसमें आम आदमी की लापरवाही भी कम नहीं है। आम आदमी को पता ही नहीं होता है कि किन प्रमुख कारणों से वह प्रदूषण फैला रहा है और किस तरह वे इस जानलेवा प्रदूषण को नियंत्रित करने में सहयोगी हो सकते हैं। प्रश्न है कि आम आदमी एवं उसकी जीवनशैली वायु प्रदूषण को इतना बेपरवाह होकर क्यों फैलाती है? क्यों आदमी मृत्यु से नहीं डर रहा है? क्यों भयभीत नहीं है? देश की जनता दुख, दर्द और संवेदनहीनता के जटिल दौर से रूबरू है, प्रदूषण जैसी समस्याएं नये-नये मुखौटे ओढ़कर डराती है, भयभीत करती है। विडम्बना तो यह है कि विभिन्न राज्यों की सरकारें इस विकट होती समस्या का हल निकालने की बजाय राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप करती है, जानबूझकर प्रदूषण फैलाती है ताकि एक-दूसरे की छीछालेदर कर सके। प्रदूषण के नाम पर भी कोरी राजनीति का होना दुर्भाग्यपूर्ण है।

दिल्ली सहित उत्तर भारत के ज्यादातर इलाकों में प्रदूषण का बेहद खतरनाक स्थिति में बना रहना चिन्ता में डालता है। हालत ये बनते हैं कि कभी-कभी सांस लेना मुश्किल हो जाता है और लोगों को घरों में ही रहने को मजबूर होना पड़ता है। दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद, गुरुग्राम में प्रदूषण का बड़ा कारण पड़ोसी राज्यों से आने वाला पराली का धुआं होता है। पराली के बाद पटाखों का धुआं भी बड़ी समस्या है, इसके अलावा सड़कों पर लगातार बढ़ते निजी वाहन, गुणवत्ता के ईंधन का उपयोग न होना, निर्माण कार्य खुले में होना, उद्योगों की घातक गैसों व धुएं का नियमन न होने एवं बढ़ता धूम्रपान जैसे अनेक कारण वायु प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं। वहीं दूसरी ओर आवासीय कॉलोनियों व व्यावसायिक संस्थानों का विज्ञानसम्मत ढंग से निर्माण न हो पाना भी प्रदूषण बढ़ाने की एक वजह है। यह कैसी शासन-व्यवस्था है? यह कैसा अदालतों की अवमानना का मामला है? यह सभ्यता की निचली सीढ़ी है, जहां तनाव-ठहराव की स्थितियों के बीच हर व्यक्ति, शासन-प्रशासन प्रदूषण नियंत्रण के अपने दायित्वों से दूर होता जा रहा है।

यूनीसेफ की रिपोर्ट में वायु प्रदूषण से 1 लाख 69 हजार बच्चे जिनकी औसत आयु पांच साल से कम बतायी गई है, मौत के शिकार होते हैं। जानलेवा प्रदूषण का प्रभाव गर्भवती महिलाओं पर होने से बच्चे समय से पहले जन्म ले लेते हैं, इनका समुचित शारीरिक विकास सही ढ़ंग से नहीं हो पाता। इससे बच्चों का कम वजन का पैदा होना, अस्थमा तथा फेफड़ों की बीमारियां से पीड़ित होना हैं। हमारे लिये चिंता की बात यह है कि बेहद गरीब मुल्कों नाइजीरिया, पाकिस्तान, बांग्लादेश, इथोपिया से ज्यादा बच्चे हमारे देश में वायु प्रदूषण से मर रहे हैं। विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन के संकट ने वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों की संख्या को बढ़ाया ही है। एक अरब चालीस करोड़ जनसंख्या वाले देश भारत के लिये यह संकट बहुत बड़ा है। दिल्ली सहित देश के कई महानगरों में प्रदूषण जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गयी है। हर कुछ समय बाद अलग-अलग वजहों से हवा की गुणवत्ता का स्तर ह्यबेहद खराबह्ल की श्रेणी में दर्ज किया जाता है और सरकार की ओर से इस स्थिति में सुधार के लिए कई तरह के उपाय करने की घोषणा की जाती है। हो सकता है कि ऐसा होता भी हो, लेकिन सच यह है कि फिर कुछ समय बाद प्रदूषण का स्तर गहराने के साथ यह सवाल खड़ा होता है कि आखिर इसकी असली जड़ क्या है और क्या सरकार की कोशिशें सही दिशा में हो पा रही है? इस विकट समस्या से मुक्ति के लिये ठोस कदम उठाने होंगे। सिर्फ दिल्ली ही नहीं, देश के कई शहर वायु प्रदूषण की गंभीर मार झेलते हैं। इसका पता तब ज्यादा चलता है जब वैश्विक पर्यावरण संस्थान अपने वायु प्रदूषण सूचकांक में शहरों की स्थिति को बताते हैं। पिछले कई सालों से दुनिया के पहले बीस प्रदूषित शहरों में भारत के कई शहर दर्ज होते रहे हैं। जाहिर है, हम वायु प्रदूषण के दिनोंदिन गहराते संकट से निपट पाने में तो कामयाब हो नहीं पा रहे, बल्कि जानते-बूझते ऐसे काम करने में जरा नहीं हिचकिचा रहे जो हवा को जहरीला बना रहे हैं।

चिंता की बात यह है कि दक्षिण एशिया में मृत्यु दर का सबसे बड़ा कारण वायु प्रदूषण ही है। उसके बाद उच्च रक्तचाप, कुपोषण तथा तंबाकू सेवन से होने वाली मौतों का नंबर आता है। दरअसल, गरीबी और आर्थिक असमानता के चलते बड़ी आबादी येन-केन- प्रकारेण जीविका उपार्जन में लगी रहती है, उसकी प्राथमिकता प्रदूषण से बचाव के बजाय रोटी ही है। वहीं ढुलमुल कानूनों, तंत्र की काहिली तथा जागरूकता के अभाव में वायु प्रदूषण रोकने की गंभीर पहल नहीं हो पाती। मुश्किल यह है कि वायुमंडल के घनीभूत होने की वजह से जमीन से उठने वाली धूल, पराली की धुंध और वाहनों से निकलने वाले धुएं के छंटने की गुंजाइश नहीं बन पाती है। नतीजन, वायु में सूक्ष्म जहरीले तत्व घुलने लगते हैं और प्रदूषण के गहराने की दृष्टि से इसे खतरनाक माना जाता है। हमारा राष्ट्र एवं दिल्ली सहित अन्य राज्यों की सरकारें नैतिक, आर्थिक, राजनैतिक और सामाजिक एवं व्यक्तिगत सभी क्षेत्रों में मनोबल के दिवालिएपन के कगार पर खड़ी है। और हमारा नेतृत्व गौरवशाली परम्परा, विकास और हर प्रदूषण खतरों से मुकाबला करने के लिए तैयार है, का नारा देकर अपनी नेकनीयत का बखान करते रहते हैं। पर उनकी नेकनीयती की वास्तविकता किसी से भी छिपी नहीं है, देश में वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों के हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट के आंकड़े इस वास्तविकता को उजागर करते हुए प्रदूषण की समस्या का कोई दीर्घकालिक और ठोस हल निकालने के लिये चेता रहे हैं।

संपादकीय

संसद में फिर हंगामे के आसार

शायद ही किसी को यह उम्मीद रही होगी कि इस बार की संसद सहज, सामान्य और सुव्यवस्थित तरीके से चलेगी। लेकिन यह अनुमान नहीं था कि पहले ही दिन दूध में खटाई पड़ जाएगी और संसद के भावी कार्यकाल का विद्रूप चेहरा शुरूआत में ही दिखाई देने लगेगा। प्रधानमंत्री जब अपने उद्बोधन में यह अपेक्षा कर रहे थे कि विपक्षी दल सकारात्मक रुख अपनाएं, सार्थक बहस करें, जिम्मेदार रहें बजाय इसके कि वे अनावश्यक नाटक, शोरगुल या हंगामा करें, तो उन्हें पूरा भरोसा रहा होगा कि विपक्ष वही करेगा जो उसने पिछले सत्र में किया था। उनका सहयोग का आह्वान स्वयं उन्हें ही अपूरणीय लग रहा होगा। विपक्ष ने पहले ही दिन प्रदर्शित कर दिया कि वह संसद को शांति से नहीं चलने देगा, किसी भी तरह का सहयोग का तो प्रश्न ही उठता। पहले प्रोटेम स्पीकर के नाम को लेकर विवाद खड़ा किया गया और उसके बाद लोकसभाध्यक्ष के चुनाव को लेकर भी चुनौती खड़ी कर दी गई। आजादी के बाद यह दूसरा मौका है जब लोकसभाध्यक्ष का निर्वाचन चुनाव के जरिए होने जा रहा है। एनडीए के उम्मीदवार ओम बिरला के विरुद्ध विपक्ष के उम्मीदवार कांग्रेस के आठ बार के सांसद के. सुरेश होंगे। यह दीगर बात है कि ममता बनर्जी की पार्टी ने बिना उनसे पूछे के. सुरेश की उम्मीदवारी पर अपना ऐतराज दर्ज करा दिया है। प्रधानमंत्री ने भी शायद भावी स्थितियों को भांप लिया है, इसलिए उन्होंने आपातकाल के पचास वर्ष होने का स्मरण करके विपक्ष विशेषकर कांग्रेस पर प्रहार करने का मौका हाथ से जाने नहीं दिया। उधर, विपक्ष ने भी पेपर लीक घोटाले, रेल दुर्घटना, गर्मी के कारण हुई लोगों की मौतें आदि मुद्दों के साथ-साथ बेरोजगारी और महंगाई जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने का मन बना रखा है। इससे साफ संकेत मिलता है कि लोक सभा शांतिपूर्ण ढंग से नहीं चलेगी। विपक्ष जितना मजबूत हुआ है, सरकार पर विपक्ष का प्रहार भी उतना ही मजबूत होगा। नहीं लगता कि प्रधानमंत्री मोदी सहित सत्ता पक्ष का कोई भी नेता अपनी बात बिना हंगामा झेले शांतिपूर्ण ढंग से कह पाएगा। यह वह स्थिति है जो देश के सामान्य नागरिक को चिंतित करती है। लेकिन इसका कोई समाधान उसके पास नहीं है। आम आदमी चाहता है कि संसद में हंगामे की बजाय विचारपूर्ण बहस सुने। काश, आम आदमी की यह मंशा विपक्ष पहुंच पाती और संसद के व्यर्थ के हंगामों से थोड़ी सी राहत की सांसें ले पाती।

चिंतन-मनन

प्रोध का जवाब प्रोध नहीं

एक बार एक ब्राह्मण ने महात्मा बुद्ध को अपने घर आकर, भोजन करने का निमंत्रण दिया। जब बुद्ध वहां पहुंचे तो उन्होंने पाया कि ब्राह्मण ने उन्हें किसी अन्य मकसद से वहां बुलाया था। ब्राह्मण उनकी निंदा करने लगा और उन्हें अपशब्द कहने लगा। बुद्ध ब्राह्मण के वचनों के वार चुपचाप सहते रहे। अंत में बुद्ध ने कहा,हे ब्राह्मण जी, क्या आपके घर में मेहमान आते रहते हैं? हां, आते हैं। ब्राह्मण ने उत्तर दिया। बुद्ध ने पूछा,जब मेहमान आते हैं तो आप उनके लिए क्या भोजन बनाते हैं? ब्राह्मण ने उत्तर दिया,हम एक बड़े भोज की तैयारी करते हैं। बुद्ध ने पूछा, अगर वे नहीं आते तो आप क्या करते हैं? ब्राह्मण बोला, हम भोज स्वयं खा लेते हैं। बुद्ध बोले,अच्छा, तुमने मुझे भोजन पर बुलाया पर तुमने मेरा स्वागत कठोर वचनों और आलोचना से किया। लगता है कि जो भोज तुम मुझे परोसने वाले थे, वह इसी का है। मैं तुम्हारे द्वारा परोसे भोजन को नहीं खाना चाहता। कृपया इसे वापस ले लो और स्वयं खाओ। बुद्ध ने महसूस किया कि जो भोज उन्हें दिया गया था, वह खाद्य पदार्थों का नहीं, बल्कि गालियों का था। उन्होंने वापस मुड़कर ब्राह्मण का तिरस्कार करने और उसे अपशब्द कहने के बजाय उसके प्रोध को स्वीकार नहीं किया। बल्कि वे उस स्थान से चले गए। इस प्रकार, प्रोध उसी के साथ रहा जो उसे प्रकट कर रहा था। महात्मा बुद्ध के शिष्य यह देख रहे थे। बुद्ध ने उन्हें सलाह दी, कभी उस रूप में बदला न लो जिस रूप में सलूक आपके साथ हुआ हो। घृणा कभी घृणा से खत्म नहीं होती। कई बार हमारा सामना ऐसे लोगों से होता है जो हमें बुरा-भला कहते हैं। उनके स्तर पर उतरने की जगह हमें उनके उपहारों को स्वीकार नहीं करना चाहिए। तब उनका प्रोध उनके साथ ही रहेगा। जब हम घटना स्थल से हट जाएंगे तो वे अपने आपको, अपने प्रोध के साथ अकेला पाएंगे। वे चकित होंगे कि उनके प्रोध के बावजूद हम प्रेममय बने रहे।

वृक्षारोपण बहूत जरूरी है...

वृक्ष आपको चैन की सांस दे सकता है। चूँकि वन हमारी भूमि के फेफड़े हैं। पेड़ हानिकारक गैसों को अवशोषित करते हैं और ऑक्सीजन उत्सर्जित करते हैं। अधिक वृक्षारोपणऑक्सीजन के स्तर को बढ़ाने में मदद कर सकता है वृक्षों ने हमें जीवन की सबसे महत्वपूर्ण चीजें खाना और ऑक्सीजन दिया है। न सिर्फ यह दो चीज बल्कि वृक्षों के कारण ही हमें रहने को घर, दवाइयाँ, और कई प्रकार के अन्य औजार प्राप्त होते हैं। आज विश्व भर में बढ़ते जनसंख्या के कारण और लोगों द्वारा पेड़ो को काटने के कारण आज पेड़ो की आवश्यकता बढ़ते चले जा रही है। इस आधुनिक युग के जीवन काल के कारण मनुष्य पेड़ो को बहुत तेजी से काट रहे हैं जिसके कारण आने वाले कुछ वर्षों में मनुष्य को बहुत सारे कठिनाइयों से गुजरना पड़ सकता है। पेड़-पौधे हर समाज के लिए एक महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं। हमारे आस-पास के जगहों जैसे गलियों, पार्क, खेल के मैदान, और बगीचे में पेड़ पौधे स्वच्छ वायु प्रदान करते हैं और वातावरण को हरा-भरा और शांत रखते हैं। वृक्षों से आस-पास का वातावरण सुन्दर और स्वच्छ रहता है जिससे जीवन जीने का स्तर बढ़ जाता है। पेड़-पौधों की छाव में अपने परिवार के साथ बैठ कर समय बिताने का एक अलग ही आनंद होता है। साथ ही शहरी क्षेत्रों में सड़क के दोनों तरफ पेड़ पौधे लगाने से सूरज की किरण को पेड़ रोकते हैं जिससे गर्मी के महीनों में शहर का तापमान ज्यादा नहीं बढ़ पाता है। पेड़-पौधें मनुष्य को स्वच्छ वायु और ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, साथ ही जलवायु सुधार, जल संरक्षण, मिट्टी के संरक्षण, और वन्य जीवन की सुरक्षा करते है। प्रकाश संश्लेषण या फोटोसिंथेसिस प्रोसेस के दौरान पेड़ पौधे कार्बन डाइऑक्साइड ले लेते हैं और ऑक्सीजन को छोड़ते हैं। यही ऑक्सीजन मनुष्य को सांस लेने और जीवित रहने में मदद करता है। अमेरिका के कृषि अनुसंधान विभाग का कहना है की एक एकड़ जंगल से लगभग 6 टन कार्बन डाइऑक्साइड खत्म होता है और 4 टन ऑक्सीजन वायु को पेड़ो के माध्यम से प्राप्त होता है। इतने ऑक्सीजन से 18 से 20 लोग आराम से 1 वर्ष तक जीवित रह सकते हैं। साथ ही पेड़ पौधे, गाड़ियों और कारखानों से उत्पत्ति होने वाले कार्बन डाइऑक्साइड गैस को भी खींच लेते हैं और ऑक्सीजन में बदल देते हैं। गर्मी के महीनों में लंबे वृक्ष सूरज की तपती किरण को धरती तक पहुंचने से रोकते है जिससे धरती का तापमान ज्यादा नहीं बढ़ पाता है। बारिश के महीने में पेड़-पौधे के जड़ मजबूती से मिट्टी को पकड़ कर रखते हैं इससे मृदा अपरदन नहीं हो पाता है। ना सिर्फ धरती के ऊपर बल्कि धरती के अंदर के पानी को भी पेड़ पौधों के जड़ पकड़ कर रखते हैं जिससे बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा नहीं हो पाती है। प्रति वर्ष कई टन पत्ते पेड़ों से गिरते हैं जिनसे अगर हम चाहें तो प्राकृतिक खाद बना सकते हैं। कई जीव-जंतु जैसे बकरी, हाथी, कोआला, बंदर, जिराफ आदि अपना पूरा जीवन पेड़ पौधों के पत्ते खाकर गुजारते हैं। कई लाख प्रजाति के पक्षी पेड़-पौधों पर रहते हैं। हर कोई व्यक्ति पेड़ पौधों को इसलिए पसंद करते हैं क्योंकि पेड़ पौधे देखने में बहुत ही सुंदर और अद्भुत होते हैं। सभी पेड़ पौधे देखने में सुंदर और अपनी जगह एक अलग ही रूप रंग और आकार के होते हैं। हमारे देश भारत में वृक्षों की पूजा की जाती है और उन्हें भगवान का दर्जा दिया जाता है। कुछ महत्वपूर्ण पेड़ पौधे जैसे बरगद, पीपल, आम, बेल, केला कुछ आसान उदाहरण है जिनका हमारे देश में बहुत ही अधिक आध्यात्मिक मूल्य है। पेड़ पौधे हमारे जीवन और पर्यावरण में एक शांत और आरामदायक वातावरण को बनाये रखते हैं। आज के इस आधुनिक युग में जब हर जगह नए शहर बन रहे हैं और घर बन रहे हैं ऐसे में पेड़ पौधों का व्यावसायिक मूल्य बहुत ही अधिक हो चुका है। आज भी विश्व के कई हिस्सों मैं लकड़ी को खाना पकाने के रूप में सबसे पहला ईंधन माना जाता है। पेड़ से हमारा घर बनता है, फर्नीचर मिलता है, कई प्रकार के औजार बनते हैं पर लाखों छोटे-मोटे उपयोगी घरेलू चीजें बनती है। पेड़ पौधों से हमें खाने के लिए फल, बादाम भी मिलते हैं जो इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। कुछ पेड़ो के अंदरुनी भाग से लैटेक्स प्राप्त होता है जिससे रबर बनाया जाता है। इसे लाखों महत्वपूर्ण रोज के कार्य हैं जो पेड़-पौधों के बिना असंभव हैं। आज मनुष्य स्वयं के स्वार्थ के लिए पेड़ो को तेजी से कटता चले जा रहा है। अत्यधिक पेड़ काट देने के कारण ग्लोबल वार्मिंग, एसिड बारिश और ग्रीन हाउस इफेक्ट जैसे मुश्किलों का सामना मनुष्य को करना पड़ रहा है। आज पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए पेड़-पौधों को बचाना बहुत ही आवश्यक हो गया है। धीरे-धीरे पूरे विश्व भर की जनसंख्या बढ़ती चली जा रही है जिसके कारण लोगों को रहने के लिए नए घर बनाने पढ़ रहे हैं और इसी कारण पेड़ो को बहुत तेजी से काटा जा रहा है। कई जगहों पर बड़े-बड़े कल कारखाने बनाने के लिए लोग बड़े-बड़े जंगलों को साफ कर रहे हैं जो की आने वाले समय में कई प्रकार के प्राकृतिक आपदाओं का कारण बन सकता है। शहरी इलाकों में पेड़ो की कमी के कारण गाड़ियों से निकलने वाला प्रदूषित वायु आसमान में ही मंडराता रहता है।

– संजय गोस्वामी

एमएसपी घोषणा से दलहन-तिलहन में बढ़ेगी आत्मनिर्भरता

केन्द्र सरकार की खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की घोषणा से दलहन और तिलहन के उत्पादन में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में बढ़ता कदम माना जाना चाहिए। देश में तिलहन और दलहन का उत्पादन पिछले सालों में लगातार बढ़ता जा रहा है पर अभी भी देश दलहन और तिलहन के क्षेत्र में घरेलू जरूरत पूरी होने जितना उत्पादन हो नहीं पा रहा है। हालांकि अब धीरे-धीरे दलहन तिलहन का उत्पादन बढ़ने लगा है और केन्द्र सरकार 2027 तक दलहन के क्षेत्र में देश की विदेशी निर्यात पर पूरी निर्भरता कम होने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है। केन्द्र सरकार की आगामी खरीफ के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्यों की घोषणा से यह साफ हो जाता है कि सरकार दलहन और तिलहन के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सही व योजनावद्ध तरीके से कदम बढ़ा रही है।

सरकार का लक्ष्य है कि 2027 तक दलहन के क्षेत्र में इस हद तक आत्मनिर्भर हो जाए कि विदेशों से एक दाना भी दाल का आयात नहीं करना पड़े। एक मोटे अनुमान के अनुसार दुनिया भर में कुल उत्पादित दालों अर्थात दलहनी फसलों में भारत की भागीदारी 25 प्रतिशत के लगभग है। 2027 तक यह लक्ष्य अर्जित करने के लिए हमें 28 फीसदी का आंकड़ा छूना होगा। देश के कृषि वैज्ञानिकों और किसानों के संयुक्त प्रयास से देश में कृषि उत्पादन में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। सरकार द्वारा भी इस दिशा में लगातार प्रयास जारी है और जिस तरह के परिणाम सामने आ रहे हैं वे निश्चित रूप से सकारात्मक और उत्साहवर्द्धक है।

न्यूनतम समर्थन मूल्यों में लगातार बढ़ोतरी और तिलहनी-दलहनी फसलों की खरीद के आश्वासन से किसानों का दलहन-तिलहन के प्रति रुझान बढ़ा है। केन्द्र सरकार ने खरीफ फसल की धान एवं ज्वार की दो किस्मों सहित 16 फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा कर एक बार फिर किसानों को बड़ी राहत दी है। केन्द्र सरकार द्वारा घोषित समर्थन मूल्य के अनुसार सर्वाधिक बढ़ोतरी नाइजरसीड यानी कि राम तिल पर की गई है तो दालों में अरहर/तुअर की दाल के एमएसपी में भी 550 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। वैसे सरकार द्वारा खरीफ की सभी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में उल्लेखनीय और किसानों को प्रोत्साहित करने वाली बढ़ोतरी की है।

न्यूनतम समर्थन मूल्यों की घोषणा के पीछे उद्देश्य यह रहा है कि किसानों को कम से कम उनकी लागत का पूरा मूल्य मिल सके। देश में पहली बार 1966-67 में केवल गेहूं की सरकारी खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की गई थी। एक अगस्त, 1964 में तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने एलके झा की अध्यक्षता में इसके लिए कमेटी घटित की थी। इसके बाद सरकारों ने अन्य प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित करने की और कदम बढ़ाए। केन्द्र सरकार द्वारा सीएसीपी यानी कि कृषि मूल्य एवं लागत आयोग की सिफारिश पर कृषि जिंसों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की जाने लगी। आज देश में 23 फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की जाती है। इसमें 7 गेहूं, धान आदि अनाज फसलें, 5 दलहनी फसलें, 7 तिलहनी फसलों 4 नकदी फसलों के समर्थन मूल्य की घोषणा की जाती है।

नकदी फसलों में गन्ना के सरकारी खरीद मूल्य की सिफारिश गन्ना आयोग द्वारा की जाती है तो गन्ने की खरीद भी सीधे गन्ना मिलों द्वारा की जाती है। इसी तरह से कपास की खरीद सीसीआई यानी कि कॉटन कारपोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा की जाती है। मुख्यतौर से अनाज की खरीद भारतीय खाद्य निगम के माध्यम से और दलहन व तिलहन की खरीद नेफैड द्वारा राज्यों की सहकारी संस्थाओं और अन्य खरीद केन्द्रों के माध्यम से की जाती है। केरल सरकार ने 16 तरह की सब्जियों के बेस मूल्य तय कर सब्जी उत्पादक किसानों को बड़ी राहत देने की पहल की है तो हरियाणा सरकार भी केरल की तरह हरियाणा सरकार भी सब्जियों का बेस मूल्य तय करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। किसानों के लिए सर्वाधिक चर्चित एमएस स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने को लेकर भी प्रमुखता से जोर दिया जाता रहा है।

एमएस स्वामीनाथन आयोग ने 2004 में अपनी सिफारिश में न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करने का एक फामूर्ला सुझाया था कि उत्पादन लागत से कम से कम 50 प्रतिशत अधिक एमएसपी घोषित की जाए। हांलाकि सरकार का दावा है कि खरीफ 2024 के लिए घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य 2018-19 की बजट घोषणा के अनुरूप अखिल भारतीय औसत उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना के स्तर पर तय किया गया है। सरकारी दावों की बात की जाए तो बाजरा की उत्पादन लागत पर 77 प्रतिशत तो तूअर पर 59 प्रतिशत, मक्का पर 54 प्रतिशत, उड़द पर 52 प्रतिशत तो बाकी अन्य फसलों पर भी उत्पादन लागत पर 50 प्रतिशत मार्जिन होने का अनुमान व्यक्त किया गया है।

दरअसल देश में तिलहन और दलहन उत्पादन के लिए सरकारें गंभीर रही हैं। 1986 में सैम पित्रोदा की अध्यक्षता में टीएमओ यानी कि तिलहन प्रौद्योगिकी मिशन का गठन किया गया था। इस मिशन के माध्यम से देश में तिलहनों के उत्पादन को बढ़ाना था। राजस्थान सहित देश के प्रमुख उत्पादक राज्यों में तिलहन उत्पादन बढ़ाने के समन्वित प्रयास किए गए। राजस्थान में तो सहकारी क्षेत्र में तेल मिलें भी लगाई गई और तिलहन सोसाइटियां गठित कर उनका संघ भी बनाया गया।

तेल मिलों का संचालन भी इसी संघ को दिया गया पर कालांतर में तिलम संघ की तेल मिलें तो बंद हो गई वहीं तिलम संघ अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिए आज भी जूझ रहा है। कमोबेश यही स्थिति अन्य प्रदेशों में भी रही है। खैर यह विषयांतर हो गया पर 1990 में दलहन को भी इस तिलहन प्रौद्योगिकी मिशन के दायरे में लाया गया। इसके बाद 1992-93 और 95-96 में पाम ऑयल और मक्का को भी इस तिलहन प्रौद्योगिकी मिशन के दायरे में लाकर इनके उत्पादन को बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। 2021 से मिशन पॉम ऑयल भी सकारात्मक दिशा में बढ़ता कदम माना जा सकता है। इसके माध्यम से सरकार ने 15 राज्यों में पॉम ऑयल के उत्पादन को बढ़ावा देने के प्रयास किए।

इस मिशन के तहत 2025-26 में पूर्वोत्तर राज्यों में 3.28 लाख हैक्टेयर में और पूर्वोत्तर के इतर राज्यों में 3.22 लाख हैक्टेयर में पॉम ऑयल की खेती का रकबा पहुंचाने का लक्ष्य रख कर सरकार चल रही है। खैर दो बातें साफ हो जानी चाहिए कि देश को तिलहन और दलहन की पैदावार में बढ़ोतरी कर आत्मनिर्भर बनाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाना और समयपूर्व एमएसपी घोषित करना सही दिशा में बढ़ता प्रयास है तो दूसरी और न्यूनतम घोषित दर किसानों को मिले ही यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है। इसके लिए खरीद व्यवस्था को चाक-चौबंद और खरीद तंत्र को मजबूत बनाना होगा। **– डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा**

इस प्रदेश में देख सकते हैं भारत का सफेद रेगिस्तान

वैसे तो भारत में पर्यटन स्थलों की कमी नहीं है जिस तरफ (उत्तर, दक्षिण, पूरब पश्चिम) भी आप रुख करे आपको खूबसूरत नजारे ही देखने को मिलेंगे। आइए इस बार पश्चिम की ओर रुख करते हैं। सिन्धु घाटी की सभ्यता, स्वतंत्रता सेनानियों और तराशे गए हिरों के लिए प्रसिद्ध गुजरात भारत के पश्चिम भाग का एक महत्वपूर्ण प्रदेश है। उद्योग के लिए विख्यात गुजरात राज्य ने पिछले कुछ वर्षो से खुद को पर्यटन स्थल के रूप में भी स्थापित किया है। वास्तव में अगर देखें तो गुजरात में कुछ ऐसे अद्भुत पर्यटक स्थल है जो अपने खूबसूरत आकर्षण के लिए जानी जाती है। मंदिरों और वन्यजीव के अलावा इस प्रदेश में वास्तुकला की एक अनुपम कृति भी महसूस की जा सकती है।

ग्रेट रण ऑफ कच्छ: अगर आप गुजरात आएं और आपने ग्रेट रण ऑफ कच्छ नहीं देखा तो समझों की कुछ नहीं देखा। कच्छ को सफेद रेगिस्तान का नाम दिया गया है। लगभग 16 वर्ग किलोमीटर में फैला यह क्षेत्र अपने नमक उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है। अगर आप मानसून के समय कच्छ की ओर रुख करते हैं तो आपको और ज्यादा मजा आएगा।

द्वारका: हिंदुओं के चार धामों और सप्त पुरियों में से एक गुजरात की द्वारिकापुरी मोक्ष तीर्थ के रूप में जानी जाती है। पूर्णावतार श्रीकृष्ण के आदेश पर विश्वकर्मा ने इस नगरी का निर्माण किया था जिसके बाद भगवान श्रीकृष्ण ने मथुरा से सब यादवों को लाकर यहां बसाया था। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर पूरी दुनिया से श्रद्धालु इस तीर्थस्थल की ओर रुख करते हैं।

सोमनाथ: ऐतिहासिक लूट और पुनर्निर्माण की कहानी लिए गुजरात का सोमनाथ मंदिर हमेशा से विदेशी सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है। इस भव्य मंदिर को हम भगवान शिव के बारहवें ज्योतिर्लिंग के नाम से भी जानते हैं। यह जगह केवल मंदिर के लिए नहीं बल्कि अन्य पर्यटन केंद्रों के लिए भी विश्वविख्यात है। सोमनाथ में अन्य पर्यटन और तीर्थ स्थलों में अहिल्याबाई मंदिर, सूरज मंदिर, त्रिवेणी घाट, प्रभास पाटन संग्रहालय और जूनागढ़ गेट शामिल हैं।

गिर वन राष्ट्रीय उद्यान

गिर वन राष्ट्रीय उद्यान 'बाघ संरक्षित क्षेत्र' है, जो 'एशियाई बब्बर शेर' के लिए विश्व प्रसिद्ध है। वन्यजीवों की अनेक प्रजातियां देखने के लिए यह उद्यान आपके लिए उपयुक्त जगह साबित हो सकती है। गिर पश्चिमी भारत का सबसे बड़ा शुष्क पर्णपाती वन माना जाता है। यहां की वनस्पति में सागौन, साल और ढाक (ब्यूटिया फ्रोंडोसा) जैसे पर्णपाती वृक्षों सहित कांटेदार जंगल शामिल हैं।

भुज: हस्तशिल्प को लेकर आपके अंदर दिलचस्पी है तो आप गुजरात के भुज में कुछ समय बिता सकते हैं। यह जगह ठप्पे की छपाई का कपड़ा, बंधेज, चांदी का सामान और कढ़ाई वाले वस्त्रों के अलावा यह कच्छी हस्तशिल्प के लिए भी विख्यात है। भुज पहुंचते ही आप हस्तशिल्प के कलाकारों से तो मिल ही सकते हैं। साथ ही हस्तशिल्प प्रदर्शनी का फायदा भी उठा सकते हैं।

तटीय दीव में पर्यटकों के लिए है बहुत कुछ

यह स्थान वर्ष 1961 से पहले पुर्तगाली शासन के अधीन था तथा गोवा और दमन के साथ ही इसे स्वतंत्रता प्राप्त हुई थी। ठंडी समुद्री हवा के झोकों तथा प्रदूषण रहित वातावरण के कारण यहां आकर सैलानियों को काफी राहत महसूस होती है।

लंबे विदेशी शासन के कारण दीव के भवनों, किलों, भाषा व संस्कृति तथा जीवनशैली पर पुर्तगाली सभ्यता का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखने को मिलता है। यहां गुजराती, हिन्दी, अंग्रेजी तथा पुर्तगाली भाषाएं बोली व समझी जाती हैं। यहां के निवासियों को फूलों से बेहद लगाव है इसलिए लगभग हर मकान में फूलों के पौधे आपको अवश्य देखने को मिलेंगे।

दीव का प्रमुख आकर्षण यहां का किला है जोकि लगभग 5.7 हेक्टेयर क्षेत्र में बना हुआ है और सागर के अंदर समाया हुआ प्रतीत होता है। इस किले का निर्माण वर्ष 1535-41 के बीच में गुजरात के सुलतान बहादुरशाह व पुर्तगालियों द्वारा किया गया था। किले के बीच में पुर्तगाली योद्धा %डाम नूनो डी कुन्हा% की कांसे की मूर्ति भी बनी हुई है। यहां एक प्रकाश स्तंभ भी बना हुआ है जहां से पूरे दीव का नजारा दिखता है। प्रकाश स्तंभ से आवाज देने पर उसकी प्रतिध्वनि भी सुनाई देती है।

पानीकोट का दुर्ग पत्थर की विशाल शिलाओं से बना हुआ है। यह दुर्ग एक समुद्री जहाज के आकार का नजर आता है। इस सुंदर दुर्ग तक पहुंचने के लिए नाव अथवा मोटरबोट की सहायता लेनी पड़ती है क्योंकि यह खाड़ी के मुहाने पर तट से लगभग दो किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। दुर्ग के बीचोंबीच एक गिरजाघर व प्रकाश स्तंभ भी है।

आप सेंट पाल चर्च भी देखने जा सकते हैं। वर्ष 1610 में बनी यह चर्च धार्मिक और ऐतिहासिक, दोनों ही दृष्टि से महत्वपूर्ण है। आप दीव घूमने आए ही हैं तो नगोआ बीच जरूर जाएं। इस बीच को भारत के सुंदरतम तटों में से एक माना जाता है। इसका आकार घोड़े की नाल के समान है, जिस पर सुनहरी रेत बिखरी हुई है। इसकी लंबाई दो किलोमीटर है तथा रहने के लिए यहां तंबू लगाने की सुविधा भी है।

सनसेट प्वाइंट सागर तट की गरजती लहरों के बीच एक पहाड़ी पर स्थित है। यहां पर एक उद्यान और ओपन एअर थियेटर बनाया गया है तथा स्नान के बाद कपड़े बदलने के लिए कमरों की भी व्यवस्था है।

दीव के अन्य दर्शनीय स्थलों की बात करें तो केवड़ी में स्थित संगीत फुहारे, सेंट थामस चर्च, नवलखा पार्श्वनाथ मंदिर, सोमनाथ मंदिर, जामा मस्जिद, दीव संग्रहालय, गोमती माता सागर तट, घोघला सागर तट व मांडवी नगर आदि प्रमुख हैं। दीव में एक विचित्र आकार का ताड़ का पेड़ होता है जिसमें ऊपर एक के स्थान पर दो तने होते हैं, यह पेड़ अंग्रेजी के %वाई% आकार का दिखता है, इसको होक्का ताड़ भी कहते हैं।

दीव के हवाई अड्डे पर जेट एअर की मुंबई से प्रतिदिन की उड़ाने हैं। यदि यहां रेल मार्ग से आना चाहें तो आपको निकटतम रेलवे स्टेशन वेरावल पड़ेगा। जहां से आपको दीव तक के लिए बस सेवा उपलब्ध हो जाएगी।

ब्यूटीफुल चंडीगढ़

अपने देश में ऐसे बहुत से पर्यटन स्थल हैं जिनकी खूबसूरती की तस्वीर ताउम्र हमारे मन में अंकित हो जाती है। लेकिन कुछ ऐसे स्थल भी हैं जो हमें प्राकृतिक खूबसूरती के साथ-साथ पर्यटन का एक नया, अलग-सा, खुशगवार और न भूलने वाला अहसास दे जाते हैं। ऐसे ही स्थलों में से एक है पंजाब और हरियाणा की संयुक्त राजधानी चंडीगढ़। पूरे डिजाइन और तरतीब से बनी इस शहर की इमारतों तथा इसकी स्वच्छता को देखते हुए इस शहर को ब्यूटीफुल सिटी कहा जाता है

चंडीगढ़ के प्रमुख दर्शनीय स्थल हैं

रॉक गार्डन: कैपिटल परिसर और सुखना झील के बीच सेक्टर एक में बसा यह गार्डन चंडीगढ़ का एक बेहतरीन पर्यटन स्थल है। इसकी संरचना किसी भी व्यक्ति को अपने मोहपाश में बांध लेती है। इस गार्डन की नींव 1957 में ही नेक चंद ने रखी थी। नेक चंद चंडीगढ़ राजधानी परियोजना के इंजीनियरिंग विभाग में रोड इंस्पेक्टर थे। रॉक गार्डन अनोखा गार्डन है। इस गार्डन की खासियत यह है कि इसमें जितनी भी मूर्तियां और अन्य रचनाएं बनाई गई हैं, वे औद्योगिक और शहरी कचरे- जैसे संगमरमर के टुकड़े, चीनी मिट्टी के बर्तन, ऑटो पार्ट्स, टूटी चूड़ियां, स्लेट के टुकड़े, नाई की दुकान के बाल, शीतल पेय की बोतलें, धातु के तार, सीमेंट, कंक्रीट, वॉश बेसिन आदि कई बेकार चीजों से तैयार की गई हैं। ये नेक चंद की अनूठी रचनात्मकता के जीते-जागते उदाहरण हैं। पार्क को 1976 में जनता के लिए खोला गया था। 1983 में यह गार्डन भारतीय डाक टिकट पर भी छपा था।

चालीस एकड़ में फैले इस गार्डन की मूर्तिकला किसी अजूबे से कम नहीं है। रोजाना लगभग पांच हजार लोग इसे निहारते हैं। अलग-अलग हिस्सों में बंटे इस गार्डन में राजा का दरबार, न्यायालय, संगीत चैम्बर, नर्तक चैम्बर, देवी-देवताओं का चित्रण, दीवारों पर उकेरी गयी आकर्षक डिजाइन, मानव निर्मित झरने, एक खुला थियेटर, महल परिसर, ग्रामीण परिवेश, पक्षी, जानवरों की मूर्तियां आदि यहां के महत्व को दर्शाते हैं। इसे देखने के लिए टिकट लगता है जो बच्चों के लिए तीन रुपये और बड़ों के लिए पांच रुपये का है। एक अप्रैल से 30 सितम्बर के बीच आप इस गार्डन को सुबह नौ बजे से सायं सात बजे तक देख सकते हैं जबकि सर्दियों में यह एक अक्टूबर से 31मार्च तक नौ बजे से छह बजे तक का खुला रहता है।

रोज गार्ड न: चंडीगढ़ का एक अन्य आकर्षण है रोज गार्डन। इसे जाकिर हुसैन गार्डन भी कहा जाता है। इस गार्डन को पूर्व राष्ट्रपति जाकिर हुसैन और डॉ. एम. एस. के मार्गदर्शन में 1967 में बनवाया गया था। इस गार्डन में 1,600 विभिन्न प्रजातियों के 50,000 गुलाबों की झाड़ियों के साथ एक वनस्पति उद्यान है। इसे एशिया का सबसे बड़ा रोज गार्डन होने का भी गौरव प्राप्त है। यह गार्डन स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के सांस्कृतिक व अन्य आयोजनों का मेजबानी स्थल भी है।

सुखना झील: शिवालिक पहाड़ियों की तलहटी में स्थित यह कृत्रिम झील चंडीगढ़ का एक अभिन्न अंग है। झील का निर्माण स्विस वास्तुकार ली. कार्बुजियर और मुख्य अभियंता पी. एल. वर्मा ने 1958 में करवाया था। इस झील में पर्यटक फोटोग्राफी के साथ बोटिंग का मजा ले सकते हैं। इस खूबसूरत झील में रोजाना पर्यटकों और स्थानीय लोगों का जमावड़ा लगा रहता है। सर्दियों में यह झील साइबेरियाई बत्तख, स्टार्क और क्रेन जैसे विदेशी प्रवासी पक्षियों के लिए एक अभयारण्य का कार्य करती है। झील को भारत सरकार द्वारा संरक्षित राष्ट्रीय आर्द्रभूमि के रूप में मान्यता है। इस झील के किनारे हर वर्ष बहुत से उत्सव और समारोह आयोजित किये जाते हैं।

राजकीय संग्रहालय और आर्ट गैलरी : सेक्टर- 10 स्थित संग्रहालय और आर्ट गैलरी 1968 में निर्मित की गई थी। इस गैलरी को निहारना एक सुखद अनुभूति प्रदान करता है। यह गांधार पत्थर की मूर्तियों के साथ लघु चित्र, सजावटी कला, सिक्के तथा प्रागैतिहासिक जीवाश्मों को निहारने का एक आदर्श स्थल है।

खुले हाथ स्मारक: खुले हाथ स्मारक प्रसिद्ध वास्तुकार ली. काबरुजियर की रचना है। भारत के महत्वपूर्ण स्मारकों में से एक यह स्मारक सेक्टर एक में स्थित है। इस स्मारक में लगभग 14 फुट ऊंचा और 50 टन वजन का एक विशाल हाथ बनाया गया है जो हवा की दिशा का संकेत देता है। इसके अलावा, चंडीगढ़ गोल्फ क्लब, शंकर इंटरनेशनल डॉल म्यूजियम तथा चंडीगढ़ से लगभग 17 किलोमीटर दूर जिरकपुर में छतबीर चिड़ियाघर अन्य प्रमुख दर्शनीय स्थल हैं। छतबीर चिड़ियाघर का मुख्य आकर्षण लायन सफारी है।

कब करें यात्रा : चंडीगढ़ के लिए आप पूरे साल और किसी भी मौसम में आकर यहां का आनंद ले सकते हैं।

कैसे पहुंचें : चंडीगढ़ हर हिस्से से सड़क मार्ग से जुड़ा है। अत: यहां किसी भी वाहन द्वारा आसानी से पहुंचा जा सकता है। चंडीगढ़ में ही रेलवे स्टेशन और हवाई अड्डा है, जिनके चलते पर्यटकों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता। दिल्ली से चंडीगढ़ की दूरी लगभग 250 किमी है।

पुणे में मिला जीका वायरस, डॉक्टर और उनकी बेटी पॉजिटिव निकले

-स्वास्थ्य विभाग में मचा हड़कंप, दोनों का अस्पताल में चल रहा इलाज

पुणे। अभी कोरोना महामारी का ख्याल दिमाग से निकला भी नहीं है कि एक और वायरस ने लोगों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। महाराष्ट्र के पुणे शहर में एक डॉक्टर और उनकी बेटी जीका वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। यह मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। वहीं विभागीय अधिकारियों का कहना है कि डॉक्टर और उनकी बेटी की हालत स्थिर है। बताया जा रहा है डॉक्टर को बुखार आया था और शरीर पर चकत्ते नजर आए। इसके बाद उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया उनके ब्लड सैंपल जांच के लिए भेजे गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुणे नगर निगम के एक स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि 21 जून को जब डॉक्टर की ब्लड रिपोर्ट आई तो पता चला कि वे जीका वायरस से संक्रमित हैं। डॉक्टर एरंडवाने इलाके में रहते हैं। उनके पॉजिटिव आने के बाद परिवार के पांच अन्य सदस्यों के ब्लड सैंपल जांच के लिए भेजे गए, जिसमें उनकी 15 साल की बेटी जीका वायरस से संक्रमित पाई गई। दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है और स्वास्थ्य विभाग इन पर पूरी नजर रखे हुए हैं। बता दें जीका वायरस का पहला मामला साल 1947 में युगांडा में सामने आया था। उस समय बंदरों में जीका की पुष्टि हुई थी। इंसानों में जीका का पहला मामला साल 1952 में सामने आया। जीका वायरस का प्रकोप बड़े पैमाने पर 2007 में याप आइलैंड में देखने को मिला था। इसके बाद 2013-2014 में फ्रांस के पोलिनिसिया में जीका ने तबाही मचाई। इसके अगले साल ब्राजील में और अक्टूबर 2015 से जनवरी 2016 के बीच ब्राजील में करीब चार हजार बच्चे जीका वायरस के साथ पैदा हुए थे।

लव मैरिज से नाराज भाईयों ने बहन और जीजा को मारी गोली

हिसार। हिसार में लव मैरिज करने वाले युगल प्रेमी की पार्क में बुलाकर हत्या कर दी गई। इस मामले में मृतक लड़की के भाई और उसके मामा के लड़के को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों ने मिलकर अपनी बहन और उसके पति की हांसी के लाला हुकूम चंद जैन पार्क में गोली मारकर हत्या कर दी। हांसी के एसपी मकसूद अहमद ने बताया कि दो महीने पहले अप्रैल में मीना (24) और तेजवीर (27) ने गाजियाबाद के आर्य समाज मंदिर में लव मैरिज की थी। मीना का परिवार इस शादी के खिलाफ था और गुस्से में था। बहन के इस तरह शादी करने से खफा लड़की के भाई ने अपनी बहन और जीजा को फोनकर लाला हुकूम चंद जैन पार्क में बुलाया और गोली मारकर दो प्यार करने वालों को हमेशा के लिए मौत की नींद सुला दिया। पुलिस ने सुल्तानपुर गांव के रहने वाले मीना के छोटे भाई सचिन (21) और उसके मामा के बेटे राहुल (22) को गिरफ्तार किया है। इन दोनों ने ही नवविवाहित जोड़े की गोली मारकर हत्या कर दी थी। मृतक तेजवीर के पिता की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया था। तेजवीर के पिता ने 11 लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने जांच के दौरान पाया कि हत्या की साजिश मृतक लड़की के भाई ने ही रची थी। एसपी ने बताया कि अगर इनके अलावा और कोई सदस्य हत्या में शामिल पाया जाता है तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली में इस सप्ताह होगी झमाझम बारिश, लोगों को मिलेगी राहत

नई दिल्ली। दिल्ली में प्री-मॉनसून ने दस्तक दे दी हैं लेकिन अभी भी दिल्ली के लोग उमस से परेशान है। वहीं, आईएमडी ने इस सप्ताह के आखिर में दिल्ली में तेज बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली में आज 26 जून से 2 जुलाई तक गरज-चमक के साथ हल्की बारिश होने के आसार हैं। दिल्ली में 30 जून के आसपास मानसून आ जाएगा, जिससे दिल्ली में तेज बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में इन दिनों बादलों की आवाजाही से उमस भरी गर्मी से लोग परेशान है। हवा भी नहीं चल रही है। मौसम विभाग का कहना है कि जब तक दिल्ली में मानसून नहीं आएगा तब तक मौसम ऐसा ही रहेगा। मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली में 28 से 30 जून के बीच गरज-चमक के साथ तेज बारिश की संभावना है। वहीं, पूरे हफ्ते दिल्ली का अधिकतम तापमान 34 से 38 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है और न्यूनतम तापमान 27 से 30 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहने की संभावना है।

राहुल गांधी को मानहानि केस में दो जुलाई को कोर्ट ने किया तलब

-कर्नाटक विस चुनाव के दौरान अमित शाह पर दिया था आपत्तिजनक बयान

सुल्तानपुर। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और 18वीं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सुल्तानपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने दो जुलाई को तलब किया है। एक मानहानि मामले में राहुल 20 फरवरी से जमानत पर हैं। इस दौरान राहुल गांधी को कोर्ट में अपना बयान दर्ज कराना है। दरअसल, साढ़े पांच साल वर्ष पहले कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान एक पत्रकारवार्ता में राहुल गांधी ने तत्कालीन बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और वर्तमान गृह मंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक बयान दिया था। इससे आहत होकर सुल्तानपुर के भाजपा नेता विजय मिश्र ने राहुल गांधी के खिलाफ याचिका दाखिल की थी, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर ली थी। इस मामले में राहुल गांधी बीते फरवरी माह में सुल्तानपुर के दीवानी अदालत पहुंचे थे और अपनी जमानत करवा ली थी। इस मामले में सुल्तानपुर के रहने वाले राम प्रताप पुत्र राम नेवाज़ ने अपने को पक्षकार बनाए जाने के लिए प्रार्थना पत्र दिया था जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने राम प्रताप की याचिका खारिज कर दी। अब इस मामले में दो जुलाई को सुनवाई होगी और राहुल गांधी को बयान दर्ज करने व्यक्तिगत रूप से स्वयं कोर्ट में पेश होना है। सुल्तानपुर में मानहानि के मामले में राहुल गांधी दो जुलाई को एमपी एमएलए कोर्ट ने किया तलब किया गया है।

युवाओं को नशे का आदी बनाने वाले पब और रेस्त्रां पर चला बुलडोजर

-इन प्रतिष्ठानों में नशा परोसाने की मिल रहीं थीं शिकायतें

पुणे। महाराष्ट्र का पुणे शहर कई दिनों से सुर्खियों में है। पहले एक बार नाबालिग को शराब परोसने का मामला सामने आया। वहीं अब बार के अंदर ड्रग्स इस्तेमाल किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इतना ही नहीं, पुणे नगर निगम ने भी इस बार के खिलाफ कार्रवाई की है। दरअसल, महाराष्ट्र सरकार ने शहर में नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई करने का आदेश दिया था। नगर निगम ने ड्रग्स इस्तेमाल से जुड़े बार को बुलडोजर से जमींदोज कर दिया है, जबकि पुलिस ने इसके मालिकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुणे नगर निगम के मुताबिक शहर में पब, रेस्तरां और रेस्त्रां समेत 20 से ज्यादा प्रतिष्ठानों के खिलाफ मानदंडों का उल्लंघन करने के लिए चलाए अभियान में फर्ग्यूसन कॉलेज रोड पर लिक्विड लीजर लाउंज बार के अंदर 125 वर्ग मीटर के अनधिकृत ढांचे को गिरा दिया है। यह कार्रवाई तब की गई जब एल 3 के अंदर मानदंडों का उल्लंघन करते हुए कुछ बदलाव किए गए थे।

पंजाब में 10 हजार पुलिसकर्मियों का ट्रांसफर...भाजपा का आरोप क्या इन्होंने चुनाव में मदद नहीं की

चंडीगढ़। पंजाब में हाल ही में 10 हजार पुलिस बलों का ट्रांसफर किया गया था। इस लेकर अब विपक्षी दलों ने सवाल खड़े किए हैं। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने मुख्यमंत्री भगवंत मान से मांग की है कि ये साफ करें कि क्या 10,000 पंजाब पुलिसकर्मियों का तबादला ड्रग माफिया से संबंधों के कारण किया गया है या हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों में विपक्षी दलों की मदद करने की वजह से हुआ है। पुलिस कर्मियों के ट्रांसफर मामले में मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग कर भाजपा नेता चुघ ने कहा कि इस गंभीर मामले में पंजाब को गुमराह करना मुख्यमंत्री की ओर से अत्यधिक गैर-जिम्मेदाराना है। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव ने दावा किया कि डीजीपी ने भी सीएम मान के रुख का खंडन कर कहा कि ट्रांसफर नियमित तरीके से किए गए थे और उनका ड्रग माफिया से कोई लेना-देना नहीं था।

मैं हर मोर्चे पर कांग्रेस के साथ : ममता

-राहुल गांधी ने फोन पर ऐसा क्या कहा कि ममता दीदी हो गईं खुश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, अब एक परिपक्व नेता और कुशल समन्वयक के तौर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा करके मतदाता को पार्टी से जोड़ने में कामयाबी हासिल की, तो एक कुशल रणनीतिकार होने का प्रमाण भी दिया। इसके अलावा दलों और नेताओं को एकजुट करने में भी राहुल गांधी सफल हो रहे हैं। इसकी बानगी आज बुधवार को हुए लोकसभा के स्पीकर चुनाव में देखने को मिली। टीएमसी प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कांग्रेस से खफा थीं। उन्होंने अपनी नाराजगी भी जाहिर कर दी थी। पार्टी के दूसरे नेताओं का मानना था कि दीदी को मना पाना इतना आसान नहीं है। कोई उनसे बात करने को भी तैयार नहीं था, उन्हें लग रहा था कि दीदी नहीं मानीं तो पूरे किए कराए पर पानी फिर जाएगा। इसके बाद खुद राहुल गांधी ने मोर्चा संभाला और सीएम ममता बनर्जी से फोन पर आधा घंटे बात की। बताया गया कि दीदी राहुल गांधी की हर एक बात से सहमत हो गईं। उन्होंने भरोसा दिलाते हुए कहा कि टीएमसी हर एक मोर्चे पर कांग्रेस के साथ खड़ी है।

18वीं लोकसभा के पहले संसद सत्र में ही विपक्षी गठबंधन में तकरार दिखने लगी थी। स्पीकर पद के लिए इंडिया अलांयस ने के. सुरेश को मैदान में उतारकर मोदी सरकार को चुनौती दी थी। कांग्रेस की अगुवाई वाला इंडिया अलायंस एनडीए को मात देने की पूरी कोशिश में था। इंडिया अलायंस के कैंडिडेट के सुरेश को विपक्षी सांसदों का साथ मिले, इसके लिए कांग्रेस कोई कसर नहीं छोड़ी। यही वजह है कि जैसे ही कांग्रेस को ममता की नाराजगी की खबर लगी, तुरंत राहुल गांधी ने मोर्चा संभाल लिया। राहुल गांधी ने आनन-फानन में ममता बनर्जी को फोन घुमाया और करीब 30 मिनट तक बातचीत करके उन्हें मना लिया। दरअसल, मंगलवार को कांग्रेस ने के. सुरेश को स्पीकर पद के लिए अपना उम्मीदवार बनाया था। आनन-फानन में इंडिया अलायंस का उम्मीदवार बनाए जाने के बाद ममता बनर्जी की टीएमसी कांग्रेस से खफा हो गई। टीएमसी ने आरोप लगाया कि विपक्ष के स्पीकर कैंडिडेट को लेकर उससे राय नहीं ली गई। यही वजह है कि टीएमसी ने समर्थन पत्र पर साइन नहीं किया था। टीएमसी ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस ने अपनी मर्जी से के. सुरेश को मैदान में उतारने का फैसला कर लिया।

राहुल गांधी ने तुरंत ममता बनर्जी को फोन किया। राहुल गांधी और ममता बनर्जी के बीच करीब आधे घंटे तक फोन पर बातचीत हुई। इस बातचीत के दौरान स्पीकर के चुनाव को लेकर भी बातचीत हुई। सूत्रों ने बताया कि राहुल गांधी ने के. सुरेश के नामांकन के बारे में पहले न बताने के लिए टीएमसी से माफी मांगी। इसके बाद ममता बनर्जी मान गईं और इंडिया ब्लॉक की बैठक में टीएमसी के 2 सीनियर नेताओं को भेजने का फैसला किया। इससे पहले राहुल गांधी ने लोकसभा में अभिषेक बनर्जी से भी चर्चा की थी। इसके बाद ममता ने फैसला लिया है कि टीएमसी इंडिया अलायंस के कैंडिडेट के सुरेश का समर्थन करेगी।

सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी के फोन के बाद ही ममता बनर्जी ने मल्लिकार्जुन खरगे के घर पर हुई इंडिया गठबंधन की बैठक में टीएमसी नेताओं को भेजा। हालांकि, टीएमसी ने कांग्रेस से साफ कहा कि वो बेहतर समन्वय और संवाद की अपेक्षा करती है। टीएमसी इस बात से नाराज है कि लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार के तौर पर के सुरेश के नामांकन से पहले कांग्रेस ने उससे बात नहीं की। अभिषेक बनर्जी ने खुलकर कांग्रेस के फैसले को एकतरफा बता दिया था। इसके बाद राहुल ने डैमेज कंट्रोल करने की कोशिश की। टीएमसी सूत्रों का मानना है कि ममता बनर्जी संसदीय परंपराओं में विश्वास करती हैं।

नेता प्रतिपक्ष बनाते ही बदले-बदले दिखे राहुल...कुर्ता और पायजामा में नजर आए

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी लोकसभा में बड़ी और अहम भूमिका निभाने वाले हैं, लिहाजा राहुल गांधी का लुक भी बदल गया है। ज्यादातर टीशर्ट में नजर आने वाले राहुल बुधवार को संसद में पहुंचे तब उनका लुक देखने वाला था। यहां राहुल कुर्ता और पायजामा पहने नजर आए। उनके लुक की काफी चर्चा भी हो रही है, क्योंकि मंगलवार को बतौर सांसद शपथ ग्रहण के वक्त भी राहुल टी-शर्ट पहने नजर आए थे। राहुल गांधी को विपक्ष की ओर ये यह बड़ी जिम्मेदारी दिए जाने के बाद वह संसद में पूरी गंभीरता के साथ नजर आए। वे सफेद कुर्ता पायजामा पहने विपक्ष की ओर से अग्रिम पंक्ति में बैठे नजर आए। बता दें कि नेता प्रतिपक्ष का पद काफी महत्वपूर्ण व कैबिनेट मंत्री के स्तर का होता है। संवैधानिक पदों पर होने वाली नियुक्तियों और संसदीय समितियों में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका होती है। बिरला के दोबारा लोकसभा स्पीकर चुनने के बाद जब वे अपने आसन तक गए, तब उनके पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बतौर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी साथ थे।

नागालैंड में पहली बार निकाय चुनावों में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण, मतदान हुआ पूरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एस.ई.सी. के एक अधिकारी ने बताया कि नागालैंड में बुधवार सुबह कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 25 नगर निकायों के लिए मतदान हुआ पूर्वोत्तर राज्य में यह ऐतिहासिक चुनाव था क्योंकि 20 वर्षों के अंतराल के बाद तीन नगर पालिकाओं और 22 नगर परिषदों के लिए मतदान हुआ। नागालैंड राज्य चुनाव आयोग के अधिकारी ने बताया कि शहरी स्थानीय निकाय चुनाव पहली बार 33 प्रतिशत महिला आरक्षण के साथ हो रहे हैं।

सरकार ने पहले भी कई बार शहरी स्थानीय निकायों के चुनावों की घोषणा की थी, लेकिन आदिवासी निकायों और नागरिक समाज संगठनों द्वारा महिलाओं के लिए आरक्षण और भूमि एवं संपत्तियों पर कर के खिलाफ आपत्तियों के कारण चुनाव स्थगित कर दिए गए थे। मतदान सुबह 7.30 बजे शुरू हुआ और शाम 4 बजे तक चला

एस.ई.सी. अधिकारियों ने बताया, 'मतदान अब तक शांतिपूर्ण रहा है। चुनाव के लिए सुरक्षा बढ़ा दी गई है।÷ 1,13,521 महिलाओं सहित 2.23 लाख से अधिक मतदाता 11 राजनीतिक दलों के 523 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करने के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग करने के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि ईवीएम के बजाय 420 मतदान केंद्रों पर मतपत्रों के माध्यम से मतदान कराया जा रहा है।

पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन (ईएनपीओ) ने फैसला किया है कि क्षेत्र के छह जिले चुनाव में भाग नहीं लेंगे। ईएनपीओ, छह पूर्वी जिलों में रहने वाली सात नागा जनजातियों का शीर्ष निकाय है, जो 'सीमांत नागालैंड क्षेत्र' की मांग कर रहा है, उनका दावा है कि इस क्षेत्र को वर्षों से उपेक्षित किया गया है। ईएनपीओ क्षेत्र में 14 नगर परिषद हैं। क्षेत्र से 59 नामांकन स्वीकार किए गए थे, लेकिन आदिवासी निकायों ने उम्मीदवारों को अपने नामांकन वापस लेने के लिए मजबूर किया। ईएनपीओ ने राज्य की एकमात्र सीट के लिए 19 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव में भी भाग नहीं लिया।

विधानसभा में सर्वसम्मति से पास हुआ देश में जाति जनगणना कराने का प्रस्ताव, बीजेपी ने भी दिया साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा ने बुधवार को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार से जल्द ही जाति आधारित जनगणना कराने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव में इस बात पर जोर दिया गया कि केंद्र सरकार को इस बार जाति आधारित जनसंख्या जनगणना को शामिल करते हुए 2021 से अतिदेय जनगणना कार्य तुरंत शुरू करना चाहिए। प्रस्ताव में कहा गया है कि यह सदन मानता है कि भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए शिक्षा, अर्थव्यवस्था और रोजगार में समान अधिकार और समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए नीतियां बनाने के लिए जाति आधारित जनसंख्या जनगणना आवश्यक है।

भाजपा सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के विधायकों ने प्रस्ताव का समर्थन किया, जिसे सदन ने स्वीकार कर लिया। यह प्रमुख विपक्षी अन्नाद्रमुक सदस्यों की अनुपस्थिति में हुआ, जिन्हें कार्यवाही में बाधा डालने के लिए विधानसभा से निलंबित कर दिया गया था। अध्यक्ष एम अप्पावु ने कहा कि प्रस्ताव सर्वसम्मति से अपनाया गया।

प्रस्ताव पेश करते हुए स्टालिन ने कहा कि जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 3 के अनुसार, जनसंख्या जनगणना करने का अधिकार केवल केंद्र सरकार के पास है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यद्यपि सांख्यिकी संग्रह अधिनियम, 2008, राज्य सरकारों को जनसंख्या की सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर डेटा इकट्ठा करने की अनुमति देता है, अधिनियम की धारा 3, भाग ए राज्य सरकारों को सातवें के तहत सूचीबद्ध समुदायों पर डेटा एकत्र करने से प्रतिबंधित करता है। सांख्यिकी संग्रह अधिनियम के तहत जनगणना डेटा एकत्र करना संभव नहीं है। केंद्र सरकार द्वारा जनसंख्या जनगणना कराना ही एकमात्र विकल्प है। इसलिए हम इस बात पर जोर देते हैं कि जाति जनगणना केंद्र द्वारा कराई जानी चाहिए।

सेक्स टेप मामले में प्रज्वल रेवन्ना की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरू की एक अदालत ने मंगलवार को सेक्स टेप मामले में पूर्व जेडी(एस) सांसद प्रज्वल रेवन्ना की जमानत याचिका खारिज कर दी। जन प्रतिनिधियों के लिए विशेष अदालत ने कहा कि मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (बलात्कार के आरोप) जोड़ी गई है और अपराध की गंभीरता को देखते हुए जमानत नहीं दी जानी चाहिए।

33 वर्षीय पूर्व सांसद को कई महिलाओं के साथ बलात्कार और यौन शोषण के आरोप में कर्नाटक पुलिस की एक टीम ने 31 मई को जर्मनी से बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

मंगलवार को यौन उत्पीड़न, पीछा करने और आपराधिक धमकी के संबंध में रेवन्ना के खिलाफ चौथा मामला दर्ज किया गया। यह मामला तब दर्ज किया गया जब रेवन्ना पर एक वीडियो कॉल रिकॉर्ड करने और उसे दूसरों के साथ साझा करने का आरोप लगाया गया।

उल्लेखनीय है कि हसन के पूर्व सांसद पर यौन उत्पीड़न के तीन मामलों में मामला दर्ज किया गया था, जब 26 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले हसन में रेवन्ना से जुड़े कथित तौर पर अश्लील वीडियो वाले पेन ड्राइव कथित तौर पर प्रसारित किए गए थे। उनके खिलाफ बलात्कार का भी आरोप है।

उनके खिलाफ दर्ज मामलों के बाद जेडी(एस) ने उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया।प्रज्वल रेवन्ना के

पिता एचडी रेवन्ना को भी पिछले महीने यौन उत्पीड़न और अपहरण के मामलों में गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के कुछ दिनों बाद उन्हें जमानत दे दी गई थी।

पति केजरीवाल की सीबीआई गिरफ्तारी पर बोलीं सुनीता, कानून नहीं तानाशाही है, ये इमरजेंसी है

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता ने बुधवार को आरोप लगाया कि पूरी व्यवस्था यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि उनके पति जेल से बाहर न आएं और इस बात पर जोर दिया कि यह सब 'तानाशाही' और 'आपातकाल' के समान है। आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि जब केजरीवाल को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने की संभावना थी, तो भाजपा घबरा गई और उन्हें 'फर्जी मामले' में सीबीआई द्वारा गिरफ्तार करवा दिया गया।

सुनीता केजरीवाल ने एक्स पर लिखा कि 20 जून अरविंद केजरीवाल को बेल मिली। तुरंत ईडीने स्टे लगवा लिया। अगले ही दिन सीबीआई ने आरोपी बना दिया। और आज गिरफ्तार कर लिया। पूरा तंत्र इस कोशिश में है कि बंदा जेल से बाहर ना आ जाये। ये कानून नहीं है। ये तानाशाही है, इमरजेंसी है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बुधवार को कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले में केजरीवाल को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया और भ्रष्टाचार मामले में आप के राष्ट्रीय संयोजक की पांच दिन की हिरासत मांगी।

ईडी द्वारा जांच की जा रही उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में केजरीवाल 1 अप्रैल से जेल में हैं। 10 मई को सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए 21 दिन की अंतरिम जमानत दे दी थी. वह 2 जून को जेल लौट आए। उपराज्यपाल वीके सक्सेना द्वारा इसके निर्माण और कार्यान्वयन में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच की सिफारिश के बाद जुलाई 2022 में केजरीवाल सरकार द्वारा दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति 2021-22 को वापस ले लिया गया था।

मथुरा-काशी की लड़ाई लड़ने वाले वकील ने राष्ट्रपति को लिखा पत्र, ओवैसी को लोकसभा से अयोग्य घोषित करने की मांग की

मुंबई (एजेंसी)। सांसद के रूप में शपथ लेने के बाद एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी द्वारा लोकसभा में 'जय फिलिस्तीन' का नारा लगाने के एक दिन बाद, उन्हें लोकसभा से अयोग्य घोषित करने की मांग बढ़ने से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अधिवक्ता हरि शंकर जैन ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 102 और 103 का हवाला देते हुए असदुद्दीन ओवैसी को अयोग्य ठहराने की मांग करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू के समक्ष शिकायत दर्ज की है।

वकील हरि शंकर जैन ने कहा कि इससे साबित होता है कि उनका फिलिस्तीन से संबंध है और वे फिलिस्तीन से प्रभावित और दबाव में हैं...एक नागरिक के तौर पर मुझे इस

तरह की चीज़ को खत्म करना होगा।' राष्ट्रपति को लिखे पत्र में, हरि शंकर ने कहा, 'असदुद्दीन ओवैसी ने जो नारा लगाया है वह देश की सुरक्षा, संप्रभुता और अखंडता के लिए खतरा है. यह एक अत्यंत गंभीर और महत्वपूर्ण मुद्दा है जिस पर भारत के संविधान के अनुच्छेद 103 के साथ पठित अनुच्छेद 102 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तत्काल ध्यान देने और उचित कार्रवाई की आवश्यकता है।'

हरि शंकर जैन ने बुधवार को बताया, 'अगर कोई व्यक्ति भारत के बजाय किसी अन्य देश के प्रति समर्पित है, तो उसे किसी भी संवैधानिक पद पर रहने का अधिकार नहीं है।' हैदराबाद के सांसद ने मंगलवार को उर्दू में शपथ ली। शपथ लेने के बाद, ओवैसी ने संविधान निर्माता, बीआर अंबेडकर, उनके राज्य तेलंगाना की सराहना करना जारी रखा और 'जय फिलिस्तीन' का नारा लगाया, जिससे सत्ता पक्ष में हंगामा शुरू हो गया। बीजेपी सांसदों की आपत्ति के बाद, औवैसी ने अपने कृत्य का बचाव करते हुए सदन के बाहर मीडिया से कहा कि 'जय भीम, जय मीम, जय तेलंगाना, जय फिलिस्तीन' कहने में कुछ भी गलत नहीं है।

भारत में गहराता जल संकट .... पैदा कर सकता है सामाजिक अशांति

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में पानी की बढ़ती कमी कृषि तथा उद्योग क्षेत्र को प्रभावित कर सकती है जो देश के लिए हानिकारक है, क्योंकि खाद्य मुद्रास्फीति में वृद्धि और आय में गिरावट से सामाजिक अशांति पैदा हो सकती है। रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कहा कि जल आपूर्ति में कमी से कृषि उत्पादन तथा औद्योगिक कार्य प्रभावित हो सकते हैं, इसके परिणामस्वरूप खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ सकती हैं. यह उन क्षेत्रों की ऋण क्षमता के लिए हानिकारक हो सकता है, जो भारी मात्रा में जल का उपभोग करते हैं, जैसे कोयला बिजली उत्पादक और इस्पात निर्माता आदि।

रिपोर्ट में कहा गया कि भारत की तेज आर्थिक वृद्धि, साथ ही तीव्र औद्योगिकीकरण और शहरीकरण के कारण दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश में पानी की उपलब्धता कम होगी। इसके अलावा, जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव तेजी से बढ़ने के कारण जल संकट और भी बदतर हो रहा है, जिसके चलते सूखा, लू तथा बाढ़ जैसी जलवायु संबंधी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। मूडीज ने रिपोर्ट में कहा कि भारत में पानी की कमी बढ़ती जा रही है, क्योंकि तेज आर्थिक वृद्धि तथा जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के कारण लगातार बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं के बीच पानी की खपत बढ़ रही है।

यह रिपोर्ट उस समय आई है जब दिल्ली के कुछ हिस्सों में जल संकट एक राजनीतिक मुद्दा बन गया है। जल संसाधन मंत्रालय के आंकड़ों का हवाला देकर मूडीज ने कहा कि भारत की प्रति व्यक्ति औसत वार्षिक जल उपलब्धता 2031 तक घटकर 1,367 क्यूबिक मीटर रह जाने की संभावना है। यह 2021 में पहले से ही कम 1,486 क्यूबिक मीटर है। मंत्रालय के अनुसार, 1,700 क्यूबिक मीटर से कम का स्तर जल संकट को दर्शाता है। पिछले एक दशक में बहुपक्षीय ऋणदाता ने ग्रामीण समुदायों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के भारत सरकार के प्रयासों का समर्थन किया है। 1.2 अरब अमरीकी डॉलर के कुल वित्तपोषण वाली कई परियोजनाओं से दो करोड़ से अधिक लोगों को लाभ हुआ है।

जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट में देरी, कंपनी पर लग सकता है करोड़ों का जुर्माना

बगैर नक्शा पास किए कार्गो और होटल प्रोजेक्ट पर काम शुरू, मुख्य सचिव करेंगे समीक्षा

ग्रेटर नोएडा, ।

यूपी के नोएडा में जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट का काम समय पर पूरा होता नहीं दिख रहा है। ऐसे में अब कंपनी पर कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नायल) की ओर से एयरपोर्ट को चालू करने में सात माह की देरी की सूचना ने साफ कर दिया गया है कि एयरपोर्ट की देरी पर 90 दिन की देरी का ग्रेस पीरियड ही मिलेगा। इस ग्रेस पीरियड को बढ़ाने पर नायल कोई विचार नहीं करेगी। इसके ऊपर जितने भी दिन लगेंगे, हर रोज 10 लाख की पेनल्टी लगेगी। इस तरह एक माह की देरी होने पर करीब तीन करोड़ की पेनल्टी लगेगी। एयरपोर्ट प्रोजेक्ट पूरा होने में सात माह की देरी है।

इसमें तीन माह ग्रेस पीरियड हैं। चार माह की देरी पर 12 करोड़ का जुर्माना लगेगा। यमुना अथॉरिटी से लेकर प्रदेश सरकार तक यह मामला गरमा गया है। इसके चलते नायल (नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड) के सीईओ अरुणवीर सिंह ने एयरपोर्ट का निर्माण कर रही कंपनी के अधिकारियों के साथ इस मामले की समीक्षा की थी। इसमें तीन माह से ज्यादा देरी होने पर ग्रेस पीरियड का लाभ न देने के बारे में कहा गया था।

समीक्षा में ही यह भी सामने आया कि बगैर नक्शा पास किए एयरपोर्ट की साइट पर कार्गो और होटल प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिया गया है। कंपनी ने जानकारी दी कि इसके लिए नायल में नक्शे का आवेदन किया जा चुका है, लेकिन मंजूर नहीं मिली है। कंपनी ने नक्शा पास होने की मंजूरी का इंतजार किए बिना ही काम चालू कर दिया था। लिहाजा ये काम बंद कराया गया। 28 जून को प्रदेश के मुख्य सचिव एयरपोर्ट की साइट पर एयरपोर्ट की वर्क प्रॉग्रेस रिपोर्ट की समीक्षा करने जा रहे हैं। इस दौरान एयरपोर्ट के निर्माण में देरी के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा होगी। इसमें देरी होने के और भी महत्वपूर्ण कारण सामने आ सकते हैं।

देश के जाने माने येस बैंक ने सैकड़ों कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

-कर्मचारियों की संख्या कम कर लागत में कटौती करना चाहता है बैंक

नई दिल्ली।

भारत के टॉप 10 निजी बैंकों में से एक येस बैंक ने सैकड़ों कर्मचारियों की छंटनी कर दी है। बैंक अपने बिजनेस को रीस्ट्रक्चर कर रहा है, जिसके चलते कई कर्मचारियों की नौकरी चली गई है। येस बैंक में छंटनी की वजह शेयर बाजार को बताया था और कहा कि वह डेट सिक्योरिटी के जरिये फंड जुटाने का ऐलान किया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक येस बैंक ने रीस्ट्रक्चरिंग एक्सरसाइज के साथ कम से कम 500 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि आने वाले समय में और भी छंटनी हो सकती है। यह छंटनी बैंक के कई विभागों में की गई है। छंटनी का सबसे ज्यादा असर ब्रांच बैंकिंग सेगमेंट में देखने को मिला। अन्य विभागों की बात की जाए तो रिटेल, होलसेल जैसे कई वर्टिकल्स में बैंक की छंटनी का असर दिखा है।

बैंक ने कहा कि वह कस्टमर्स पर फोकस रहने, ऑपरेशन को कुशल बनाने के लिए समय-समय पर रिव्यू करती रहती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि नौकरी से निकाले गए कर्मचारियों को तीन माह की सैलरी दी गई है। माना जा रहा है कि येस बैंक डिजिटल बैंकिंग की ओर बढ़ रहा है और कर्मचारियों की संख्या में कटौती करके लागत में कटौती करना चाहता है। एक्सचेंजों को दी गई फाइनेंशियल ईयर के परफॉर्मेंस की जानकारी में बैंक ने बताया था कि वित्त वर्ष 2023-2024 (एफवाई24) के दौरान उसके लिए कर्मचारियों का खर्च 12 फीसदी से ज्यादा बढ़ गया था। वित्त वर्ष 2023 के अंत में खर्च 3,363 करोड़ रुपए से बढ़कर 2024 के अंत में 3,774 करोड़ रुपए हो गया। फाइनल एयर 2024 के दौरान येस बैंक का नेट मुनाफा 74.4 फीसदी से बढ़कर 1,251 करोड़ रुपए पहुंच गया था।

गौतम अडाणी एयरपोर्ट बिजनेस को शेयर बाजार में करेगा सूचीबद्ध

ग्रुप दो से तीन अरब डॉलर की रकम जुटाने की बना रहा योजना

नई दिल्ली।

गौतम अडाणी अब अपने एयरपोर्ट बिजनेस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने की तैयारी में है। ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज ने लिस्टिंग के लिए प्लान और टाइमलाइन बनाने का काम भी शुरू कर दिया है। सीएनबीसी-टीवी18 की एक रिपोर्ट के मुताबिक आईपीओ के बाद अडाणी एंटरप्राइजेज ने अपने एयरपोर्ट बिजनेस को वित्तीय वर्ष 2027-28 (फाइनल ईयर28) तक शेयर बाजार में सूची करने की संभावना है। रिपोर्ट में कहा है कि गौतम अडाणी के नेतृत्व वाला ग्रुप चालू वित्त वर्ष (एफवाय25) में इक्विटी के जरिए से 2 से 3 अरब डॉलर की रकम जुटाने की योजना बना रहा है। 1994 में फ्लैगशिप कंपनी के पब्लिक होने के बाद से, अडाणी एंटरप्राइजेज ने छह अन्य स्वतंत्र व्यवसायों को स्थापित और सूचीबद्ध किया है, जिनका संयुक्त बाजार पूंजीकरण 10 अरब डॉलर से ज्यादा है। अडाणी एंटरप्राइजेज के पास देश में आठ एयरपोर्ट हैं, जिनमें से 7 चालू हैं और नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के साल के अंत तक पूरा होने की संभावना है।

अडाणी एंटरप्राइजेज की सालाना बैठक में चेयरमैन गौतम अडाणी ने कहा था कि उनका बंदरगाह से लेकर ऊर्जा कारोबार से जुड़ा ग्रुप पहले से कहीं ज्यादा मजबूत स्थिति में है और इसका सर्वश्रेष्ठ आना बाकी है। एजीएम में उन्होंने बताया कि ग्रुप की कंपनियों ने जनवरी 2023 में हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा लगाए आरोपों के कारण हुए सभी घाटे की भरपाई कर ली है। अडाणी ग्रुप ने एफवाय25 में अपनी विभिन्न कंपनियों में करीब 1.3 लाख करोड़ रुपए निवेश करने की योजना बनाई है। ग्रुप के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) जुगेशिंदर 'रॉबी' सिंह ने कहा था कि ग्रुप ने कारोबार बढ़ाने के लिए अगले साल से दस साल में 100 अरब डॉलर के निवेश अनुमान को दोगुना कर दिया है। उन्होंने कहा कि ग्रुप की पोर्ट से लेकर एनर्जी, एयरपोर्ट, जिंस, सीमेंट और मीडिया क्षेत्रों में कार्यरत कंपनियों में कुल निवेश का 70 फीसदी आंतरिक संसाधनों से किया जाएगा और शेष राशि लोन के जरिए हासिल की जाएगी।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक बंद पड़े जनधन खातों को फिर करें चालू

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत निष्क्रिय खातों को फिर से शुरू करने का अनुरोध किया है। एक वरिष्ठ बैंकर ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि हमें प्रधानमंत्री जन धन योजना खातों पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया है जो खाते बंद हैं। यह वित्तीय समावेशन पहल का एक हिस्सा है, क्योंकि कुछ लोग इन खातों को खोलने के बाद भूल जाते हैं। वित्तीय सेवा विभाग ने हमें इस मुद्दे को संबोधित करने के लिए कहा है। वित्त मंत्रालय ने सरकारी बैंकों के प्रमुखों की एक बैठक बुलाई, जिसमें प्रधानमंत्री विश्वकर्मा, जन सुरक्षा और मुद्रा योजना समेत कई वित्तीय समावेशन योजनाओं की प्रगति का मूल्यांकन किया गया। बैठक की अध्यक्षता वित्तीय सेवा सचिव विवेक जोशी ने की। छह दिसंबर 2023 तक, देशभर में करीब 20 फीसदी प्रधानमंत्री जनधन योजना के अकाउंट्स बंद थे। यह जानकारी तत्कालीन वित्त राज्य मंत्री भागवत कराड ने राज्यसभा में लिखित उत्तर में दी थी। बैंकर ने कहा कि चर्चा का मेन फोकस सरकारी योजनाओं जैसे अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा और उनकी जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन की समीक्षा पर था। बैंकर ने कहा कि हमें कोर बैंकिंग और जमा राशि बढ़ाने पर भी फोकस करने की सलाह दी गई थी। हमने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के टेक्नोलॉजिकली अपग्रेडेशन और बैंकों द्वारा वित्तीय सेवा विभाग के लिए दी गई प्रतिबद्ध समयसीमा पर भी चर्चा की। सेंट्रलाइज्ड केवायसी भी लाया गया। इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंशिंग पर आरबीआई की ड्राफ्ट गाइडलाइन्स के संबंध में कोई चर्चा नहीं हुई। पिछले साल सितंबर में, पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की शुरुआत की थी, जिसका उद्देश्य पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को बिना किसी गारंटी के न्यूनतम ब्याज दरों पर लोन प्रदान करना है। बैठक में भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा, बैंक ऑफ बड़ौदा के एमडी और सीईओ देबदत्ता चंद, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के एमडी और सीईओ एमवी राव, इंडियन ओवरसीज बैंक के एमडी और सीईओ अजय कुमार श्रीवास्तव, पंजाब एंड सिंड बैंक के एम और सीईओ स्वरूप कुमार साहा, पंजाब नेशनल बैंक के एमडी और सीईओ अतुल कुमार गोयल, यूको बैंक के एमडी और सीईओ अश्विनी कुमार और बैंक ऑफ इंडिया के एमडी और सीईओ रजनीश कर्नाटक के साथ अन्य बैंक अधिकारियों और वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

फ्यूचर एंड ऑप्शंस से कमाई पर लग सकता है 30 फीसदी टैक्स, सरकार कर रही विचार

नई दिल्ली।

फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस ट्रेडिंग करने वालों के लिए एक बुरी खबर आई है। अब फ्यूचर एंड ऑप्शंस से होने वाली इनकम पर टैक्स चुकाना पड़ सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकार एफएंडओ ऑप्शंस से हुई इनकम को लॉटरी या क्रिप्टोकरेंसी से हुई कमाई मान सकती है। लॉटरी की कमाई पर ज्यादा टैक्स लगता है। यही स्थिति क्रिप्टोकरेंसी से हुई इनकम के साथ है। सरकार ने फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस कारोबार में घाटे पर चिंता जताई थी। कई लोग एफएंडओ में पैसा लगा रहे हैं और उन्हें भारी नुकसान हुआ है। ऐसे में सरकार अब एफएंडओ से होने वाली कमाई को व्यापारिक आय की जगह सट्टेबाजी आय की कैटेगरी में लाने पर विचार कर रही है। इसका मतलब है कि एफएंडओ से होने वाले मुनाफे पर अब लॉटरी जीतने या क्रिप्टोकरेंसी में निवेश से होने वाली कमाई जैसा ही 30 फीसदी का फ्लैट टैक्स लग सकता है। अगर यह बजट में पास हो जाता है, तो एफएंडओ में हुए घाटे को किसी और व्यापार से हुए मुनाफे से कम नहीं किया जा सकेगा। बल्कि एफएंडओ के घाटे को सिर्फ एफएंडओ के मुनाफे से ही घटाया जा सकेगा। इससे छोटे निवेशक ज्यादा परेशान हैं। उनका कहना है कि ये बदलाव उनके लिए अनुचित साबित होगा।

हालांकि, कुछ लोगों का मानना है कि ये कदम फायदेमंद हो सकता है क्योंकि हाल के कुछ सालों में एफ एंड ओ में छोटे निवेशकों की भागीदारी काफी बढ़ गई है। फ्यूचर्स और ऑप्शंस एक तरह का अनुबंध है। इसमें कम पूंजी लगाकर शेयरों, वस्तुओं या मुद्राओं में बड़ा दांव लगा सकते हैं । इससे ज्यादा मुनाफा कमाने का मौका मिलता है लेकिन जोखिम भी ज्यादा है। मुनाफा तेजी से तो बढ़ता है लेकिन घाटा भी उतना ही जल्दी हो सकता है।

हुंडई ने कोना इलेक्ट्रिक कार को वेबसाइट से हटाया

नई दिल्ली ।

कोना इलेक्ट्रिक कार को हुंडई मोटर्स ने अपनी वेबसाइट से हटा दिया है। हुंडई ने इसे लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है, लेकिन ऐसा लग रहा है कि कंपनी ने इसे बंद करने का फैसला किया है।कंपनी इसकी जगह पर क्रेटा ईवी को लेकर आ सकती है। कोना ईवी में दो बैटरी पैक मिलते हैं, जिसमें पहला 48.4 केडब्ल्यूएच और दूसरा 39.2केडब्ल्यूएच बैटरी पैक है। इसका बड़ा बैटरी पैक सिंगल चार्ज पर 490 किमी की डब्ल्यूएलटीपी साइकिल रेंज देता है। इसकी भारत में शुरुआती कीमत 23.84 लाख रुपये है और कंपनी इस पर ऑफर दे रही थी। हुंडई मोटर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तरुण गर्ग ने हाल ही में एक बातचीत में पुष्टि की थी कि उच्च मात्रा में बिक्री को लक्षित करने वाला उनके ब्रांड का पहला इलेक्ट्रिक वाहन जनवरी 2025 में लॉन्च किया जाएगा। ये अपकमिंग मॉडल क्रेटा ईवी ही होने वाला है, जिसे भारत के साथ-साथ विदेशों में भी कई बार परीक्षण करते हुए देखा गया है। बता दें कि भारत में कोना इलेक्ट्रिक को कभी अपडेट नहीं किया और यह ब्रांड द्वारा भारत में लाया गया पहला इलेक्ट्रिक वाहन था। हालांकि, पुराने इंटीरियर डिजाइन और ज्यादा महंगी होने के कारण इसे खास पसंद नहीं किया गया है।

एलआईसी को क्यों जारी करनी पड़ी चेतावनी

मुंबई । देशभर में भारतीय जीवन बीमा निगम के करोड़ों पॉलिसीधारक हैं। इन सभी ग्राहकों के हित में एलआईसी ने जरूरी चेतावनी जारी की है। एलआईसी ने अपने पॉलिसी होल्डर्स को उनकी इंश्योरेंस पॉलिसी से जुड़े गैर अधिकृत ट्रांजेक्शन को लेकर सतर्क किया है। दरअसल यह सूचना उन रिपोर्ट्स के सामने आने के बाद जारी हुई है, जिसमें कहा गया था कि कुछ कंपनियां पॉलिसी सरेंडर करने के नाम पर एलआईसी पॉलिसी होल्डर्स से पॉलिसी हासिल करना चाहती हैं। दरअसल ऐसी खबरें सामने आई हैं, जिसमें लोगों को अच्छी रकम देने का भरोसा दिलाकर उनकी मौजूदा एलआईसी इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदने का लालच दिया जा रहा है। इसके बाद लोग अपनी बीमा पॉलिसी कंपनियों को सरेंडर नहीं करके, उन्हें गलत तरीके से बेच रहे हैं। इस मामले पर एलआईसी ने अपनी स्थिति साफ की है। एलआईसी ने बयान जारी कर कहा, एलआईसी ऐसी किसी यूनिट, या संस्थाओं द्वारा पेश किए जा रहे प्रोडक्ट्स और/या सर्विसेज से संबद्ध नहीं है। हम सभी पॉलिसीधारकों से आग्रह करते हैं कि वे अपनी पॉलिसी पर कोई भी निर्णय लेने से पहले पूरी सावधानी बरतें, जिससे उनकी वित्तीय सुरक्षा और उनके परिवार के लिए जोखिम कवर खतरे में पड़ सकता है। किसी भी ऑफर का जवाब देने से पहले, कृपया हमारी शाखाओं में किसी भी एलआईसी अधिकारी से परामर्श लें।

स्पेक्ट्रम नीलामी 11,000 करोड़ रुपये की बोलियों के साथ समाप्त

नई दिल्ली । मोबाइल रेडियो तरंग सेवाओं के लिए 96,000 करोड़ मूल्य की स्पेक्ट्रम नीलामी करीब 11,000 करोड़ रुपये की बोलियों के साथ समाप्त हुई। मोदी सरकार ने नीलामी में 800 मेगाहर्ट्ज, 900 मेगाहर्ट्ज, 1,800 मेगाहर्ट्ज, 2,100 मेगाहर्ट्ज, 2,300 मेगाहर्ट्ज, 2,500 मेगाहर्ट्ज, 3,300 मेगाहर्ट्ज और 26 गीगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम बैंड की पेशकश की, जिसका आधार मूल्य 96,238 करोड़ रुपये है।नीलामी करीब 11,000 करोड़ रुपये की बोलियों के साथ समाप्त हुई है। उन्होंने बताया कि भारती एयरटेल नीलामी में सबसे बड़ी बोलीदाता के रूप में उभरी है। पिछली नीलामी 2022 में हुई थी जो सात दिन तक चली थी। उसमें 5जी दूरसंचार स्पेक्ट्रम की रिकॉर्ड 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री हुई थी, जिसमें अरबपति मुकेश अंबानी की जियो शीर्ष बोलीदाता के रूप में उभरी थी। उसने सभी रेडिया तरंगों का करीब आधा हिस्सा (88,078 करोड़ रुपये मूल्य) हासिल किया था। उस समय दूरसंचार दिग्गज सुनील मित्तल की भारती एयरटेल ने 43,084 करोड़ रुपये की सफल बोली लगाई थी, जबकि वोडाफोन-आइडिया ने 18,799 करोड़ रुपये में स्पेक्ट्रम खरीदा था।

ऊंची ब्याजदर से बाधित नहीं हो रही है आर्थिक वृद्धि

आरबीआई गवर्नर बोले-मौद्रिक नीति का ध्यान मुद्रास्फीति को कम करने पर रहेगा

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने कहा कि ऊंची ब्याज दर से आर्थिक वृद्धि को बाधित नहीं हो रही है। मौद्रिक नीति का ध्यान मुद्रास्फीति को कम करने पर रहेगा। उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा कि देश आर्थिक वृद्धि के स्तर पर प्रमुख संरचनात्मक बदलाव की दहलीज पर है। देश उस रास्ते पर आगे बढ़ रहा है जहां सालाना आधार पर 8 फीसदी वास्तविक जीडीपी वृद्धि बरकरार रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि आमतौर पर यदि वृद्धि दर अच्छी है तो इससे यह संकेत मिलते हैं कि आपकी मौद्रिक नीति और आपकी ब्याज दरें वृद्धि के रास्ते में बाधा नहीं बन रही है।

ऊंची ब्याज दर के कारण वृद्धि प्रभावित होने पर बहस के बीच आरबीआई गवर्नर ने कहा कि ऐसी सभी चिंताएं निराधार हैं और वृद्धि की गति बनी हुई है। उन्होंने कहा कि आरबीआई की नाउकास्टिंग टीम गतिशील तत्वों के आधार पर जून तिमाही के लिए जीडीपी वृद्धि दर 7.4 फीसदी रहने का अनुमान है। यह केंद्रीय बैंक के अपने अनुमान 7.3फीसदी से ज्यादा है। गवर्नर ने कहा कि उन्हें भरोसा है कि वित्त वर्ष 2024-25 में अर्थव्यवस्था आरबीआई के अनुमान 7.2 फीसदी की दर से बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि एक अच्छी वृद्धि दर का परिदृश्य हमें मुद्रास्फीति पर ध्यान केंद्रित करने के लिए स्पष्ट रूप से गुंजाइश देता है।

गवर्नर दास ने आने वाले समय में मुद्रास्फीति में कमी लाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए शतरंज का उदाहरण दिया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि एक गलत कदम हमें राह से भटका सकता है। महंगाई पर मुस्तैदी से ध्यान देना जरूरी है क्योंकि मौसम की एक भी प्रतिकूल घटना मुद्रास्फीति को पांच फीसदी से ऊपर ले जा सकती है। उन्होंने कहा कि मौद्रिक नीति के तहत उठाए कदमों के कारण मुद्रास्फीति 2022 में 7.8 फीसदी के उच्चतम स्तर से कम होकर वर्तमान में 4.7 फीसदी रह गई है। उन्होंने कहा कि मूल्य वृद्धि का निम्न स्तर सतत वृद्धि तय कर सकता है।

दास ने कहा कि उच्च मुद्रास्फीति अर्थव्यवस्था की प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करती है, अर्थव्यवस्था को घरेलू और विदेशी निवेश दोनों के लिए प्रतिकूल गंतव्य बनाती है। सबसे महत्वपूर्ण, उच्च मुद्रास्फीति का मतलब लोगों, विशेषकर गरीब लोगों की क्रय शक्ति को कम करना होगा। उन्होंने कहा कि पिछले तीन साल में सरकारी व्यय से वृद्धि को गति मिल रही है। अब इस बात यह साफ होता है कि निजी

पूंजीगत व्यय बढ़ रहा है और सीमेंट और इस्पात जैसे बुनियादी ढांचे से जुड़े क्षेत्रों में सबसे ज्यादा रुचि दिखाई दे रही है।

उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था तभी आगे बढ़ेगी जब कई क्षेत्रों में तेजी आएगी और उन्होंने वृद्धि को गति देने के लिए सभी क्षेत्रों पर जोर देने की बात कही। आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन समेत कुछ विशेषज्ञों के भारत की वृद्धि के लिए सेवा क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने की बात कहे जाने के बीच उन्होंने यह बात कही है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि भारत जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था अपनी वृद्धि महत्वकांक्षा को हासिल करने के लिए विनिर्माण या सेवा में से किसी एक पर निर्भर नहीं रह सकती है।

दूसरी तिमाही में 16 फीसदी बढ़ी ऑफिस की मांग

नई दिल्ली। देश में ऑफिस की मांग भी जोर पकड़ रही है। इस साल प्रमुख शहरों में दूसरी तिमाही में ऑफिस की मांग में 16 फीसदी बढ़ी है। इस साल ऑफिस की मांग 5 करोड़ वर्ग फुट के पार जा सकती है। यह तीसरा साल होगा, जब ऑफिस की मांग इस स्तर को पार करेगी। संपत्ति सलाहकार फर्म की रिपोर्ट के अनुसार साल 2024 की दूसरी तिमाही में ऑफिस मार्केट ने अच्छा प्रदर्शन कर 6 प्रमुख शहरों में 1.58 करोड़ वर्ग फुट ऑफिस की मांग दर्ज की गई। यह पिछली तिमाही यानी इस साल की पहली तिमाही से 16 फीसदी ज्यादा है। इन 6 शहरों में से 4 शहरों में ऑफिस की मांग में 20 फीसदी से ज्यादा वृद्धि दर्ज की गई। दूसरी तिमाही में सबसे अधिक मांग बेंगलूरु में 48 लाख वर्ग फुट दर्ज की गई। इसके बाद 35 लाख वर्ग फुट मांग मुंबई में देखी गई। इन दोनों शहरों की मांग कुल मांग की आधी से भी ज्यादा रही। मुंबई में ऑफिस की मांग में 119 फीसदी और बेंगलूरु में 41 फीसदी इजाफा हुआ। फर्म प्रमुख ने कहा कि देश में ऑफिस की मांग लगातार बढ़ रही है। इस साल के पहले 6 महीने में 2.94 करोड़ वर्ग फुट आफिस की मांग दर्ज हुई है, जो पिछली समान अवधि से 19 फीसदी अधिक है।

अयोध्या में टाटा समूह बनाएगा टेंपल म्यूजियम

योगी सरकार ने 1 रुपये लीज पर दी जमीन

लखनऊ ।

22 जनवरी 2024 को राम मंदिर का उद्घाटन होने के बाद से अयोध्या का नाम विश्व पटल पर फिर छा गया है। तमाम बड़ी-बड़ी कंपनियां यहां होटल और रियल एस्टेट डेवलपमेंट करने में जुटी हैं। रातोंरात अयोध्या की जमीनों के रेट कई गुना बढ़ गए। इस बीच खबर है कि यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार ने टाटा समूह की कंपनी टाटा संस को महज 1 रुपये सालाना किराए पर जमीन दी है। फैसले पर योगी सरकार की कैबिनेट ने भी मुहर लगा दी है। योगी सरकार के पर्यटन विभाग ने टाटा संस को 1 रुपये सालाना किराए पर 90 साल के लिए जमीन की लीज दी है। जमीन पर टाटा संस टेंपल म्यूजियम यानी मंदिरों का अजायबघर बनाएगी। टाटा संस ने कहा है कि अपने कॉरपोरेट सोशल रेस्पॉसिबिलिटी (सीएसआर) फंड से 650 करोड़ खर्च कर टेंपल म्यूजियम बनाएगी। यह म्यूजियम अयोध्या की सदर तहसील के मांझा जामतारा गांव में बनाया जाएगा। टाटा संस 650 करोड़ में टेंपल म्यूजियम बनाने के साथ ही इसके आसपास और भी इन्फ्रा तैयार करेगी। इसके लिए कंपनी ने 100 करोड़ रुपये खर्च करने की बात कही है। टाटा संस ही इस म्यूजियम की देखरेख व प्रबंधन का काम भी करेगी।

अनुमान है कि योगी सरकार म्यूजियम के लिए करीब 2 एकड़ जमीन को 1 रुपये सालाना किराये पर 90 साल के लिए लीज पर देगी। बात दें कि राम मंदिर के उद्घाटन के बाद अयोध्ये या में रोजाना करीब 2 से 4 लाख लोग दर्शन करने आते हैं। म्यूजियम व अन्य पर्यटन स्थलों के विकसित होने के बाद सैलानियों की संख्या में और इजाफा हो सकता है। राम मंदिर निर्माण समिति के चेयरमैन नृपेंद्र मिश्र का कहना है कि मंदिर का पूरा काम मार्च, 2025 तक समाप्त हो जाएगा, जबकि पहली मंजिल का काम जुलाई के आखिर तक पूरा करने का लक्ष्य है। यूपी वालों को एक और सौगात मिलने वाली है। योगी सरकार लखनऊ, प्रयागराज और कपिलवस्तु में हेलीकॉप्टर सर्विस शुरू करने जा रही है। इसके लिए हेलीपैड बनाने की प्रक्रिया भी जल्द शुरू होगी, जिसे पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के आधार पर बनाया जा रहा है। इस सर्विस का फायदा आम आदमी को भी मिलेगा, जिसके लिए किराया चुकाना पड़ेगा।

चाहेंगे तुम्हें इतना' में स्वाति शर्मा दिखेंगी एक नए अवतार में

मुंबई : अभिनेत्री स्वाति शर्मा शेमारू उमंग के लोकप्रिय शो 'चाहेंगे तुम्हें इतना' में आशी की भूमिका के साथ दर्शकों की पहली पसंद बनने के साथ खूब तारीफें भी मिल रही हैं। जहां आशी और सिद्धार्थ ने आखिरकार शादी कर ली है और एक नए सफर की शुरूआत की है।

इस कहानी में आशी का लुक, उनके फैंस के लिए बहुत खास होने वाला है। शो में उन्हें एक पारंपरिक पत्नी और एक आधुनिक व्यवसायी महिला के रूप में प्रदर्शित करता है। स्वाति शर्मा के किरदार में यह नया परिवर्तन न सिर्फ उनकी भूमिका की वृद्धि को दशार्ता है, बल्कि आशी की भूमिका को एक नया आयाम भी देता है।

100 अरब डॉलर बाजार वैल्यू का बैंक बना आईसीआईसीआई

नई दिल्ली । आईसीआईसीआई बैंक ने नया इतिहास रचा है। बैंक की मार्केट वैल्यू 25 जून को 100 अरब डॉलर (8.42 लाख करोड़ रुपए) के पार पहुंच गई। इसके साथ ही बैंक देश की 6वीं ऐसी कंपनी बन गई है, जिसकी मार्केट वैल्यू 100 अरब डॉलर से ज्यादा है। बैंक का स्टॉक साल 2024 में 20 फीसदी से ज्यादा बढ़ा है। पिछले एक हफ्ते में ही बैंक के शेयर लगभग 7 फीसदी ऊपर जा चुके हैं। निजी क्षेत्र के दिग्गज बैंक आईसीआईसीआई के स्टॉक में मंगलवार को भी तेजी देखने को मिली है। फिलहाल 100 अरब डॉलर क्लब में आईसीआईसीआई के अलावा 5 और कंपनियां भी शामिल हो चुकी हैं। आईसीआईसीआई बैंक के स्टॉक ने एक साल में करीब 30 फीसदी रिटर्न दिया है। इस 100 अरब डॉलर क्लब में 235 अरब डॉलर के मार्केट कैप के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज लिस्ट में टॉप पर है। टीसीएस (टीसीएस) का मार्केट कैप 166 अरब डॉलर, एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 156 अरब डॉलर और भारती एयरटेल का मार्केट कैप 101 अरब डॉलर है। साल 2021 में इस क्लब में शामिल हुई इंफोसिस का मार्केट कैप अब घटकर 80 अरब डॉलर से नीचे आ गया है। कुल 6 कंपनियां इस स्तर को पार कर चुकी हैं। मगर, सिर्फ 5 ही फिलहाल इस स्तर से ऊपर हैं।

टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

गुयाना (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के दूसरे सेमीफाइनल में गुरुवार को भारतीय टीम का मुकाबला इंग्लैंड से होगा। दोनो ही टीमों का लक्ष्य इस मैच में जीत के साथ ही फाइनल में जगह बनाना होगा। भारतीय टीम ने इस बार जिस प्रकार धमाकेदार अंदाज में यहां तक का सफर तय किया है। उससे इस मैच में भारतीय टीम को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। सुपर आठ में भारतीय टीम ने जिस प्रकार से ऑस्ट्रेलिया को हराया उससे भी टीम का मनोबल बढ़ा है। भारतीय टीम के पास कप्तान रोहित शर्मा , विराट कोहली सहित कई बेहतरीन बल्लेबाज हैं। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 92 रनों की पारी खेलकर दिखा दिया है कि वह पूरी तरह से लय में हैं। इसके अलावा टीम के पास जसप्रीत बुमराह और कुलदीप यादव जैसा स्पिनर है। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या भी अच्छे फार्म में आ गये हैं। टीम का मध्यक्रम भी मजबूत है। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड की टीम मुश्किल से यहां तक पहुंची है। पिछली बार उसने टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में भारतीय टीम को दस विकेट से हराया था और ऐसे में भारतीय टीम इस बार हिसाब बराबर करने उतरेगी। इस मैदान पर स्पिनरों ने शुरुआती मैच से ही दबाव बनाया है। ऐसे में भारत के कुलदीप यादव और इंग्लैंड के आदिल राशिद जैसे खिलाड़ी इस मुकाबले में अहम भूमिका निभा सकते हैं। तेज गेंदबाजों को भी इस मैदान पर सफलता मिली है। जिसके लिए भारत के पास जसप्रीत बुमराह वहीं इंग्लैंड के पास जोफ्रा आर्चर जैसा गेंदबाज है।

आठ जून के बाद से यहां कोई मैच नहीं खेला गया है। इससे क्यूरेटर को इस महत्वपूर्ण मैच के लिए उपयुक्त पिच तैयार करने के लिए अतिरिक्त समय मिल गया। भारत ने सुपर आठ चरण में शानदार प्रदर्शन किया लेकिन सेमीफाइनल के अत्यधिक दबाव में सहज गलतियां हो जाती हैं। शीर्ष क्रम में भारतीय टीम अब तक असफल रहे विराट से रन की उम्मीद। रोहित और कोहली दोनों के लिए यह शायद भारत की जर्सी में टी20 विश्व खिताब जीतने का आखिरी मौका है और दोनों अपनी छाप छोड़ने के लिए बेताब होंगे। रोहित ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि वह व्यक्तिगत उपलब्धियों की परवाह किए बिना पावरप्ले में आक्रामक बल्लेबाजी करने का इरादा रखते हैं जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में भी स्पष्ट था। वहीं नये ऑलराउंडर शिवम दुबे ने मध्यक्रम में उम्मीद के मुताबिक बल्लेबाजी नहीं की है और यह देखना दिलचस्प होगा कि वह स्पिनर आदिल के खिलाफ कैसा प्रदर्शन करते हैं। भारत के इस मैच में बिना किसी बदलाव के उतरने की संभावना है क्योंकि अब तक लगातार जीत रही टीम संयोजन में कोई बदलाव जोखिम भरा हो सकता है। टीम के पास हालांकि लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल हैं जो इंग्लैंड के फिल

सॉल्ट, जोस बटलर, हैरी ब्रूक और जॉनी बेयरस्टो जैसे दाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ प्रभावी साबित हो सकते हैं।

चहल को इस प्रतियोगिता में अब तक एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला है और अब उन्हें अवसर मिलना संभव नहीं है क्योंकि भारत के पास पहले से ही रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल और कुलदीप की स्पिन तिकड़ी उपलब्ध है। कुलदीप और बुमराह ने अब तक बेहतरीन गेंदबाजी की है। इंग्लैंड को उनके खिलाफ रन बनाने के लिए कुछ खास करना होगा। हार्दिक पंड्या ने अपने ऑलराउंड प्रदर्शन से प्रभावित किया है और टीम को उनसे इसी तरह के प्रदर्शन को जारी रखने की उम्मीद होगी।

वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड का अभियान अब तक उतार-चढ़ाव भरा रहा। वे सुपर आठ में दक्षिण अफ्रीका से हार गए पर फिर अंक तालिका और रन रेट के आधार पर यहां तक पहुंच गये हैं। कप्तान बटलर ने इंग्लैंड के अंतिम सुपर आठ मैच में अच्छे रन बनाए और भारतीय गेंदबाजी से परिचित होने के कारण वह मैच विजेता पारी खेल सकते हैं। उनके सलामी जोड़ीदार सॉल्ट बहुत जल्दी अपनी आक्रामक शैली से गेंदबाजों पर दबाव बना देते हैं। ऐसे में भारतीय टीम का उनसे सावधान रहन होगा।

जॉनी बेयरस्टो और मोईन अली से अधिक रन की उम्मीद टीम को रहेगी। मोईन की ऑफ स्पिन भी भारत के बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ उपयोगी हो सकती है। लेग और ऑफ स्पिन दोनों करने वाले लियाम लिविंगस्टोन भी अपने कोटे के पूरे ओवर फेंक सकते हैं जैसा कि उन्होंने अमेरिका के खिलाफ किया था। आदिल

टीम

भारत- रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज।

इंग्लैंड- जोस बटलर (कप्तान), मोईन अली, जोफ्रा आर्चर, जॉनी बेयरस्टो, हैरी ब्रूक, सैम कुरेन, बेन डकेट, टॉम हार्टले, विल जैक्स, क्रिस जोर्डन, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, फिल सॉल्ट, रीस टॉपले और मार्क वुड।

के चार ओवर भी इस महत्वपूर्ण मुकाबले में निर्णायक साबित हो सकते हैं। चोट से वापसी के बाद अपनी पहली बड़ी प्रतियोगिता में तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने अब तक सात मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया है और वह नई गेंद से रोहित और कोहली को आउट करने के इरादे से उतरेंगे। इसके अलावा पिछले मैच में हैट्रिक लेने के बाद क्रिस जोर्डन भी इस मैच में बढ़े हुए मनोबल के साथ उतरेंगे। ऐसे में इस मैच में रोमांचक खेल होना तय है।

हमारी खिलाड़ी लंबी अवधि के प्रारूप में खेलने की आदी हैं: मजूमदार

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने टेस्ट क्रिकेट में खेलने को विशेष करार देते हुए बुधवार को यहां कहा कि लंबी अवधि के अंतर क्षेत्रीय टूर्नामेंट में खेलने के कारण उनकी टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच के लिए अच्छी तरह से तैयार है। भारतीय महिला टीम ने इससे पहले दिसंबर में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक-एक टेस्ट मैच खेले थे, जिनमें उसने जीत दर्ज की थी।

मजूमदार ने कहा, 'हमें तीनों प्रारूप में खेलने में मजा आता है लेकिन टेस्ट क्रिकेट हमेशा विशेष होता है। दिसंबर में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दो टेस्ट मैच खेलने के बाद बीसीसीआई ने अंतर क्षेत्रीय टूर्नामेंट में लंबी अवधि के प्रारूप को भी शामिल किया और इसलिए हमारी सभी खिलाड़ियों को लाल गेंद की क्रिकेट खेलने की आदत है।'

दीप्ति शर्मा की अगुवाई में पूर्व क्षेत्र ने इस साल अप्रैल में दक्षिण क्षेत्र को एक विकेट से हराकर यह टूर्नामेंट जीता था। मजूमदार ने कहा, 'हम इस बात से वाकिफ थे कि लंबी अवधि का प्रारूप हमारे कैलेंडर का हिस्सा बनने जा रहा है। इसलिए खिलाड़ियों को संदेश देने के लिए अंतर क्षेत्रीय टूर्नामेंट बेहद महत्वपूर्ण था।'

मजूमदार ने पुरुषों की तरह महिलाओं के लिए भी टेस्ट चैंपियनशिप आयोजित करने की वकालत की। उन्होंने कहा, 'महिला टेस्ट चैंपियनशिप का विचार बुरा नहीं है लेकिन इसका फैसला बोर्ड को करना है। अगर ऐसा होता है तो यह खेल के लिए अच्छा होगा।'

भारतीय क्रिकेट का घरेलू सत्र सितंबर में दलीप ट्रॉफी से शुरु होगा

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट का घरेलू सत्र दलीप ट्रॉफी के साथ पांच सितंबर से शुरू होगा। उसके बाद ईरानी कप और फिर रणजी ट्रॉफी होगी। रणजी ट्रॉफी पहली बार दो भागों में खेली जाएगी। घरेलू सत्र को लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अधिकारियों और राज्य संघों के प्रतिनिधियों की एक बैठक भी हुई है। जिसमें बोर्ड सचिव जय शाह ने घरेलू क्रिकेट के नए ढांचे को लेकर बात की। इस बार रणजी ट्रॉफी होगी दो हिस्सों में खेली जाएगा। इससे उत्तर भारत में सर्दियों में खराब मौसम से निपटने और खिलाड़ियों को मैचों के बीच आराम और थकान से उबरने के लिए अधिक समय मिल लाएगा। इसी को लेकर बीसीसीआई मुख्यालय में हुई बैठक में बोर्ड ने नए प्रारूप पर राज्य संघों से बात कर उनके विचार जाने।

इस दौरान राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण, मुख्य कोच राहुल द्रविड़, चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर और कप्तान रोहित शर्मा की सिफारिशों पर नए प्रारूप को लागू किया गया। बीसीसीआई का लक्ष्य एक साल बाद इसकी समीक्षा करना है। बोर्ड की ओर से जारी कहा गया, ''बैठक में 2023-24 के सबसे व्यस्त क्रिकेट सत्र के आयोजन में राज्य संघों के सराहनीय प्रयासों के लिए तारीफ की गयी जिसमें विश्व कप 2023, आईपीएल, डब्ल्यूपीएल के साथ-साथ विभिन्न अंतरराष्ट्रीय द्विपक्षीय श्रृंखलाएं और एक पूर्ण घरेलू क्रिकेट सत्र शामिल रहे हैं।''

टी20 विश्वकप के पहले सेमीफाइनल में आज होगा दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान का मुकाबला

त्रिनिदाद (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट का पहला सेमीफाइनल गुरुवार सुबह यहां दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान के बीच खेला जाएगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीतने के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। इस टूर्नामेंट में इस बार दक्षिण अफ्रीकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने सभी मैच जीते हैं। दूसरी ओर अफगानिस्तान ने भी न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसी टीमों को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी है। ऐसे में उसकी दावेदारी भी कमजोर नहीं कहीं जा सकती है। सभी को हैरान करते हुए सेमीफाइनल तक का सफर तय किया है।

दक्षिण अफ्रीकी टीम काफी अनुभवी है और उसके पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं, पहले बल्लेबाजी कर टीम बड़े स्कोर बनाती है पर उसकी बड़ी कमजोर ये है कि वह बड़े मुकाबलों के अलावा लक्ष्य का पीछा करने के दौरान बिखर जाती है। वहीं अफगानिस्तान पहली बार फाइनल में पहुंची है उसे बल्लेबाज और गेंदबाज अच्छे फार्म में हैं, इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया जैसी बड़ी टीम को हराकर उसके हौंसले बुलंद हैं। ऐसे में ये मैच रोमांचक होना तय है। नवीन-उल-हक, फजलहक फारूकी और राशिद खान से दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों को सावधान रहना होगा। वहीं बल्लेबाली में रहमानुल्लाह गुरबाज पर अंकुश लगाना होगा।

इस बार अब तक इस मैदान पर खेले गये मुकाबलों में बड़े स्कोर नहीं देखे गये हैं। ऐसे में सेमीफाइनल मुकाबले में भी बड़ा स्कोर बनने की संभावना नहीं है। आंकडों पर नजर डालें तो यहां

अब तक 11 मैच हुए हैं। जिसमें से चार बार पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जबकि सात बार

दूसरी बार बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती है। यहां पहली पारी का औसत स्कोर 135 जबकि दूसरी पारी का औसत स्कोर 122 रहा है। वहीं इस मैदान पर सबसे बड़ा स्कोर इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच 267 रहा है जबकि सबसे कम स्कोर युगांडा और न्यूजीलैंड के बीच 40 रन रहा है।

अब तक इस टूर्नामेंट में बारिश से कई बार बाधा आई है पर इस मैच में बरसात की संभावना नहीं है।

हालांकि बादल छाए रहने की उम्मीद है। मैच के दौरान औसत तापमान 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

अफगानिस्तान- राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, अजमतुल्लाह उमरजई, गुलबदीन नइब, मोहम्मद नबी, करीम जनत, नांगेयालिया खारोटे, नूर अहमद, नवीन-उल-हक, फजलहक फारूकी, नजीबुल्लाह जादरान, फरीद अहमद मलिक, हजरतुल्लाह जजई, मोहम्मद इशाक।

दक्षिण अफ्रीका- एडेन मार्करम (कप्तान), क्विंटन डी कॉक (विकेट कीपर), रीजा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, मार्को जेनसन, केशव महाराज, कागिसो रबाडा, एनरिक नोर्टजे, तबरेज शम्सी, ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएट्जी, ब्योर्न फोर्टुइन, रयान रिकेल्टन।

जमशेदपुर एफसी के कोच बने रहेंगे जमील

जमशेदपुर । जमशेदपुर एफसी (जेएफसी) फुटबॉल क्लब ने मुख्य कोच खालिद जमील का अनुबंध दो साल और बढ़ा दिया है। जमील ने पिछले आईएसएल सत्र के मध्य में जमशेदपुर के मुख्य कोच का पदभार संभाला था। जब वह टीम से जुड़े थे उस समय जमशेदपुर एफसी अपने 11 में से केवल दो मैच जीत सका था। उनके आने के बाद टीम का प्रदर्शन बेहतर हुआ है। इसके साथ ही क्लब ने वापसी करते हुए 2024 कलिंगा सुपर कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। उनके जमशेदपुर एफसी के कोच रहते हुए टीम ने आईएसएल के अपने शुरुआती पांच मैचों में से तीन मैच जीत जबकि दो ड्रॉ रहे। इससे यह टीम लीग चरण के अंतिम मैच तक प्लेऑफ की दौड़ में बनी रही थी। खालिद ने 2025-26 सत्र के आखिरी तक चलने वाले करार पर हस्ताक्षर करने के बाद कहा, ''हम आईएसएल जीतना चाहते हैं।'' इसके लिए टीम अगले माह से अभ्यास शुरु करेगी। खालिद के कोच रहते हुए साल 2017 में आइजोल एफसी ने आई-लीग का खिताब जीता था।

राशिद टूर्नामेंट का सबसे कुशल कप्तान : असगर अफगान

नई दिल्ली - अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान असगर अफगान ने राशिद खान को वेस्टइंडीज में चल रहे टी20 विश्व कप का सबसे कुशल कप्तान करार देते हुए कि कहा कि दुनिया भर की फ्रेंचाइजी लीग में खेलने का उनके खिलाड़ियों को फायदा मिला। अफगानिस्तान ने मंगलवार को बांग्लादेश को हराकर पहली बार टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई। अपने इस अभियान के दौरान उसने न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसी शीर्ष टीमों को भी हराया। असगर ने कहा कि मुझे लगता है कि राशिद टूर्नामेंट का सबसे कुशल कप्तान है। वह प्रेरणादायी कप्तान है। वह गेंदबाजी में मैच विजेता है जो बल्लेबाजी में भी अपनी छाप छोड़ता है। उन्होंने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह अपने खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने में सक्षम है। यही वजह है कि अफगानिस्तान सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहा। जब मैं 2017 में अफगानिस्तान का कप्तान था तब वह मेरे साथ उप कप्तान था और उस समय भी उसने अपना नेतृत्व कौशल दिखाया था। अफगानिस्तान गुरुवार को होने वाले सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगा। असगर ने कहा कि अफगानिस्तान की सफलता का एक और कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अधिक मैच खेलना और खिलाड़ियों का पूरे वर्ष विभिन्न टी20 लीग में खेलना है।

भारतीय पेशेवर गोल्फ टूर के अध्यक्ष बने कपिल देव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की 1983 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान रहे कपिल देव ने भारतीय पेशेवर गोल्फ टूर (पीजीटीआई) के नए अध्यक्ष का पद संभाल लिया है। यह पद इस प्रतिष्ठित पूर्व क्रिकेटर के लिए एक नई शुरुआत है जिन्होंने एमेच्योर गोल्फ खिलाड़ी के रूप में भी शानदार प्रदर्शन किया है। 65 वर्षीय कपिल पहले से ही उपाध्यक्ष के रूप में पीजीटीआई बोर्ड के सदस्य थे। उन्हें सर्वसम्मति से चुना गया। वह एचआर श्रीनिवासन की जगह लेंगे जिनका कार्यकाल समाप्त हो गया है। कपिल को एक अच्छे गोल्फ खिलाड़ी के रूप में जाना जाता है।

कपिल ने अपने नए पद के बारे में कहा, 'पीजीटीआई का अध्यक्ष बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं पिछले कुछ वर्षों से इस संगठन से जुड़ा हुआ हूं। यह खिलाड़ियों का संगठन है और मैं उन सभी का बहुत अच्छा दोस्त हूं और मैं अक्सर उनके साथ खेलता हूं।% कपिल ने कहा कि तीन दशक से अधिक समय से गोल्फ उनका जुनून रहा है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि उन्होंने एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना देखा था जब इसमें केवल एमेच्योर खिलाड़ियों को हिस्सा लेने की स्वीकृति थी।

उन्होंने कहा, 'और अब यह खेल ही है जिसमें मैं अपना अधिकांश समय बिताता हूं। मैं उपाध्यक्ष रह चुका हूं और मैं बोर्ड में हूं, इसलिए खिलाड़ियों द्वारा अध्यक्ष चुने जाने पर मुझे बहुत गर्व है। मैं हमेशा की तरह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का वादा करता हूं।% कपिल पीजीटीआई के लिए नए प्रायोजक लाने की कोशिश में सबसे आगे रहे हैं। वह टूर में सबसे आकर्षक प्रतियोगिता में से एक कपिल देव ग्रांट थॉर्नटन आमंत्रण को डीएलएफ गोल्फ एवं कंट्री क्लब में आयोजित कराने में सफल रहे हैं जिसकी इनामी राशि दो करोड़ रुपए है।

जीव मिल्खा सिंह, अर्जुन अटवाल, ज्योति रंधावा, शिव कपूर जैसे भारत के शीर्ष स्टार खिलाड़ी उनके करीबी गोल्फ मित्र हैं। कपिल ने 1978 से 1994 तक भारत के लिए क्रिकेट खेला। सर्वकालिक महान ऑलराउंडरों में से एक कपिल ने

131 टेस्ट और 225 एकदिवसीय मैच खेले। उनकी अगुआई में भारत ने 1983 विश्व कप जीता। 1983 विश्व कप में उनकी नाबाद 175 रन की पारी खेल के इतिहास की सबसे बेहतरीन पारियों में से एक मानी जाती है। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने आठ शतक की मदद से 5248 रन बनाए और 434 विकेट लिए जो उस समय एक विश्व रिकॉर्ड था। उन्होंने एकदिवसीय मैचों में 3783 रन भी बनाए और इस प्रारूप में 253 विकेट लिए।

गुवाहाटी में होगी विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिपे

नई दिल्ली । विश्व जूनियर चैंपियनशिप अगले साल 2025 में भारत में होगी। इसका आयोजन गुवाहाटी में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में किया जाएगा। बैडमिंटन की वैश्विक संचालन संस्था (बीडब्ल्यूएफ) ने कहा कि करीब 15 साल बाद ये चैंपियनशिप भारत में होने जा रही है। इससे पहले साल 2008 में इसका आयोजन भारत में हुआ था। बीडब्ल्यूएफ ने कहा, ''टीम और व्यक्तिगत दोनों स्पर्धाएं गुवाहाटी राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में आयोजित की जाएंगी।'' पिछली बार इन खेलों का आयेजन पुणे में हुआ था। वहीं इसको लेकर बीडब्ल्यूएफ के अध्यक्ष पॉल-एरिक होयर ने कहा, ''भारत में तेजी से बैडमिंटन में बेहतरीन प्रतिभाएं सामने आ रही हैं, ऐसे में विश्व जूनियर प्रतियोगिता का दूसरी बार भारत में आयोजनप और भी अहम है।'' उन्होंने कहा, ''बीएआई के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र बैडमिंटन में सभी अत्याधुनिक सुविधाएं है और ऐसे में यह उभरती हुई प्रतिभाओं के लिए टीम और व्यक्तिगत खिताब के लिए चुनौती पेश करने का बेहतरीन स्थान होगा।'' इस टूर्नामेंट की तारीखों की अभी पुष्टि नहीं हुई है। वहीं बीडब्ल्यूएफ के थॉमस और उबेर कप फाइनल्स का अगला सत्र डेनमार्क के होर्सेन्स में होगा।

सूर्यकुमार को लगा झटका, ट्रेविस हेड बने नंबर एक टी20 बल्लेबाज

दुबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की नवीनतम रैंकिंग में भारत के सूर्यकुमार यादव को पछाड़कर दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज बन गए। सूर्यकुमार यादव दिसंबर 2023 से शीर्ष पर थे। हेड ने मौजूदा टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन की बदौलत नंबर एक रैंकिंग हासिल की। ऑस्ट्रेलिया हालांकि टूर्नामेंट से बाहर हो गया है।

हेड ने टूर्नामेंट में दो अर्धशतक की मदद से 255 रन बनाए जिसमें सुपर आठ मुकाबले में भारत के खिलाफ 76 रन की पारी भी शामिल है। हेड सूर्यकुमार (842 अंक) से दो अंक आगे हैं। सूर्यकुमार दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं लेकिन उनके पास दोबारा नंबर एक रैंकिंग हासिल करने का मौका है क्योंकि भारत टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बना चुका है और इस बल्लेबाज को और मौके मिलेंगे।

इंग्लैंड के फिल सॉल्ट और पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम तथा मोहम्मद रिजवान भी शीर्ष पांच में शामिल हैं। वेस्टइंडीज के जॉनसन चार्ल्स शीर्ष 10 में जगह बनाने वाले एकमात्र नए खिलाड़ी हैं। उन्हें चार स्थान का फायदा हुआ है। अफगानिस्तान के स्टार बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज को भी पांच स्थान का फायदा हुआ है। भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ जसप्रीत बुमराह 44 स्थान की लंबी छलांग के साथ 24वें स्थान पर पहुंच गए हैं जबकि स्पिनर कुलदीप यादव भी 20 स्थान के फायदे से 11वें पायदान पर हैं। स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल आठवें स्थान के साथ शीर्ष भारतीय गेंदबाज हैं। इंग्लैंड के आदिल राशिद गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर हैं। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन की बदौलत दूसरे स्थान हैं। जोश हेजलवुड तीन स्थान के फायदे से वानिंदु हसरंगा के बाद चौथे स्थान पर हैं। मार्कस स्टोइनिस ने संक्षिप्त समय तक शीर्ष पर रहने के बाद ऑलराउंडरों की सूची में शीर्ष स्थान श्रीलंका के हसरंगा को गंवा दिया है। स्टोइनिस चौथे स्थान पर खिसक गए हैं। अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी दूसरे और भारत के हार्दिक पंड्या तीसरे स्थान पर हैं। वेस्टइंडीज के रोस्टन चेज ऑलराउंडरों की सूची में सबसे अधिक 17 स्थान के फायदे से 12वें स्थान पर हैं।

पेरिस ओलंपिक में चार सदस्यीय भारतीय गोल्फ टीम भाग लेगी, अदिति तीसरी बार ओलंपिक खेलेंगी

नई दिल्ली । 26 जुलाई से 11 अगस्त तक आयोजित होने वाले पेरिस ओलंपिक में चार सदस्यीय भारतीय गोल्फ टीम भाग लेगी। इसमें महिला वर्ग से अदिति अशोक और दीक्षा डागर जबकि पुरुष वर्ग से शुभंकर शर्मा और गगनजीत भुल्लर शामिल रहेंगे। इसमें अदिति पहली भारतीय गोल्फर होंगी जो तीसरी बार ओलंपिक में भाग लेंगी। वहीं दीक्षा दूसरी बार खेलती दिखेंगी जबकि हीं शुभंकर और भुल्लर पहली बार इन खेलों में उतरेंगे। ओलंपिक में अब तक भारत की ओर से सबसे अच्छा प्रदर्शन अदिति के नाम है। वह टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रही थी। ओलंपिक के लिए क्वालिफिकेशन रैंकिंग द्वारा निर्धारित की जाती है, जो आधिकारिक विश्व गोल्फ रैंकिंग (ओडब्ल्यूजीआर) के जरिये 60 पुरुष और इतनी ही महिला खिलाड़ियों तक सीमित है। ओडब्ल्यूजीआर में शीर्ष 15 खिलाड़ी ओलंपिक के लिए योग्य होते है। इसमें एक देश से अधिकतम चार गोल्फरों को अनुमति रहती है। इसके बाद ओलंपिक गोल्फ रैंकिंग (ओजीआर) के आधार पर खिलाड़ियों को कोटा मिलता है। इसमें एक देश से अधिकतम दो खिलाड़ी जगह पात्र होते है बशर्ते उस देश को ओडब्ल्यूजीआर के कोटे से जगह नहीं मिली हो। अदिति 24वें स्थान के साथ भारत की शीर्ष महिला खिलाड़ी है जबकि दीक्षा 40वें पायदान पर है।

ओलंपिक स्थान के लिए राष्ट्रीय अंतर राज्यीय चैम्पियनशिप में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे भारतीय एथलीट

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक भाला फेंक चैम्पियन नीरज चोपड़ा की अनुपस्थिति में भारत के शीर्ष ट्रैक और फील्ड एथलीट गुरुवार से यहां शुरू होने वाली राष्ट्रीय अंतर राज्यीय चैम्पियनशिप के दौरान पेरिस ओलंपिक स्थान हासिल करने के लिए अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे। यह चार दिवसीय चैम्पियनशिप आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए अंतिम क्वालीफाइंग टूर्नामेंट होगी।

सात जुलाई को होने वाली पेरिस डायमंड लीग में बहुत कम दिन बचे हैं तो चोपड़ा पंचकुला में हिस्सा नहीं लेंगे। उन्होंने पिछले महीने भुवनेश्वर में फेडरेशन कप में हिस्सा लिया था और स्वर्ण पदक जीता था। पिछले महीने भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अध्यक्ष आदिल सुमरिवाला ने यह स्पष्ट कर दिया था कि पेरिस ओलंपिक के लिए चुने जाने के लिए चोपड़ा को छोड़कर अन्य सभी खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय अंतर राज्यीय चैम्पियनशिप में भाग लेना अनिवार्य होगा।

एएफआई के नियमों के अनुसार ओलंपिक, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल जैसे टूर्नामेंट के लिए चुने जाने के लिए सभी खिलाड़ियों को राष्ट्रीय अंतर राज्यीय चैम्पियनशिप में भाग लेना होगा। महासंघ विशेष खिलाड़ियों या उनके कोचों के अनुरोध पर छूट दे सकता है। चोपड़ा की अनुपस्थिति में अविनाश साबले (पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज), किशोर जेना (पुरुषों की भाला फेंक), राम बाबू (पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल) और पारुल चौधरी (महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज) चैम्पियनशिप में सुर्खियों में रहेंगे जिन्होंने क्वालीफाइंग मानक हासिल कर पेरिस ओलंपिक के लिए स्थान पक्का कर लिया है।

ज्योति याराजी (महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़), अन्नू रानी (महिलाओं की भाला फेंक), डीपी मनु (पुरुषों की भाला फेंक), तेजिंदरपाल सिंह तूर (पुरुषों की गोला फेंक), जेस्विन एल्ड्रिन (पुरुषों की लंबी कूद), प्रवीण चित्रवेल और अब्दुल्ला अबूबाकर (दोनों पुरुषों की त्रिकूद) जैसे खिलाड़ी विश्व रैंकिंग कोटा के जरिये पेरिस का टिकट कटा सकते हैं। एशियाई रिकॉर्ड धारी तूर ने मंगलवार को 'पीटीआई' को बताया कि उनके टखने में हल्का दर्द है और उनके डॉक्टर ने उन्हें तीन-चार हफ्तों तक गोला फेंकने से मना किया है। पर उनका नाम बुधवार को एएफआई की अपडेट की गई प्रवेश सूची में शामिल है।

कुछ उभरते सितारे जैसे धावक अनिमेष कुजूर, 110 मीटर बाधा दौड़ के तेजस शिरसे और लंबी कूद की खिलाड़ी शैली सिंह भी चुनौती पेश करते नजर आयेंगे। पेरिस ओलंपिक स्थान पक्का करने वाली भारतीय पुरुष और महिला चार गुणा 400 मीटर रिले टीम का

लगभग हर सदस्य हिस्सा लेगा। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारी 20 किमी पैदल चाल खिलाड़ी अक्षदीप सिंह पेरिस खेलों का क्वालीफाइंग मार्क पार कर चुके हैं लेकिन उनका नाम प्रवेश सूची में शामिल नहीं है। महिलाओं की 20 किमी पैदल चाल की राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक प्रियंका गोस्वामी ने भी पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है और उनका नाम भी सूची में नहीं है।

गोला फेंक खिलाड़ी तजिंदर पाल सिंह राष्ट्रीय अंतर राज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप से हटे

नई दिल्ली । भारत के गोला फेंक खिलाड़ी तजिंदर पाल सिंह तूर ने टखने में दर्द के कारण राष्ट्रीय अंतर राज्यीय एथलेकिटिक्स चैंपियनशिप से बाहर होने का फैसला किया है। गुरुवार से पंचकुला में शुरू हो रही ये प्रतियोगिता आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का अंतिम मौका है। कुछ दिन पहले तक एशियाई रिकॉर्ड धारक तूर वर्ल्ड रैंकिंग कोटा के जरिए पेरिस खेलों के लिए क्वालिफाई करने की राह पर थे। वह गत एशियाई चैंपियन और एशियाई खेलों के गोल्ड पदक विजेता हैं। हालांकि, अब उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया है। तूर ने पीटीआई को बताया कि अभी उनके टखने में थोड़ा दर्द है जिसकी वजह से डॉक्टर ने सिंह को तीन से चार हफ्तों तक थ्रो नहीं करने की सलाह दी है।

भीषण गर्मी के चलते अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन का स्टैच्यू पिघला

वाशिंगटन। वाशिंगटन डीसी में अत्यधिक गर्मी से गंभीर पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन का मोम का स्टैच्यू पिघल गया है।6 फीट लंबी मोम की प्रतिमा का ऊपरी सिरा पिघलकर नीचे धंस गया है। गर्दन का हिस्सा पूरी तरह नीचे की तरफ झुक गया है। खुले आसमान के नीचे बनी इस प्रतिमा के कई हिस्सों को नुकसान पहुंचा है। बताया जा रहा है कि सप्ताह के आखिर में वाशिंगटन डीसी में तापमान तीन अंक (फारेनहाइट) तक बढ़ गया। भीषण गर्मी के कारण स्टैच्यू का सिर अलग हो गया और उसके बाद पैर अलग हो गए, केवल धड़ ही बचा। वहीं जिस मोम की कुर्सी पर लिंकन का स्टैच्यू बनाया गया था वह भी धंस गई. लिंकन मेमोरियल स्टैच्यू के क्षतिग्रस्त सिर की फिलहाल मरम्मत चल रही है। स्टैच्यू की गर्दन का तार निकला हुआ है जिसे ठीक किया जा रहा है। वर्जीनिया स्थित कलाकार सैंडी विलियम्स द्वारा इस मोम की वैक्स स्टेच्यू को बनाया था। गैर-लाभकारी कल्चर डीसी द्वारा निर्मित यह स्मारक गैरीसन एलीमेंट्री स्कूल के मैदान में स्थित है, जो कभी कैंप बार्कर का स्थल था। यहां एक नागरिक युद्ध-युग का शरणार्थी शिविर था। वर्जीनिया स्थित कलाकार सैंडी विलियम्स ने द्वारा इस मोम की वैक्स स्टेच्यू को बनाया था। यह सिर्फ एक स्टेच्यू ही नहीं बल्कि एक कार्यात्मक मोमबत्ती भी है। वैसे यह पहली बार नहीं है जब कलाकृति को पिघलने की समस्या का सामना करना पड़ा है।बता दें कि इन दिनों भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के कई देशों में भीषण गर्मी पड़ रही है। जिससे लोगों का जीना मुहाल हो गया है। गर्मी का आलम ये है लोग घरों से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। अमेरिका में भी गर्मी का प्रकोप जारी है। जिसका असर वहां के नागरिकों के साथ ही मूर्तियों पर भी पड़ रहा है। अमेरिका में चिलचिलाती गर्मी की वजह से देश के पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की मोम की स्टैच्यू को भी नुकसान पहुंचा है।

ऑस्ट्रेलिया पहुंचे विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे, पत्नी को लगाया गले

वाशिंगटन। विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे बुधवार को ऑस्ट्रेलिया पहुंचे और अमेरिकी जासूसी कानूनों का उल्लंघन करने का दोषी मानने के बाद अपनी पत्नी स्टेला से फिर मिले। इस दलील समझौते ने उनकी 14 साल की कानूनी लड़ाई का अंत कर दिया और अंततः उन्हें आज़ाद कर दिया। जूलियन असांजे कैनबरा हवाई अड्डे पर एक निजी जेट से उतरे, इंतजार कर रहे मीडिया का हाथ हिलाकर स्वागत किया और फिर अपनी पत्नी को जमीन से उठाकर पूरी भावना के साथ चूमा। अदालत में दायर एक पत्र में अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, उनसे गैरकानूनी तरीके से वर्गीकृत राष्ट्रीय रक्षा जानकारी प्राप्त करने और प्रसारित करने की साजिश रचने के जासूसी अधिनियम के आरोप में दोषी ठहराए जाने की उम्मीद है। अपनी याचिका और सजा सुनाए जाने के बाद असांजे के अपने गृह देश ऑस्ट्रेलिया लौटने की उम्मीद है। अभियोजकों ने कहा कि महाद्वीपीय अमेरिका की यात्रा पर असांजे के विरोध और अदालत की ऑस्ट्रेलिया से निकटता के कारण सुनवाई सायपन में हो रही है। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलियाई संपादक और प्रकाशक असांजे को 2010 में तब सुर्खियां मिली जब उनके संगठन विकीलीक्स ने इराक और अफगानिस्तान में अमेरिकी युद्धों से संबंधित लगभग पांच लाख दस्तावेज जारी किए। अमेरिकी सरकार के अनुसार, उन्होंने सैन्य खुफिया विश्लेषक चेल्सी मैनिंग के साथ मिलकर अपनी विकीलीक्स वेबसाइट का उपयोग करके हजारों रिपोर्टों का खुलासा करने की साजिश रची, जिसने विदेशों में अमेरिकी सैन्य कदाचार को उजागर किया।

कराची की सड़कों, नालों और कूड़ेदानों के पास मिल रहा है रहस्यमयी लाशों का ढेर, अभी तक किसी की भी पहचान नहीं, पाकिस्तान में अलर्ट जारी

कराची शहर रहस्यमयी और चिंताजनक प्रवृत्ति से जूझ रहा है, क्योंकि महानगर के विभिन्न इलाकों में मिले अज्ञात शवों की संख्या अब 22 तक पहुंच गई है, जियो न्यूज ने बुधवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तान के गैर-लाभकारी कल्याण संगठन के स्वयंसेवकों के प्रयासों के बावजूद 22 में से किसी भी शव की पहचान नहीं हो पाई है। मंगलवार को पांच नए शव मिले, जिससे अज्ञात मौतों की बढ़ती सूची में इजाफा हुआ है। छीपा वेलफेयर एसोसिएशन के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि उसके स्वयंसेवकों को कराची के विभिन्न इलाकों में पांच और शव मिले हैं। 卐उनमें से तीन नशेड़ी लग रहे थे, हालांकि, अभी तक एक भी शव की पहचान नहीं हो पाई है।卐 जियो न्यूज के अनुसार, छीपा शहर में एंबुलेंस का नेटवर्क चलाते हैं और उन्होंने पुष्टि की है कि अज्ञात शवों की संख्या 22 तक पहुंच गई है। 22 में से करीब दो दर्जन शव अभी भी लावारिस हैं, क्योंकि मृतकों के कोई रिश्तेदार उन्हें लेने नहीं आए।

इन मौतों का कारण क्या है?

कराची में हुई मौतों का कारण बंदरगाह शहर में चल रही भीषण गर्मी को बताया जा रहा है। शहर के कई नागरिक भीषण गर्मी से प्रभावित हुए हैं, जिनमें से कई को हीटस्ट्रोक के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। माना जा रहा है कि शहर में ड्रग्स की समस्या भी है। कराची में ईधी फाउंडेशन के एक अधिकारी अजीम खान ने द न्यूज को बताया कि कराची में मृत पाए गए लोगों में से अधिकांश लोग ड्रग्स के आदी थे, जो ड्रग्स के प्रभाव में अत्यधिक गर्मी के कारण मर गए।

एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, एक वरिष्ठ नागरिक पर भी ड्रग उपयोगकर्ताओं के एक समूह ने क्रूरतापूर्वक हमला किया, जब उसने अपने घर के बाहर खुलेआम ड्रग्स का सेवन करने के बारे में पूछा। यह घटना पाकिस्तान में ड्रग दुरुपयोग की बढ़ती समस्या को रेखांकित करती है, खासकर हाल के दिनों में 'आइस' या क्रिस्टल मेथामफेटामाइन के बढ़ते प्रचलन को। आइस की उपलब्धता में आसानी और अन्य दवाओं की तुलना में इसकी अपेक्षाकृत कम लागत ने युवा पाकिस्तानियों के बीच इसकी लोकप्रियता में योगदान दिया है।

प्रेग्रेंसी में 24 किग्रा से अधिक नहीं बढ़ने देना चाहिए वजन, ताजा अध्ययन के बाद कहा वैज्ञानिकों ने

वाशिंगटन। एक स्टडी की मानें तो सामान्य या कम बॉडी मास इंडेक्स वाली प्रेग्नेंट महिलाओं को प्रेग्नेंसी के दौरान अपना वजन 24 किग्रा से अधिक नहीं बढ़ने देना चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक, इससे गर्भस्थ शिशु के बीमार होने का जोखिम कम होता है। प्रेग्नेंट महिलाओं का वजन कितना होना चाहिए ये निर्धारित करने के लिए वुहान यूनिवर्सिटी के नेतृत्व में रिसर्चर्स ने प्रेग्नेंसी के डेढ़ करोड़ से अधिक आंकड़ों की स्टडी की। निष्कर्षों के आधार पर रिसर्चर्स ने सिफारिश की है कि हाई बीएमआई वाली महिलाओं को प्रेग्नेंसी के दौरान वजन को बरकरार रखने या कम करने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया जाना चाहिए, लेकिन उन्हें इस बात के लिए प्रेरित करना चाहिए कि इस अवधि में वे अपना वजन कम बढ़ने दें। रिसर्च टीम का कहना है कि प्रेग्नेंसी के दौरान हल्की मोटापाग्रस्त महिलाओं को आदर्श रूप से अपना वजन 8-16 किग्रा तक ही बढ़ने देना चाहिए। जांच वुहान यूनिवर्सिटी के झोंगनान अस्पताल के प्रसूति रोग विशेषज्ञ हुइजुन चेन द्वारा की गई। रिसर्चर्स का कहना है कि प्रेग्नेंसी के दौरान अनुचित वजन बढ़ने से प्रतिकूल परिणाम सामने आ सकते हैं।इस स्टडी में 1 करोड़ 58 लाख मातृ-शिशुओं के हेल्थ डेटा का विश्लेषण किया गया। रिसर्चर्स ने पाया कि जिन महिलाओं का वजन प्रेग्नेंसी की शुरुआत में कम या सामान्य था, उनके लिए वजन बढ़ने का आदर्श स्तर 12 से 24 किलो था। अधिक वजन वाली महिलाओं के लिए 10 से 24 किलो था। वहीं, मध्यम मोटापाग्रस्त महिलाओं को आठ से 16 किलोग्राम तक ही वजन बढ़ने देने का सुझाव दिया। बता दें कि आमतौर पर ये कहा जाता है कि प्रेग्नेंसी में महिलाओं के वजन में इजाफा होने लगता है। ऐसा इसलिए भी होता है, क्योंकि इस दौरान गर्भवती महिला की डाइट बढ़ा दी जाती है और फिजिकल वर्क भी काफी कम हो जाता है, इसलिए वजन बढ़ता है।

मिनीसोटा में आई बाढ़ के बीच ही रेपीडेम डेम में जमा हुआ कचरा।

कालापानी, लिपुलेख नेपाल का हिस्सा...पीएम प्रचंड ने भारत के क्षेत्रों को लेकर फिर दिया विवादित बयान

काठमांडू। नेपाल के प्रधान मंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' ने कहा कि उनकी सरकार स्पष्ट और दृढ़ है कि लिंपियाधुरा, कालापानी और लिपु दर्रे सहित महाकाली नदी के पूर्व के सभी क्षेत्र नेपाली क्षेत्रों के अंतर्गत आते हैं। प्रचंड ने प्रतिनिधि सभा में विनियोग विधेयक, 2081 के तहत विदेश मंत्रालय के शीर्षकों पर चर्चा के दौरान सांसदों द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने याद दिलाया कि 1816 में नेपाल और ईस्ट इंडिया कंपनी सरकार के बीच हस्ताक्षरित सुगौली संधि के अनुसार, ये क्षेत्र नेपाल के हैं और इन क्षेत्रों को शामिल करते हुए एक राजनीतिक मानचित्र भी प्रकाशित किया गया है। प्रचंड ने कहा कि अपनी हालिया भारत यात्रा के दौरान, उन्होंने अपने भारतीय समकक्ष नरेंद्र मोदी से सीमा सहित सभी लंबित मुद्दों को जल्द से जल्द हल करने का अनुरोध किया था और प्रधान मंत्री ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी थी और मामले पर आगे बढ़ने पर सहमति व्यक्त की थी।

भारत-नेपाल सीमा विवाद

यह याद रखने योग्य है कि नेपाल की सरकार ने मई 2020 में केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान अपने क्षेत्र में लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा क्षेत्रों को शामिल करते हुए अपने नए राजनीतिक मानचित्र का अनावरण किया था। बाद में संसद ने सर्वसम्मति से इसका समर्थन किया। नेपाल द्वारा मानचित्र जारी करने के बाद, भारत ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे 'एकतरफा कृत्य' बताया और काठमांडू को चेतावनी दी कि क्षेत्रीय दावों का ऐसा 'कृत्रिम विस्तार' उसे स्वीकार्य नहीं होगा। भारत का कहना है कि लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा उसके हैं।

संयुक्त राष्ट्र मंच पर पाकिस्तान ने उठाया कश्मीर मुद्दा

- भारत ने बताया निराधार व कपटपूर्ण बयानबाजी

संयुक्त राष्ट्र(एजेंसी)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र मंच पर कश्मीर मुद्दे को शामिल करने के पाकिस्तान के प्रयास की निंदा की है। भारत के संयुक्त राष्ट्र मिशन के मंत्री प्रतीक माथुर ने कहा कि उसने ऐसा करके मंच का दुरुपयोग निराधार और कपटपूर्ण बयानबाजी करने के लिए किया है, जो आश्चर्य की बात नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं संयुक्त राष्ट्र मंच का कीमती समय बचाने के लिए इन टिप्पणियों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दूंगा।

माथुर ने मंच पर पाकिस्तान का नाम भी नहीं लिया। इसलिए पाकिस्तान को जवाब देने का अधिकार नहीं मिला। कश्मीर का मुद्दा संयुक्त राष्ट्र में चर्चा का विषय नहीं था, इसलिए पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि मुनीर अकरम इसे बार-बार फिलिस्तीन से जोड़ने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने ऐसा ही किया, लेकिन इसका कोई असर नहीं हुआ। पिछले साल संयुक्त राष्ट्र महासभा की एक बैठक में पाकिस्तान के अलावा केवल एक ही देश ने कश्मीर का उल्लेख किया था। 191 देशों ने इसे अनदेखा कर दिया था। यहां तक कि तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने भी इस पर एक हल्की टिप्पणी की थी। उन्होंने इतना कहा था कि भारत और पाकिस्तान द्वारा बातचीत के जरिए से विवाद को हल करने से दक्षिण एशिया में शांति, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा।

पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने भी माना था कि इस्लामाबाद संयुक्त राष्ट्र में अपने मुद्दे के लिए समर्थन नहीं जुटा पा रहा है। भारत का कहना है कि कश्मीर का मुद्दा और दूसरे सभी विवाद दोनों देशों के बीच हुए 1972 के शिमला समझौते के तहत द्विपक्षीय मामले हैं, जिस पर जुल्फिकार अली भुट्टो, जो उस समय पाकिस्तान के राष्ट्रपति थे, और भारत की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने हस्ताक्षर किए थे। कश्मीर में जनमत संग्रह के लिए सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव पर इस्लामाबाद एक महत्वपूर्ण बात की अनदेखी करता है कि उसे पहले कश्मीर के सभी क्षेत्रों से हटना होगा, जिस पर उसने कब्जा कर रखा है।

क्या परमाणु हमले की तैयारी कर रहा रूस? पुतिन करेंगे परमाणु सिद्धांत में बदलाव

मॉस्को (एजेंसी)। रूस अपने परमाणु हथियारों को इस्तेमाल करने वाली नीति में बदलाव करने जा रहा है. ऐसा करने के बाद रूस कम समय में परमाणु हमला करने का निर्णय ले सकेगा। रॉयटर्स ने स्टीवर्ट के हवाले से कहा कि यह उनकी संज्ञानात्मक क्षमता का एक अविश्वसनीय परीक्षण है। यह हमारे लिए यह देखने का मौका है कि उनमें कितनी गिरावट आई है या उन्होंने गिरावट की है या नहीं। बाइडेन वर्तमान में कैंप डेविड में हैं, अपने पूर्व चीफ ऑफ स्टाफ रॉन क्लेन के नेतृत्व में अपने सहयोगियों के साथ बहस की तैयारी पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। क्लैन ने मार्च में बिडेन के स्टेट ऑफ द यूनियन भाषण की तैयारी में भी सहायता की।

संसद की रक्षा समिति के अध्यक्ष ने कहा कि अगर मॉस्को को लगता है कि खतरे बढ़ रहे हैं, तो रूस, दुनिया की सबसे बड़ी परमाणु शक्ति, परमाणु हथियारों के उपयोग के लिए आधिकारिक नीति में निर्धारित निर्णय लेने के समय को कम कर सकता है। यूक्रेन में युद्ध ने 1962 के क्यूबा मिसाइल संकट के बाद से रूस और पश्चिम के बीच सबसे बड़े टकराव को जन्म दिया है, राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पिछले महीने कहा था कि रूस उन शर्तों को निर्धारित करते हुए अपने आधिकारिक परमाणु सिद्धांत को बदल सकता है जिनके तहत ऐसे हथियारों का इस्तेमाल किया जा सकता है। रूसी संसद के निचले सदन की रक्षा समिति के प्रमुख आंद्रेई कार्तपोलोव को राज्य समाचार एजेंसी आरआईए ने यह कहते हुए उद्धृत किया कि अगर खतरे बढ़ते हैं तो ऐसे हथियारों के इस्तेमाल के लिए निर्णय लेने का समय बदला जा सकता है। आरआईए ने कार्तपोलोव के हवाले से कहा, 'अगर हम देखते हैं कि चुनौतियां और खतरे बढ़ते हैं, तो इसका मतलब है कि हम परमाणु हथियारों के इस्तेमाल के समय और इसे इस्तेमाल करने के निर्णय के संबंध में (सिद्धांत) में कुछ सुधार कर सकते हैं।

केन्या में हुई हिंसा में अब तक 23 लोगों की मौत, प्रदर्शन का क्या है ओबामा कनेक्शन?

वाशिंगटन (एजेंसी)। केन्या में हजारों प्रदर्शनकारियों ने संसद में तोड़फोड़ मचा दी है। हिंसा में अब तक 23 लोगों की मौत की खबर सामने आई है। केन्या की विधानसभा में घुसने की कोशिश कर रहे प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने गोलियां चला दीं, जिसमें कम से कम पांच प्रदर्शनकारी मारे गए, दर्जनों घायल हो गए और संसद भवन के कुछ हिस्सों में आग लगा दी गई। केन्याई कार्यकर्ता औमा ओबामा, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा की सौतेली बहन, नैरोबी में संसद भवन के बाहर प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों में से एक थीं।

भारत ने जारी की एडवाइजरी

भारत ने केन्या में कर वृद्धि के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शन के हिंसक हो जाने के बाद अपने नागरिकों को 'अत्यधिक सावधानी' बरतने की सलाह दी। केन्या में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने एक सलाह जारी करते हुए कहा कि मौजूदा तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए, केन्या में सभी भारतीयों को अत्यधिक सावधानी बरतने, गैर-जरूरी आवाजाही को प्रतिबंधित करने और स्थिति साफ होने तक विरोध और हिंसा से प्रभावित क्षेत्रों से बचने की सलाह दी जाती है।

केन्या में क्यों बिगड़े हालात

प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति रूटों पर आरोप लगाया है कि उन्होंने 2022 में राष्ट्रपति बनने के बाद जनता के साथ धोखा किया है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि रूटों ने गरीबों की मदद करने का वादा किया था। उन्होंने टैक्स न बढ़ाने और लोन की लागत को कम करने के लिए सरकार के नए विधेयक को खारिज करने की बात कही थी। प्रदर्शनकारियों ने वित्त वधेयक को वापस लेने की मांग की और रूटो के प्रशासन को चेतावनी दी है कि वह सत्ता से उसे बाहर कर देंगे। फिलहाल हालत गंभीर और तनावपूर्ण है। कई जगह सड़कों पर भी आगजनी देखने को मिल रही है।

जो अमेरिका जैसा देश नहीं कर सका वो चीन ने कर दिखाया

- चांद के सुदूर हिस्से की मिट्टी धरती पर लाया, अब खुलेंगे कई राज

बीजिंग (एजेंसी)। चीन जो अक्सर दुनिया में सबसे आगे रहने की होड़ में लगा रहता है खासकर वह अमेरिका से आगे रहना चाहता है। इस बार उसने एक कारनामा कर दिखाया है जिसे अमेरिका क्या दुनिया का कोई देश नहीं कर सका। चीन ने चंद्रमा के सुदूर हिस्से की मिट्टी का सैंपल लेकर धरती पर लौटा आया है। चांग ई-6 मंगलवार को इनर मंगोलिया के रेगिस्तान में उतरा। वैज्ञानिक चांग ई-6 का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि ये सैंपल हमारे ग्रह के निर्माण से जुड़े रहस्यों का खुलासा करेंगे। बता दें चंद्रमा का सुदूर हिस्सा वह होता है, जो पृथ्वी से दिखाई नहीं देता। चीन दुनिया का एकमात्र देश है जो यहां पर उतरा और सबसे पहले 2019 में इसके अंतरिक्ष यान ने लैंडिंग की थी।

पृथ्वी से न दिखने, दूरी और विशाल गड्ढों वाला चांद का यह कठिन इलाका होने के कारण यहां पर जाना चुनौतीपूर्ण है। यह चांद का वह क्षेत्र है, जिसके बारे में बेहद कम खोज हुई है। वैज्ञानिकों की इसमें रुचि भी है। चीन कई सालों से लगातार चंद्रमा से जुड़े मिशन को आगे बढ़ा रहा है। चांग ई-6 चीन के लिए गर्व की बात है। चीन के चंद्रमा मिशन ने नासा का भी ध्यान अपनी ओर खींचा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंगोलिया के रेगिस्तान में चांग ई-6 कैप्सूल के उतरने के बाद अधिकारियों ने चीनी झंडा फहराया। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस कामयाबी के लिए चांग ई-6 मिशन की टीम को बधाई दी है। जिनपिंग ने उम्मीद जताई है कि वे गहरे अंतरिक्ष की खोज जारी रखेगा और ब्रह्मांड के रहस्यों को सुलझाने में नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि इस खोज से मानवता को लाभ मिलेगा और देश आगे बढ़ेगा। चांग ई-6 मई की शुरुआत में चांद पर गया था। कुछ सप्ताह बाद वह चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के करीब एक क्रेटर में सफलतापूर्वक उतरा। ये मिशन 53 दिनों तक चला।

रिपोर्ट के मुताबिक कैप्सूल को बीजिंग भेजा जाएगा और नमूने वहां निकाले जाएंगे। चांग ई-6 चीन का छठा मिशन है। सुदूर क्षेत्र में उतरने का यह उसका दूसरा मिशन है। चीन के अंतरिक्ष यान ने एक रोबोटिक की मदद से चांद की मिट्टी और चट्टानों को भरा। सतह की कुछ तस्वीरें भी ली और एक चीनी झंडा भी लगाया। रिपोर्ट के मुताबिक स्कॉटलैंड की खगोलशास्त्री कैथरीन हेमैन्स ने उम्मीद जताई की सैंपल यह जानने में मदद करेगा कि आखिर 4.5 अरब साल पहले चंद्रमा का निर्माण कैसे हुआ और क्या इसका कारण पृथ्वी के साथ टक्कर थी? इसके अलावा पिछले हिस्से में कई महत्वपूर्ण खनिज हो सकते हैं।

सऊदी अरब में आया परिवर्तनकारी बदलाव, युवा कर रहे डेटिंग, महिलाओं को मिली आजादी

-बदलाव के पीछे क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की अच्छी सोच

रियाद (एजेंसी)। दशकों बाद अब सऊदी अरब में परिवर्तनकारी बदलाव आ रहे हैं। सऊदी अब अपनी युवा पीढ़ी को उन बंधनों से आजाद कर रहा है, जो पिछली कई पीढ़ियों को अपने सपने पूरा करने से रोकते थे। सऊदी के युवा अब अपनी पसंद के करियर को आगे बढ़ा सकते हैं और मनोरंजन स्थलों पर घूम रहे है, जहां पुरुषों और महिलाओं को आपस में मिलने-जुलने की इजाजत है। ये ऐसी सामाजिक स्वतंत्रताएं हैं, जिन्हें लंबे समय तक सऊदी के समाज में अच्छा नहीं माना जाता था।

सऊदी महिलाओं को खासतौर से बीते सालों में कई अधिकार मिले हैं जिसमें ड्राइविंग, शैक्षिक और यात्रा विकल्पों में आजादी है। आर्थिक, कानूनी

और सामाजिक परिवर्तनों ने महिलाओं के अधिकारों को व्यापक सुधार एजेंडे के तहत बदला गया है। इन बदलावों के पीछे क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की अच्छी सोच है। मोहम्मद बिन सलमान को 2015 में उनके पिता किंग सलमान बिन अब्दुलअजीज के सिंहासन पर बैठने के दो साल बाद क्राउन प्रिंस बनाया था। इसके बाद उनके हाथ में ही सऊदी की सत्ता आ गई।

एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल वर्कफोर्स में महिलाओं की भागीदारी 36 फीसदी तक पहुंच गई, जो 2016 के आंकड़े से दो गुना ज्यादा है। ऐसा कानूनों में ढील के कारण हुआ है। अब सऊदी में 21 साल से ज्यादा की महिलाओं को घर से बाहर जाने, विवाह का पंजीकरण कराने या पासपोर्ट के लिए किसी पुरुष या रिश्तेदार की इजाजत की जरुरत नहीं है। आए बदलाव को कार्यस्थल, पारिवारिक जीवन और डेटिंग और विवाह जैसे जगहों पर देखा जा सकता है।

सऊदी में यह ऐतिहासिक परिवर्तन मोहम्मद बिन सलमान के विजन 2030 कार्यक्रम से प्रेरित है, जो कि 2016 में शुरू किया गया एक ट्रिलियन डॉलर का मास्टर प्लान है। इसका उद्देश्य तेल पर निर्भरता को कम करना और अर्थव्यवस्था को एक क्षेत्रीय व्यापार और निवेश के रूप में विविधता प्रदान करना है। एक रिपोर्ट में विश्व बैंक ने कुछ ही सालों में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने में सऊदी अरब की उपलब्धियों का जिक्र किया है। वाशिंगटन में सऊदी अमेरिकी जनसंपर्क मामलों की समिति के संस्थापक और अध्यक्ष सलमान अल अंसारी कहते हैं कि पारंपरिक धार्मिक पाठ्यक्रम को बहुत महत्व देने वाले कुछ लोग इन बदलावों को लेकर चिंतित हैं लेकिन युवा पीढ़ी को वैश्वीकृत अर्थव्यवस्था के लिए तैयार करने के लिए इन परिवर्तनों की जरुरत है। सऊदी महिलाओं की महत्वाकांक्षाओं की बढ़ती स्वीकृति और प्रोत्साहन का अर्थ है कि परिवार अब अपनी बेटियों की उपलब्धियों का जश्न मनाते हैं, जो एक अधिक प्रगतिशील सामाजिक मानसिकता को दर्शाता है। इस बदलाव के परिणामस्वरूप महिलाओं के लिए एक व्यापक समर्थन नेटवर्क का निर्माण हुआ है, जो जीवन के सार्वजनिक और पेशेवर क्षेत्रों में उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करता है।

जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था में विविधता आ रही है और समाज खुल रहा है। युवा सउदी उभरते सांस्कृतिक, विरासत और पर्यटन क्षेत्रों में सरकार के लिए काम करने के लिए राजधानी रियाद की ओर रुख कर रहे हैं। गल्फ स्टेट्स इंस्टीट्यूट के दीवान कहते हैं कि नए मंत्रालयों और एजेंसियों में युवाओं की भागीदारी चौंकाने वाली है। सऊदी महिलाएं घर से दूर जाने, अपने परिवार की निगरानी के बिना स्वतंत्र रूप से रहने और काम करने के अवसर को भुना रही हैं। युवा अब डेटिंग ऐप जैसी सुविधाओ का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। इसने कहीं ना कहीं धार्मिक कट्टरपंथियों को भी कर कर दिया है।

अंसारी ने कहा कि सुधारों ने सऊदी लोगों के दैनिक जीवन में अहम बदलाव किया है। सऊदी अरब के परिवर्तन के कुछ तत्व हैं जो अन्य मुस्लिम बहुल देशों मलेशिया और इंडोनेशिया के साथ समानताएं दर्शा सकते हैं। उन्होंने कहा कि उदार इस्लाम, आधुनिकीकरण और आर्थिक विविधीकरण पर सऊदी का जोर मलेशिया के विकास मॉडल के कुछ पहलुओं को प्रतिध्वनित करता है।

संक्षिप्त खबरें

उपायुक्त ने जागरूकता रथ को किया रवाना

चाईबासा। बुधवार को जिला समाहरणालय परिसर से जिला उपायुक्त कुलदीप चौधरी के द्वारा जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। जागरूकता वाहन अपनी नियमित रूथ चार्ट के अनुसार जिले के सभी 18 प्रखंड में जाकर जिला वासियों को शुद्ध पेयजल पीने, पेयजल का बबार्दी न करने, शौचालय का समुचित प्रयोग करने, कचरे का प्रबंधन, गंदगी न फैलाने को लेकर ऑडियो/वीडियो के माध्यम से जागरूक करेगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप कार्यपालक अभियंता, चाईबासा, चक्रधरपुर जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पारा शिक्षकों ने जगन्नाथपुर विधायक सोना राम सिकू को सौंपा ज्ञापन

चाईबासा। एकीकृत सहायक अध्यापक मोर्चा के बैनर तले राज्य के पारा शिक्षकों का चरण बाध्य आंदोलन शुरू हो चुका है ।प्रथम चरण में आज 26जून को सभी सत्ताधारी दलों के विधायको मंत्रियों को पारा शिक्षक ज्ञापन सौंपेंगे ।जगन्नाथपुर और नोवा मुंडी प्रखंड के पारा शिक्षक आज जगन्नाथपुर विधायक सोना राम सिकु के निजी आवास पर सांकेतिक धरना दिए और अंत में सरकार के नाम एक लिखित ज्ञापन दिया गया विधायक सोना राम ने पारा शिक्षकों को दिल से आदर सत्कार किया ।उनकी मांगों को गंभीरता के साथ सरकार के पास रखने की बात कही ।इस अवसर पर अपने एक मांग वेतन मान को लेकर दोनो प्रखंड के लगभग सभी पारा शिक्षक आंदोलित हो गए है ।विधायक के आवास पर धरना और ज्ञापन प्रस्तुतिकरण में काफी संख्या में पारा शिक्षक उपस्थित थे ।मुख्य रूप से जगन्नाथपुर प्रखंड अध्यक्ष वीरेंद्र कराई,प्रखंड सचिव सुको कुम्हार,नोवा मुंडी प्रखंड अध्यक्ष पुरुषोत्तम कु,वरिष्ठ शिक्षक गणेश गोप ,नीलम तिरिया , रामधन, त्रिभूषणआदि सहित भारी संख्या में महिला पुरुष पारा शिक्षक उपस्थित थे।

रन फॉर ड्रग फ्री झारखंड थीम पर मैराथन दौड का किया गया आयोजन

चाईबासा। चक्रधरपुर अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत देवी फ्यूल स्टेशन पोटका से पोड़ाहाट स्टेडियम तक लगभग 05 किमी तक चक्रधरपुर अनुमंडल पदाधिकारी सुश्री रीना हांसदा के नेतृत्व में मादक पदार्थों के दुरुपयोग को समाप्त करने के उद्देश्य से ≈रन फॉर ड्रग फ्री झारखंड≈ थीम पर मैराथन दौड का आयोजन किया गया। मैराथन दौड़ के माध्यम से जिले के सभी नागरिकों को यह संदेश दिया गया कि नशापान सेहत के लिए बहुत हानिकारक होता है। इससे बचें साथ ही साथ युवा पीढ़ी को नशा मुक्त करने में सहयोग स्थापित करें। चक्रधरपुर अनुमंडल पदाधिकारी ने मौके पर सम्बोधित करते हुई कहा कि झारखंड सरकार के द्वारा 19 जून से 26 जून तक मादक पदार्थ के विरुद्ध व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। हम सभी को इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए और नशे के विरुद्ध जारी लड़ाई में अपना योगदान देना चाहिए। नशा किसी भी समाज को पूर्णता बर्बाद कर देता है। हमें खुद को और युवा पीढ़ी को नशे की लत से दूर रहने के लिए प्रेरित भी करना चाहिए। कार्यक्रम के उपरांत सभी को अनुमंडल पदाधिकारी चक्रधरपुर के द्वारा नशे के विरुद्ध शपथ ग्रहण भी कराया गया। आज के कार्यक्रम में बेहतर योगदान देने के लिए स्कूली बच्चों में पुरुष वर्ग के गुरुचरण बोदरा को प्रथम, सुशील बंदिया को द्वितीय, सुरसिंह सिजुई को तृतीय और महिला वर्ग में शिवानी त्रिपाठी को प्रथम, कोमल सलैया को द्वितीय, सुष्मरानी गोप को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।कार्यक्रम में मुख्य रूप से सहायक समाहर्ता अर्नब मिश्रा, प्रखंड विकास पदाधिकारी चक्रधरपुर गिरजानंद किस्कु, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद राहुल यादव, जिला खेल पदाधिकारी सुश्री रूपा रानी तिर्की सहित अन्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में टीएलएम का महत्वपूर्ण भूमिका: उपायुक्त

बिभा संवाददाता

चाईबासा: निपुण समागम - 2024 कार्यक्रम के तहत जिला स्तरीय शिक्षण अधिगम सामग्री (टीएलएम) मेला जिला स्कूल प्लस टू विद्यालय प्रांगण में आयोजित किया गया। जिसमें जिले के सभी प्रखंडों की ओर से आकर्षक एवं रोचक टीएलएम का प्रदर्शन किया गया ।मेला का उद्घाटन उपायुक्त कुलदीप चौधरी बतौर मुख्य अतिथि,विशिष्ट अतिथिगण डीडीसी संदीप कुमार मीणा, जिला शिक्षा पदाधिकारी टोनी प्रेमराज टोप्पो, जिला शिक्षा अधीक्षक अजय तोपनो और जिला खेल पदाधिकारी रुपा रानी तिर्की ने दीप प्रज्वलित कर किया ।अतिथियों ने जिले के प्रखंडों द्वारा निर्मित टीएलएम का अवलोकन किया ।अतिथियों ने बच्चों के पठन-पाठन हेतु समझ स्पष्ट करने में सहायक टीएलएम बनाने वाले शिक्षिक-शिक्षिकाओं एवं प्रधान शिक्षकों का सराहना किया और कई सुझाव भी दिया ।कार्यक्रम में उपायुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा,साक्षरता दर बढ़ाने एवं छीजन दर घटाने में टीएलएम का काफी महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने कहा कि हम आंकड़े की प्रगति पर नहीं, बल्कि बच्चे समाज के अच्छे नागरिक के रुप में स्थापित करने का प्रयास करें ।इसके लिए बेहतर तरीके से शिक्षण सामग्रियों का उपयोग हो ।कार्यक्रम का छात्रा अपराजिता सिंकू के स्वर सरस्वती वंदना व केजीबीवी के छात्राओं के स्वागत गीत से हुआ ।टीएलएम निर्माण में प्रथम तांतनगर द्वितीय नोवामुंडी तृतीय स्थान सदर प्रखंडों ने ऑवरऑल स्तर पर पुरस्कृत किया गया। इसके विषय विशेष पर हाटगम्हरिया, चक्रधरपुर, आनंदपुर और मनोहरपुर प्रखंडों की टीम चयन किया गया। चयनित टीएलएम आगामी 4 से 6 जुलाई तक खेलगांव के टाना भगत स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय निपुण समागम में प्रदर्शित किया जाएगा। टीएलएम मेला कार्यक्रम में एडीपीओ अमित मुखर्जी,एपीओगण रघुवर तिवारी,अजय कुंडु,अनूप जयसवाल समेत काफी संख्या विभिन्न प्रखंडों शिक्षक -शिक्षिकाएं व छात्र- छात्राएं उपस्थित थे ।कार्यक्रम में संजय कुमार जारिका, विद्यासागर लागुरी और मंगल सिंह मुंडा ने अपने मधुर गीतों से उमस भरी मौसम में माहौल को खुशनुमा बनाया।

मेला में बेहतर टीएलएम का चयन अनुभवी शिक्षकों संजय कुमार जारिका,विमल किशोर बोयपाई, कृष्णा देवगम,संजीव कुमार बालमुचू,शंभू सिंह महतो, हरिनारायण सिन्हा,मंगल सिंह मुंडा,विद्यासागर लागुरी,प्रेमजीत सिंह और ज्योति बसु बारिक निर्णायक की भूमिका में थे ।मंच संचालन कृष्णा देवगम, संजीव कुमार बालमुचू और गिरिश सांडिल ने किया।

बिहार में पत्रकार की हत्या सरकार के गाल पर तमाचा है: प्रीतम भाटिया

जादूगोड़ा: ऑल इंडिया स्मॉल एंड मीडियम जर्नलिस्ट वैलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव प्रीतम सिंह भाटिया ने बिहार में पत्रकार शिव शंकर झा की हत्या पर कड़ी प्रतिक्रिया जताई है.भाटिया ने ट्विटर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भी टैग कर घटना की निंदा की है.उन्होंने खुलकर लिखा है कि देश में पत्रकार सुरक्षा कानून और बीमा भूलकर नेता अपने वेतन,पेंशन,आवास और आकर्षक माहौल बनाने में व्यस्त हैं.उन्होंने कहा कि पत्रकारों की हत्याएं होती रहेंगी,फर्जी मामले भी दर्ज होते रहेंगे लेकिन सत्ता और विपक्ष मुद्दे पर चुप्पी साध कर बस आश्वासन और तारीख पर तारीख देते रहेंगे.उन्होने कहा कि बिहार के मुजफ्फरपुर में पत्रकार शिव शंकर झा की हत्या सरकार के गाल पर तमाचा है ।

तांतनगर मुख्य पथ से माडल स्कूल तांतनगर जाने वाली सड़क में 1.400 किमी. पीसीसी पथ निर्माण का विधायक निरल पूर्ति ने किया शिलान्यास

तांतनगर मुख्य पथ से माडल स्कूल जाने में अब नहीं होगी परेशानी: निरल पूर्ति

बिभा संवाददाता

चाईबासा। तांतनगर प्रखंड के तांतनगर मुख्य पथ से माडल स्कूल जाने वाली सड़क में विद्यार्थियों और ग्रामीणों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। यह बातें तांतनगर प्रखंड के तांतनगर मुख्य पथ से माडल स्कूल तांतनगर जाने वाली सड़क में 1.400 किमी. पीसीसी पथ निर्माण का शिलान्यास करते हुए बुधवार को मझगांव विधानसभा के लोकप्रिय विधायक निरल पूर्ति ने कहा कि मुख्य पथ से मॉडल स्कूल जाने के लिए पीसीसी सड़क की आवश्यकता थी, इसको लेकर स्थानीय ग्रामीण मुझसे मिलकर पीसीसी सड़क निर्माण की मांग किये । इसके बाद मैं खुद स्थल निरीक्षण कर विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए यहां पीसीसी सड़क निर्माण करने की स्वीकृति दिए। जिससे स्थानीय ग्रामीण और विधार्थियों को स्कूल तक पहुंचने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इसी के तहत आज पीसीसी सड़क का शिलान्यास किया गया है। इस सड़क के बन जाने से लोगों को आने जाने में काफी आसानी होगी। खासकर बरसात के समय लोग इस सड़क से पार नहीं हो सकते थे, लेकिन अब वह समस्या नहीं रहेगी। विधायक ने कहा कि मझगांव विधानसभा का सर्वांगीण विकास किया जा रहा है । इसके लिए प्रत्येक प्रखंड में मैं खुद पहुंचकर लोगों से उनकी समस्या और समाधान के बारे में जानकारी प्राप्त कर रहे हैं । जिससे लोगों को सभी सुविधा प्रदान किया जा सके । विधायक ने कहा कि झारखंड सरकार राज्य में विकास की नई परिभाषा लिख रही है, उसमें हम सभी की भागीदारी बहुत जरूरी है । सरकार के द्वारा दी जाने वाली योजना का लाभ सही व्यक्ति तक पहुंचे इसके लिए हमें लाभुकों का सही चयन कर उन तक लाभ पहुंचाना चाहिए। झारखंड मुक्ति मोर्चा के एक-एक कार्यकर्ता इस अभियान में लगे हुए हैं। जिससे सरकार के द्वारा दी जाने वाली योजना सही लोगों तक पहुंच सके। मझगांव विधानसभा में सभी विकास कार्य काफी तेजी के साथ किया जा रहा है। सड़क, बिजली, पानी, आवास, स्वस्थ आदि की सुविधा सुदरवर्ती क्षेत्र तक पहुंचाने की जिम्मेदारी मेरी है। स्थानीय जनप्रतिनिधि होने के नाते लोगों के हर समस्या का समाधान करने के लिए तैयार हैं । इस मौके पर जिला परिषद सदस्य, मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, ग्रामीण मुंडा, झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ता समेत अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

पलायन रोकने हेतु झारखंड सरकार जनकल्याणकारी योजनाएं धरातल पर लाए : महेन्द्र जामुदा

बिभा संवाददाता

चाईबासा। गुदड़ी प्रखंड के टोमडेल पंचायत के चिरूग गाँव मे झारखण्ड पार्टी के पंचायत अध्यक्ष जोनसन हेम्बोम कि अध्यक्षता में एक बैढ़की हुई.जिसमे केंद्रीय सचिव सह अधिवक्ता महेंद्र जामुदा उपस्थित हुए और गांव की समस्याओं से अवगत हुए, गांव में पानी की समस्या है.और बीमार होने पर लोग रानियां जाते है.गुदडी प्रखण्ड में स्वास्थ्य केंद्र नहीं होने के कारण बहुत दिक्कत का सामना करना पड़ता है, नौजवान साथी शिक्षित तो है पर पलायन के लिए मजबूर हो रहे हैं.सरकार की ओर से पलायन को रोकने के लिए कोई उचित रोड मैप नहीं है.प्रखंड बन जाने के बाद भी लोगों को जाति प्रमाण पत्र से लेकर आवासीय प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, जन्म, मृत्यु का प्रमाण पत्र बनाने के लिए सोनुवा प्रखंड आना पड़ता है.जो कि लगभग 60 से 70 किलोमीटर दूर है.गांव से कोई गाड़ी भी नहीं चलता है, जो लोग समर्थ है उनके पास दो पहिया वाहन है, अन्य लोग भी किसी न किसी अन्य के सहारे पर निर्भर है, क्षेत्र में अच्छे हॉकी के खिलाड़ी भी है.लेकिन सरकार उनको प्रोत्साहन नहीं दे पा रही है, जो मनोहरपुर विधानसभा के लिए दुर्भाग्य की बात है.इस बार आने वाले विधानसभा चुनाव में ग्रामीणों ने झारखण्ड पार्टी का साथ देन की सहमति जताई.मौके पर मसीदास तोपनो, हेरमन हेम्ब्रोम, नुवाल हेम्बोम, हेरमन तोपनो, जोहन तोपनो, दिलबर तोपनो, विनोद तोपनों, सुनिल तोपनो, अनिल हेम्ब्रोम आदिगण मौजूद थे.

नशीली दवाओं का दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतराष्ट्रीय दिवस मनाया

बिभा संवाददाता

जादूगोड़ा: जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव राजेंद्र प्रसाद के निर्देश पर पोटका प्रखंड अंतर्गत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय पोटका में छात्राओं के साथ ≈नशीली दवाओं का दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतराष्ट्रीय दिवस मनाया गया। स्कूली बच्चियों को आज के दिन इस दिवस को मानने का महत्व को बताया गया 7 दिसंबर 1987 को आयोजित संयुक्त राष्ट्र की 93 वी पूर्ण बैठक के बाद 13 दिसंबर 1985 को पारित अपने संकल्प 40/122 को वापस लेते हुए हर साल 26 जून को नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतराष्ट्रीय दिवस≈ के रूप में मनाया जाने लगा। ये दिवस हम सब को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के जाल से लड़ने के लिए प्रेरित करता है। खरीद बिक्री के उद्देश्य से अगर किसी व्यक्ति को नशीले पदार्थ को रखते हुए पकड़ा जाता है तो एनडीपीएस एक्ट के तहत दस साल से ले कर बीस साल तक सजा हो सकती है साथ ही एक लाख से दो लाख तक का जुमार्ने का भी प्रावधान है ।मौके पर ङ्गङ्खङ्ग के वार्डन ललिता कुमारी,रूमा हलदार, लीगल लिटरेसी की संयोजका सुचित्रा कुमारी, डालसा के पी एल वी चयन कुमार मंडल,डोबो चाकिया,छाकू माझी आदि मौजूद थे।

आदिवासी हो समाज महासभा केंद्र समिति के द्वारा अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर चाईबासा में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बिभा संवाददाता

चाईबासा। आदिवासी हो समाज महासभा केंद्र समिति के द्वारा अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस 2024 के अवसर पर स्थानीय गवर्नमेंट सेकेंडरी स्कूल,टाटा कॉलेज कॉलोनी, चाईबासा में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित की गई । आज के कार्यक्रम में सर्वप्रथम विद्यालय के प्रधानाध्यापक उपेंद्र सिंह द्वारा महासभा के पदाधिकारी का स्वागत करते हुए बच्चों को जानकारी दी गई कि आज हम सब यहां क्यों उपस्थित हुए हैं। इसके बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महासभा के अध्यक्ष मुकेश बिरूवा जी ने बताया कि नशा पान रोकने हेतु जीवन में अनुशासन कितना महत्वपूर्ण है। छात्र जीवन से ही हमें अनुशासन में रहना चाहिए और दैनिक जीवन में दिनचर्या हमारा ऐसा होना चाहिए कि थोड़ा भी वक्त गलत काम या आदत के विकास के लिए ना मिले।छात्र जीवन में तभी अनुशासित होकर छात्र अपने लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं और बुरे व्यसन से मुक्त रह सकते हैं। उपाध्यक्ष बामिया बारी ने अपनी संबोधन में बच्चों को नशा के विभिन्न प्रकार के बारे में विस्तार से बताया। इसके बाद महासभा के महासचिव सोमा कोड़ा जी ने इससे होने वाले गंभीर बिमारियों एवं दुष्परिणाम के बारे में बच्चों को विस्तार से बताया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महासभा के अन्य पदाधिकारी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस 07 दिसम्बर 1987 को संयुक्त राष्ट्र महासभा के द्वारा शुरू की गई ताकि दुनिया में नई पीढ़ी को नशा से बचाकर भविष्य के लिए स्वस्थ जीवन एवं भविष्य निर्माण पर उनकी सहभागिता को सुनिश्चित करना रहा ।

अन्य आए हुए वक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखें। जिसमें नशा निरोधक के बारे में विस्तार पूर्वक बच्चों को बताया गया कि अनुशासन, माता-पिता एवं अभिभावकों का बात सुनना, शिक्षकों द्वारा बताए गए अच्छे मार्ग का अनुसरण करना , अच्छी संगति , खेलकूद व्यायाम एवं योग को अपनाकर बच्चे जीवन में नशा मुक्त समाज एवं राष्ट्र का निर्माण के निर्माण में अपनी सहभागिता निभा सकते हैं । आज के कार्यक्रम में महासभा से मुकेश बिरुवा, बामिया बारी, सोमा कोड़ा, चैतन्य कुंकल एवं मानसिंह सामड, प्रधानाध्यापक उपेंद्र सिंह , शिक्षक गण एवं कक्षा 6 से 8 तक के लगभग 100 बच्चे उपस्थित रहे। अंत में कार्यक्रम के संयोजक श्री छोटेलाल तामसोय सकारात्मक सहयोग के लिए विद्यालय प्रबंधन, प्रधानाध्यापक एवं उपस्थित बच्चों को प्यार एवं स्नेह के साथ धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस अवसर पर बनाया गया चित्रांकन प्रतियोगिता के लिए बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया।

कोल्हान विवि के सभागार में मादक पदार्थ के विरुद्ध जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

बिभा संवाददाता

चाईबासा। बुधवार को कोल्हान विश्वविद्यालय के सभागार में मादक पदार्थ के विरुद्ध जिले में 19 जून से 26 जून तक चलाए जा रहे अभियान को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ जिला उपायुक्त कुलदीप चौधरी के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। जिला उपायुक्त के द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी को संबोधित करते हुए कहा गया कि मुख्यमंत्री के निर्देशन पर राज्य भर में 19 जून से 26 जून तक मादक पदार्थ के विरुद्ध व्यापक अभियान चलाया जा रहा हैं। इस आलोक में आज हम सभी इस जिला स्तरीय कार्यक्रम में सम्मिलित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थ के दुष्परिणाम से हम सभी कोई अवगत है। पहले के दौर में नशापान एक विशेष आयुवर्ग में देखा जाता रहा है। पर आज के दौर में छोटे आयुवर्ग के लोग भी नशापान का शिकार होते जा रहे हैं। जो आज के समाज के लिए बेहद चिंता का विषय है। नशापान किसी भी परिवार को पूर्णता बर्बाद कर सकता है। हम सभी को इसके विरुद्ध बढ़-चढ़कर भाग लेकर इसे जड़ से खत्म करने में अपना योगदान अवश्य देना चाहिए। उन्होंने कहा कि नशा करके गाड़ी चलाने के कारण भी कई दुर्घटनाएं घटती हैं, साथ ही साथ नशा वाले ड्राइवर से सड़क पर चलने वाले दूसरे व्यक्ति को भी खतरा होता है। उन्होंने सभी से अपील किया कि किसी भी व्यक्ति को अवैध मादक पदार्थ का सेवन/ उत्पादन या खेती करते हुए अगर देखा जाता हैं, तो उसकी सूचना अपने निकटतम थाना या अंचल में अवश्य दें संबंधित आरोपी पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अपर उपायुक्त परियोजना निदेशक आईटीडीए, पुलिस उपाधीक्षक, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग, सभी बल विकास परियोजना पदाधिकारी, सभी महिला पर्यवेक्षिका, सेविका, छात्र-छात्राएं और शिक्षक सहित अन्य उपस्थित रहे।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

बिभा संवाददाता

चाईबासा। जिला समाहरणालय स्थित सभागार में जिला उपायुक्त के निदेर्शानुसार अपर उपायुक्त कमलेश्वर नारायण की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गयी बैठक में जिले के सड़क सुरक्षा के साझेदार विभाग के पदाधिकारी एवं अन्य विभाग के पदाधिकारी के साथ सरकारी गैर सरकारी संगठन के सड़क सुरक्षा के सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा जानकारी दिया गया अभी तक कुल 28 हिट एंड रन मामले में पीड़ित परिवार के आश्रितों को कुल 5150000/- रुपये मुवावजा राशी उपलब्ध कराई जा चुकी है, अभी भी शेष 31 पेंडिंग मामलो में मुवावजा नही मिल पाया है , अपर उपायुक्त के द्वारा अंचल एवं अनुमंडल कार्यालय में लंबित आवेंद्नो को जल्द से जल्द अग्रेषित करने हेतु निर्देशित किया गया ।अनुमंडल पदाधिकारी जगन्नाथपुर द्वारा जानकारी दी गयी की बड़ाजामदा तथा उड़ीसा बॉर्डर के बीच सड़क पे बने गढ़े के कारण दुर्घटना की सम्भावना बनी रहती है। जिसपर अपर उपायुक्त के द्वारा ठल्ठ के पदाधिकारियों को गड्ढों को जल्द से जल्द ठीक करने का निर्देश दिया गया। अनुमंडल पदाधिकारी चक्रधरपुर द्वारा बताया गया की दुर्घटना के आकड़ों को कम करने के लिए नियम का उलंघन कर वाहन चला रहे चालको के विरुद्ध दंडनात्मक कार्य रेगुलर होते रहने की आवश्यकता है। जिसपर अपर उपायुक्त के द्वारा जिला परिवहन पदाधिकारी को थानों से समन्वय स्थापित कर दंडनात्मक कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया गया। जगन्नाथपुर विधयक प्रतिनिधि द्वारा नगर में तथा नगर के बाहर वाहनों का पार्किंग व्यवस्थित तरीके से ना होने के कारण दुर्घटना का सम्भावना बने रहने की बात रखी गयी। अपर उपायुक्त द्वारा गलत ढंग में पार्किंग कर रहे वाहन पे दंडनात्मक कारवाई करने के लिए जिला परिवहन पदाधिकारी को निर्देशित किया गया। बैठक में मुख्य रूप से अनुमंडल पदाधिकारी चक्रधरपुर, जगन्नाथपुर, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद चाईबासा, चक्रधरपुर पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय, कार्यपालक अभियंता पथ प्रमंडल चाईबासा, कार्यपालक अभियंता राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल चाईबासा, अध्यक्ष/ उपाध्यक्ष जिला बस/ ट्रक एसोसिएशन, सहित अन्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाष: 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि., काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक कविता साहू***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार । Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com